जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 2 सितम्बर, 2026

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

मित्र घटने तथा अकेलापन बढ़ने के सामाजिक संकेत

हार्वर्ड बिज़नेस रिव्यू के एक हालिया लेख में कहा गया है कि दुनिया भर में लोगों के बीच आपसी दोस्ती में तेज़ी से गिरावट आ रही है। यह लेख कहता है कि 1990 से अब तक, अमेरिका में ऐसे लोगों की संख्या, जो कहते हैं कि "मेरा कोई करीबी दोस्त नहीं है," चार गुना बढ़कर 12 प्रतिशत हो गई है। वहीं दूसरी ओर, जिन लोगों के 10 या उससे ज़्यादा जिगरी दोस्त हैं, उनकी संख्या में एक–तिहाई की कमी आई है। भारत के शहरी इलाकों में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिल रही है – जान–पहचान वाले लोग तो बढ़ रहे हैं, लेकिन सच्ची दोस्ती कम हो रही है। पहले लोग कार्यक्रमों में, कॉफी हाउसों में, कैफ़ों में या क्लबों में अजनबियों से मजे से बातचीत करते हुए दोस्त बन जाया करते थे। अब तो भीड़ के बीच भी लोग अकेले ही रहते हैं। अमेरिका में, पिछले दो सालों में अकेले भोजन करने वाले लोगों की संख्या में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे हालात में स्टैनफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी ने तो दोस्ती पर एक कोर्स भी शुरू किया है। यह सिर्फ़ एक सामाजिक मुद्दा नहीं है, बल्कि एक सांस्कृतिक समस्या है। दोस्तों के लिए समय निकालना अब समस्या बन गया है। अकेलापन अब एक लत बनता जा रहा है। यह चिंता व्यक्त की जा रही है कि यदि हम दोस्ती को अहमियत नहीं देंगे, तो हम न सिर्फ़ नए दोस्त खो देंगे, बल्कि अपने पुराने रिश्ते भी गंवा बैठेंगे। अनुसंधानों से पता चलता है कि अकेलापन दिल की बीमारियों, डिमेंशिया और समय से पहले मौत का खतरा बढ़ा देता है। चिकित्सक कहते हैं कि यह उतना ही नुकसानदायक है, जितना कि दिन में 15 सिगरेट पीना। मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक सेहत के लिए दोस्त बेहद ज़रूरी है। हार्वर्ड के 80 साल के एक अध्ययन के अनुसार, सच्ची खुशी और अच्छी सेहत का राज करीबी रिश्तों में छिपा होता है। पैसा तो कमाया जा सकता है, रुतबा भी बदल सकता है, लेकिन सच्चा दोस्त नहीं बदलता है, वह हर मुश्किल घड़ी में साथ खड़ा मिलता है। इसलिए, कहा जाता है कि अच्छे दोस्त ही असली दौलत होते हैं। दोस्ती को सींचना पड़ता है, उसके लिए समय निकालना पड़ता है, एक–दूसरे को माफ़ करना पड़ता है। सच्चे दोस्तों के साथ ही ज़िंदगी खूबसूरत बनती है। किन्तु गिग इकॉनमी के उभार और आर्थिक दबावों ने खाली समय को एक विलासिता बना दिया है। दोस्तों के लिए समय निकालने की प्राथमिकता कम होती जा रही है। हम अपना समय कैसे बिताते हैं, किस पर अपना समय लगाते हैं, और किसे प्राथमिकता देते हैं, ये सब बदल रहा है। अकेलापन अब सिर्फ़ एक पसंद नहीं रह गया है–यह एक डिफ़ॉल्ट स्थिति जैसा बनता जा रहा है। जब इसका सही इस्तेमाल नहीं होता, तो अकेलेपन का नतीजा सिर्फ़ कम दोस्त होना ही नहीं होता, बल्कि यह दोस्ती बनाने और उसे बनाए रखने की बुनियादी क्षमता का ही खत्म हो जाना होता है। ये रुझान एक गंभीर सांस्कृतिक संकट की ओर इशारा करते हैं। समाजशास्त्री चेताते हैं कि यदि हम अपनी प्राथमिकताओं को फिर से नहीं बनायेंगे और सार्थक रिश्ते बनाना फिर से नहीं सीखेंगे, तो हम एक ऐसे भविष्य के जोखिम में पड़ जाएंगे जहां खुशी और भलाई के सबसे बुनियादी स्त्रोतों में से एक मानवीय जुड़ाव जीवन की पृष्ठभूमि में कहीं खो जाएगा। इसलिये पहचान और सामाजिक जीवन को आकार देने में रिश्ते बनाये रखने की भूमिका को समझना होगा क्योंकि ये बदलाव यह भी संकेत दे रहे हैं कि शायद एक गहरा सांस्कृतिक परिवर्तन घटित हो रहा है।

हालांकि अपने काम में सार्थकता ढूंढना अपने आप में कोई समस्या नहीं है। लेकिन जब काम में संतुष्टि पाने की क़ीमत सार्थक निजी रिश्तों से चुकाना पड़े, तो यह एक समस्या बन जाती है–एक ऐसी समस्या जिसमें यह जोखिम होता है कि व्यक्ति अपने करियर में तो संतुष्ट रहे, लेकिन अपनी निजी ज़िंदगी में अकेला पड़ जाए। अब ज़्यादा ज़ोर एकल परिवार पर नज़र आ रहा है। ये रुझान बताते हैं कि लोग सामाजिक गतिविधियों में हिस्सा लेने के बजाय, ज़्यादा से ज़्यादा अपनी ही दुनिया में सिमटते जा रहे हैं। अब दोस्ती को रोज़मर्रा की ज़िंदगी का एक ज़रूरी हिस्सा नहीं माना जाता, बल्कि इसे ऐसी चीज़ समझा जाता है जिसके लिए हम तभी समय निकालते हैं, जब हमारी बाकी सभी ज़िम्मेदारियां पूरी हो चुकी होती हैं। स्क्रीन टाइम और सिर्फ़ डिजिटल माध्यम से बनी दोस्ती का चलन जरूर बढ़ रहा है। इंटरनेट और मोबाइल फ़ोन के आने से यह बदलाव तेजी से आया है। किशोरों में तो यह चलन और भी स्पष्ट तौर पर दिखता है। पश्चिम के अध्ययन बताते हैं कि किशोरवय के बच्चे स्कूल के समय के अलावा दोस्तों के साथ आमने–सामने सिर्फ़ 40 मिनट बिताते हैं, जबकि लगभग दो दशक पहले यह समय 140 मिनट था। दूसरी ओर, आज के किशोर डिवाइस पर ज़्यादा से ज़्यादा समय बिता रहे हैं। जानकार बताते हैं कि 2021 में, एक औसत किशोर ने रोज़ाना स्क्रीन पर लगभग नौ घंटे बिताए, जो 2015 में दो घंटे से अधिक का नहीं था। अगर डिजिटल दोस्ती और आमने–सामने की दोस्ती एक जैसी होतीं, तो इस सांस्कृतिक बदलाव से कोई फ़र्क नहीं पड़ता। लेकिन ऑनलाइन दोस्ती के लिए आमने–सामने की दोस्ती से अलग तरह के सामाजिक व्यवहार की ज़रूरत होती है। ऑनलाइन दोस्ती बनाए रखने के लिए सही मैसेज लिखने, टेक्स्ट–आधारित बातचीत को समझने और एक ही समय में कई लोगों के साथ अलग–अलग समय पर बातचीत करने जैसे हुनर की ज़रूरत होती है। इसके उलट, आमने–सामने की दोस्ती में पूरा ध्यान देना ज़रूरी होता है, और यह अचानक बने पलों, बॉडी लैंग्वेज को समझने और आमने–सामने के जुड़ाव की कमज़ोरियों को संभालने से मज़बूत होती है। कुछ लोग तो यह भी कहते हैं कि जो युवा डिजिटल बातचीत में डूबे हुए बड़े हो रहे हैं, वे आमने–सामने के सामाजिक हुनर सीखने का मौका गंवा रहे हैं–वही हुनर जो कभी गहरे मानवीय जुड़ाव की पहचान हुआ करते थे। समाजशास्त्री इस बात की चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि हम ऐसे लोगों की एक पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जिन्हें दोस्त बनाने के मुश्किल काम को संभालने का न तो तरीका आता है और न शायद उनमें ऐसा करने की क्षमता भी है। अनुसंधान यह भी बताते हैं कि डिजिटल बातचीत से जुड़ाव ही कमज़ोर नहीं होते हैं, बल्कि मानसिक सेहत भी कमज़ोर होती है। कोई 50 साल से ज़्यादा उम्र के लगभग 13,000 वयस्कों पर हाल ही में हुए एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग हफ़्ते में कम से कम एक बार आमने–सामने बातचीत करते थे, उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत बेहतर थी; जबकि फ़ोन कॉल या मैसेज के ज़रिए बातचीत करने वालों पर ऐसा कोई असर नहीं दिखा। न्यूरोसाइंस हमें इन नतीजों को समझने में मदद करता है। चिकित्सकीय अनुसंधान बताते हैं कि किसी जानी–पहचानी आवाज़ को सुनने से शरीर में कोर्टिसोल का स्तर कम होता है और ऑक्सीटोसिन का स्तर बढ़ता है। ये दोनों हार्मोन तनाव कम करने और जुड़ाव बनाने से संबंधित हैं। दूसरी तरफ टेक्स्ट–आधारित बातचीत और वीडियो कॉल से वैसी ही प्रतिक्रिया नहीं मिलती। इन जैविक संकेतों के बिना, डिजिटल बातचीत अजीब तरह से खाली–खाली लग सकती है, जिससे अकेलापन दूर होने के बजाय और बढ़ जाता है। यह सांस्कृतिक बदलाव विशेष रूप से भ्रामक है, क्योंकि यह न केवल हमारी आदतों को बदल रहा है–बल्कि यह हमारे दिमाग की बनावट को भी बदल रहा है। दोस्त बनाने के लिए अपनी कमज़ोरियों को ज़ाहिर करना ज़रूरी होता है, लेकिन अकेलापन इस कमज़ोरी को सहना और भी मुश्किल बना देता है। एक शोध से पता चला है कि अकेलापन खुद को ही और बढ़ाता है। जब लोग खुद को अकेला महसूस करते हैं, तो वे सामाजिक खतरों के प्रति ज़्यादा संवेदनशील हो जाते हैं, और उनके किसी भी बातचीत को गलत तरीके से समझने की संभावना बढ़ जाती है। यानी, वे यह सोचने लगते हैं कि उन्हें ठुकराया जा रहा है।

> **अच्छे दोस्त ही असली दौलत होते हैं। दोस्ती को सींचना पड़ता है, उसके लिए समय निकालना पड़ता है, एक-दूसरे को माफ़ करना पड़ता है। सच्चे दोस्तों के साथ ही ज़िंदगी खूबसूरत बनती है। किन्तु गिग इकॉनमी के उभार और आर्थिक दबावों ने खाली समय को एक विलासिता बना दिया है।**

अब असली दोस्तों की जगह लोग सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स तथा फ्रेंड्स की संख्या बढ़ाने में लगे रहते हैं, लेकिन संकट के समय साथ खड़े होने वाले सच्चे दोस्त कम होते जा रहे हैं। नई पीढ़ी पर दिखावे का दबाव भी जबरदस्त है। अब लोग मिलते हैं तब भी उनमें आपस में बातचीत से ज्यादा जरूरी चेक–इन करना और सेल्फी पोस्ट करना हो गया है। जब दो दोस्त आमने–सामने मिलते भी हैं, तब भी दोनों का ध्यान अपने–अपने फोन के नोटिफिकेशन पर रहता है। चैट और रील्स शेयर करने को ही लोग मिलना मान लेते हैं, जिससे असल जिंदगी में साथ बिताया जाने वाला समय घट गया है। सोशल मीडिया के इस युग में अपनी असली दोस्ती को जिंदा रखने और उसे मजबूत बनाने के लिए कुछ व्यावहारिक उपाय आजमाये जा सकते हैं। जैसे मिलने के दौरान फोन को बंद कर दिया जाना या उसे साइलेंट मोड पर कर देना। महीने में कोई एक दिन, जैसे हर महीने का दूसरा रविवार तय कर लेना, जब दोस्तों का मिलना अनिवार्य हो। मिलने का ऐसा बहाना किसी साझे शौक का हो सकता है, जैसे सिने संगीत। किसी को मिलने के लिए व्हाट्सएप मैसेज भेजने के बजाय सीधे फोन कॉल करना भी बेहतर हो सकता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि आवाज सुनकर मिलने की इच्छा ज्यादा मजबूत होती है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

आइए, जयपुर (गुलाबी नगर) को हम सुंदर बनाएं

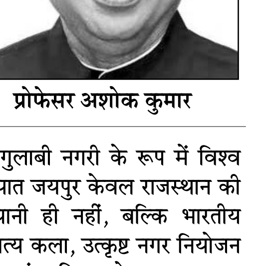

प्रोफेसर अशोक कुमार

गुलाबी नगरी के रूप में विश्व विख्यात जयपुर केवल राजस्थान की राजधानी ही नहीं, बल्कि भारतीय स्थापत्य कला, उत्कृष्ट नगर नियोजन और सांस्कृतिक चेतना का एक अद्वितीय वैश्विक प्रतीक है। सन् 1727 में महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय और प्रख्यात वास्तुविद् पं. विद्याधर भट्टाचार्य द्वारा सुनियोजित ग्रिड पैटर्न (नवग्रह सिद्धांत) पर स्थापित इस ऐतिहासिक महानगर को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल का गौरव प्राप्त है। 21वीं सदी के तीव्र शहरीकरण, बढ़ती जनसंख्या और भौतिक विस्तार के बीच जयपुर की ऐतिहासिक आत्मा, सांस्कृतिक वैभव और प्राकृतिक संतुलन को संवारते हुए इसे विश्वस्तरीय सौंदर्य प्रदान करना आज प्रत्येक नागरिक और नीति–निर्माता का परम पुनीत दायित्व है।

किसी भी ऐतिहासिक नगर का सौंदर्यीकरण मात्र बाह्य रंग–रोगन या सतही चमक–दमक तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह वहां के निवासियों के जीवन–स्तर, आर्थिक गतिशीलता, पर्यावरणीय सुरक्षा और सामाजिक चेतना का दर्पण होता है। जयपुर के सर्वांगीण विकास के लिए यह दृष्टिकोण निम्नलिखित मूलभूत आधारों पर टिका है:–

एक स्वच्छ, हरित और सुव्यवस्थित वातावरण नागरिकों के शारीरिक, मानसिक और संवेगात्मक स्वास्थ्य को सीधे प्रभावित करता है। सुनियोजित पार्क, प्रदूषण–मुक्त स्वच्छ वायु और सुरक्षित पैदल मार्ग तनावमुक्त और स्वस्थ जीवनशैली की अनिवार्य आवश्यकता हैं। जयपुर राजस्थान की अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। शहर का उत्कृष्ट सौंदर्य, सुगम यातायात और स्वच्छता देश–विदेश से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प, रत्न–आभूषण, वस्त्र उद्योग, होटल और आतिथ्य सत्कार क्षेत्र में रोजगार के विपुल अवसर सृजित होते हैं।

किसी नगर की स्वच्छता और सुव्यवस्था वहां के निवासियों के नागरिक अनुशासन, प्रशासनिक सहयोग और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को दर्शाती है। कंक्रीट के अनियंत्रित प्रसार के बीच सघन हरियाली का विस्तार, भूजल संवर्धन और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन ही यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जयपुर आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, प्रदूषण–मुक्त और जीवनक्षम महानगर बना रहे।

जयपुर की सुंदरता और स्थायित्व के लिए एक वैज्ञानिक और प्रभावी जल निकासी व्यवस्था सबसे पहली और अनिवार्य पूर्व–शर्त है। मानसून के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किए बिना शहर का कोई भी ढांचागत विकास या सौंदर्यीकरण क्षणभंगुर सिद्ध होगा। परकोटे की पारंपरिक बसावट और नए विस्तार क्षेत्रों के प्राकृतिक भौगोलिक ढलान के अनुरूप एक व्यापक और वैज्ञानिक ड्रेनेज मास्टर प्लान को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लागू किया जाए।

स्टॉर्म वॉटर एवं सीवरेज नेटवर्क का पूर्ण पृथक्करण:– बरसात के पानी की निकासी और सीवरेज लाइनों को पूरी तरह अलग रखा जाए, ताकि अतिवृष्टि के समय सीवर चोक होकर दूषित पानी सड़कों और आवासीय क्षेत्रों में न फैले।

मानसून आगमन से कम से कम दो माह पूर्व शहर के सभी मुख्य प्राकृतिक नालों और आंतरिक ड्रेनेज चैनलों की गहरी सफाई की जाए तथा निकाले गए मलबे का तुरंत सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित हो। अरावली पर्वतमाला से आने वाले वर्षा जल के पारंपरिक बहाव मार्गों और कैचमेंट एरिया में हुए अवैध निर्माणों को कड़ाई से हटाकर प्राकृतिक प्रवाह को अवरोध–मुक्त बनाया जाए। नालियों में प्लास्टिक कचरा जाने से रोकने के लिए रणनीतिक बिंदुओं पर जालीदार ट्रैप/फिल्टर लगाए जाएं तथा निचले जलभराव वाले क्षेत्रों में स्वचालित उच्च क्षमता वाले पंपिंग स्टेशन स्थापित किए जाएं। द्रव्यवती नदी, मानसागर (जल महल), आमेर की मावठा झील और ऐतिहासिक बावड़ियों का कायाकल्प कर वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया जाए।

जयपुर का चारदीवारी क्षेत्र (परकोटा) अपनी वास्तुशिल्पीय भव्यता, गुलाबी आभा, सुव्यवस्थित बाजारों और छतरियों के लिए जाना जाता है। इसके ऐतिहासिक स्वरूप को अक्षुण्ण रखने हेतु निम्नलिखित कदम अनिवार्य हैं:–यूनेस्को हेरिटेज बायलॉज के अंतर्गत पारंपरिक गेरुआ/गुलाबी रंग की प्राकृतिक डिस्टेंपर कोटिंग, झरोखों, कंगूरों और छतरियों का मूल स्थापत्य शैली में संरक्षण किया जाए तथा किसी भी विद्रूप निर्माण पर रोक लगे।

बाजारों (जौहरी बाजार, हवा महल बाजार, त्रिपोलिया, चांदपोल) में लटकते बिजली और टेलीकॉम तारों के जंजाल को पूरी तरह भूमिगत डक्ट्स में शिफ्ट किया जाए और बड़े भद्दे होर्डिंग्स हटाए जाएं। सभी दुकानों के साइनबोर्ड्स के लिए एक मानक आकार, एकरूप हेरिटेज फॉन्ट (देवनागरी व अंग्रेजी) तथा पीतल या काष्ठ की पारंपरिक पृष्ठभूमि निर्धारित की जाए। अजमेरी गेट, सांगानेरी गेट और चांदपोल के बाहरी छोर पर बहुमंजिला पार्किंग विकसित की जाए। चारदीवारी के आंतरिक व्यस्ततम मार्गों पर पीक आवर्स में नो–व्हीकल जोन लागू कर केवल पैदल यात्रियों तथा पर्यावरण–अनुकूल विंटेज लुक वाले ई–कार्ट्स को अनुमति दी जाए। जीर्ण–शीर्ण निजी हवेलियों को सार्वजनिक–निजी सहभागिता के माध्यम से हेरिटेज होमस्टे, लिटरेचर कैफे, हस्तशिल्प दीर्घाओं और संस्कृति केंद्रों में बदला जाए ताकि उनकी वास्तुकला जीवंत बनी रहे। हवा महल, जंतर–मंतर, अल्बर्ट हॉल और ऐतिहासिक द्वारों पर ऊर्जा–दक्ष व सुरुचिपूर्ण वार्म–व्हाइट थीम लाइटिंग लगाई जाए, जो रात्रि में शहर के सौंदर्य को भव्यता प्रदान करे। विरासत के संरक्षण के साथ–साथ परकोटे से बाहर फैले नए जयपुर (मानसरोवर, वैशाली नगर, मालवीय नगर, जगतपुरा, विद्याधर नगर आदि) को एक आधुनिक, हरित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध उपनगर के रूप में संवारना अत्यंत आवश्यक है:जेएलएन मार्ग, टोंक रोड, अजमेर रोड और मेट्रो पिलर्स व फ्लाईओवर्स को केवल व्यावसायिक विज्ञापनों का केंद्र न बनाकर उन पर सांगानेरी ब्लॉक प्रिंट, मंडाना, फड पेंटिंग और आधुनिक 3 भित्ति चित्रों का उत्कृष्ट सृजन किया जाए।

प्रमुख गोल चक्करों पर कंक्रीट के बेतरतीब ढांचों के स्थान पर ढूंढाड़ी वास्तुकला से प्रेरित मूर्तियां, फव्वारे और देशी प्रजाति के छायादार वृक्षों से सुसज्जित लैंडस्केपिंग की जाए। सेंट्रल पार्क, स्मृति वन, झालाना वन क्षेत्र और आमागढ़ तलहटी को इको–टूरिज्म व जैव विविधता संरक्षण क्षेत्र के रूप में सहेजा जाए। जवाहर कला केंद्र और रवींद्र मंच की तर्ज पर जगतपुरा, विद्याधर नगर और मानसरोवर में खुले एम्फीथिएटर और कम्युनिटी आर्ट सेंटर स्थापित किए जाएं, जिससे कला, संगीत, नृत्य और नाट्यय गतिविधियां पूरे महानगर में सुलभ हो सकें। वहीं जयपुर के विश्वप्रसिद्ध मीनाकारी, कुंदन ज्वैलरी, ब्लू पॉटरी, संगमरमर मूर्तिशिल्प और लाख कला को बढ़ावा देने हेतु लाइव क्राफ्ट हब बनाए जाएं, जहां सैलानी कारीगरों को प्रत्यक्ष कार्य करते देख सकें।

स्वच्छता ही किसी भी सौंदर्य की वास्तविक आत्मा है। ठोस कचरा प्रबंधन को वैज्ञानिक और पारदर्शी बनाना शहर को शीर्ष राष्ट्रीय पायदान पर स्थापित करने के लिए आवश्यक है:–गीले, सूखे और खतरनाक कचरे का घरों और दुकानों के स्तर पर ही पृथक्करण सुनिश्चित किया जाए। खुले डंपिंग याड्‌र्स को समाप्त कर आधुनिक ट्रांसफर स्टेशनों का संचालन हो। परकोटा क्षेत्र, प्रमुख बाजारों और पर्यटन स्थलों पर रात्रि में मैकेनाइज्ड स्वीपिंग और वाटर वॉशिंग की नियमित व्यवस्था की जाए।

जयपुर का सौंदर्य केवल अतीत का गौरव गान करने में नहीं, बल्कि उस गौरव को आधुनिक आवश्यकताओं के साथ सामंजस्य बिठाकर भविष्य के लिए संवारने में है। हेरिटेज बायलॉज का कठोरता से अनुपालन, डिजिटल मॉनिटरिंग, पारदर्शी प्रशासनिक तंत्र और सबसे बढ़कर–जयपुरवासियों की सक्रिय नागरिक सहभागिता (जन–भागीदारी)–ही इस गुलाबी नगर को 21वीं सदी का एक स्वच्छ, हरा–भरा, सुरुचिपूर्ण और विश्वस्तरीय आदर्श महानगर बना सकती है। आइए, हम सब मिलकर अपनी इस अमूल्य धरोहर को सुंदर, सुरक्षित और गौरवशाली बनाने का संकल्प लें।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति: कानपुर विश्वविद्यालय एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय

'अधिक विश्वविद्यालय' से आगे बढ़कर 'बेहतर विश्वविद्यालय'

राजेन्द्र जोशी

विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की कमी, भर्ती प्रक्रिया में अनिश्चितता, प्रशासनिक जड़ता और परीक्षाओं की विश्वसनीयता में आती कमी जैसे विषय अब केवल विश्वविद्यालयों की आंतरिक समस्या नहीं रह गए हैं। इनका सीधा प्रभाव विद्यार्थियों के भविष्य और प्रदेश की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ रहा है। राजस्थान में उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार को विश्वविद्यालयों की वर्तमान कार्यप्रणाली की व्यापक समीक्षा कर ठोस सुधारों की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

राजस्थान में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में विश्वविद्यालयों की संख्या और विद्यार्थियों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन उसके अनुरूप शैक्षणिक संसाधनों और प्रशासनिक व्यवस्था का विस्तार नहीं हो पाया है। प्रदेश के अनेक राजकीय विश्वविद्यालयों में स्वीकृत पदों के बावजूद पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। कहीं पद रिक्त हैं तो कहीं भर्ती प्रक्रिया लंबे समय से लंबित है। इसका सबसे बड़ा खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ता है। जिन विषयों में विशेषज्ञ शिक्षक होने चाहिए, वहां नियमित कक्षाएं प्रभावित होती हैं और विद्यार्थियों को स्वाध्याय या वैकल्पिक संसाधनों पर निर्भर रहना पड़ता है।

उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं है। विश्वविद्यालय ज्ञान, शोध, चिंतन और नवाचार के केंद्र होते हैं। यदि विश्वविद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक ही उपलब्ध नहीं होंगे तो उनसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? इसलिए प्रदेश सरकार को सबसे पहले विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की कमी को गंभीरता से लेना होगा।

भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्थायित्व

विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की भर्ती को लेकर समय–समय पर विवाद सामने आते रहे हैं। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। यदि सरकार को लगता है कि विश्वविद्यालय स्तर पर होने वाली भर्ती में भ्रष्टाचार या अनियमितता की आशंका रहती है, तो इसका समाधान भर्ती रोक देना नहीं हो सकता। इससे तो विद्यार्थियों और शिक्षा व्यवस्था को नुकसान होता है।

एक बेहतर विकल्प यह हो सकता है कि राजकीय विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की भर्ती के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) जैसी स्वतंत्र और संवैधानिक संस्था को अधिकृत किया जाए। विश्वविद्यालय अपनी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार विषयवार और पदवार मांग सरकार को भेजें तथा निर्धारित प्रक्रिया के बाद आरपीएससी भर्ती प्रक्रिया पूरी करे। इससे चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी, विश्वविद्यालयों पर अनावश्यक दबाव कम होगा और लंबे समय तक पद रिक्त रहने की समस्या का समाधान किया जा सकेगा।

विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की भर्ती को राजनीतिक अथवा प्रशासनिक हस्तक्षेप से मुक्त रखते हुए इसे एक नियमित और समयबद्ध प्रक्रिया बनाया जाना चाहिए। जिस प्रकार अन्य सरकारी सेवाओं में भर्ती की निश्चित प्रक्रिया है, उसी प्रकार उच्च शिक्षा में भी शिक्षक भर्ती का स्थायी ढांचा विकसित किया जाना चाहिए।

विश्वविद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी

राजस्थान में विभिन्न विश्वविद्यालय अपने–अपने स्तर पर काम कर रहे हैं। विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता महत्वपूर्ण है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि उनके बीच किसी प्रकार का प्रशासनिक और शैक्षणिक समन्वय ही न हो। प्रदेश में उच्च शिक्षा के लिए एक प्रभावी राज्य स्तरीय तंत्र की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

इस दिशा में विश्वविद्यालय आयुक्तालय की स्थापना पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। यह आयुक्तालय विश्वविद्यालयों के बीच समन्वय, मानव संसाधन, शैक्षिणक गुणवत्ता, प्रशासनिक सुधार, परीक्षा व्यवस्था और अन्य साझा विषयों की निगरानी कर सकता है।

विशेष रूप से शिक्षकों और गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों के स्थानांतरण एवं पदस्थापन के लिए एक पारदर्शी व्यवस्था बनाई जा सकती है। कई बार ऐसा होता है कि किसी विश्वविद्यालय में किसी विषय के शिक्षक आवश्यकता से अधिक हैं, जबकि दूसरे विश्वविद्यालय में उसी विषय के शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। यदि राज्य स्तर पर समन्वित व्यवस्था हो तो आवश्यकता के अनुसार मानव संसाधन का बेहतर उपयोग किया जा सकता है।

लंबे समय तक एक ही स्थान पर पदस्थापन भी बने समीक्षा का विषय -विश्वविद्यालयों में लंबे समय तक एक ही स्थान पर अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के बने रहने से प्रशासनिक जड़ता की स्थिति पैदा हो सकती है। लगातार एक ही व्यवस्था में रहने से जवाबदेही और कार्यप्रणाली की समीक्षा कमजोर पड़ने की संभावना रहती है। इसलिए आवश्यकतानुसार स्थानांतरण, पदस्थापन और कार्य–मूल्यांकन की पारदर्शी नीति होनी चाहिए।

हालांकि स्थानांतरण को दंडात्मक हथियार बनाने के बजाय इसे प्रशासनिक दक्षता और शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने का माध्यम बनाया जाना चाहिए। विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता और शिक्षकों की अकादमिक स्वतंत्रता को सुरक्षित रखते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी।

विश्वविद्यालयों के एकीकरण पर भी हो विचार

राजस्थान में विश्वविद्यालयों की संरचना और उनकी भूमिका की भी व्यापक समीक्षा की आवश्यकता है। जहां समान प्रकृति के पाठ्यक्रम, संसाधन और प्रशासनिक ढांचे के कारण दोहराव हो रहा है, वहां आवश्यकता के अनुसार विश्वविद्यालयों के एकीकरण या शैक्षिणक संसाधनों के साझा उपयोग पर विचार किया जा सकता है।

हर जिले या क्षेत्र में अलग–अलग संस्थागत ढांचा खड़ा करने की बजाय कुछ विश्वविद्यालयों को विशेष विषयों और शोध के केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि एकीकरण का निर्णय केवल प्रशासनिक सुविधा के आधार पर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोध और क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण

उच्च शिक्षा में परीक्षा व्यवस्था का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय की डिग्री तभी सम्मानित मानी जाएगी, जब उसकी परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली पर विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और समाज का विश्वास बना रहे। दुर्भाग्य से परीक्षा आयोजन, प्रश्नपत्र, मूल्यांकन, परिणाम और अन्य प्रक्रियाओं को लेकर समय–समय पर सवाल उठते रहे हैं। सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन को परीक्षा व्यवस्था की विशेष निगरानी करनी चाहिए। प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, परिणाम तैयार करने और पुनर्मूल्यांकन तक प्रत्येक स्तर पर तकनीक और पारदर्शिता का इस्तेमाल होना चाहिए। परीक्षा परिणाम में अनावश्यक देरी भी विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित करती है। प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा में प्रवेश और रोजगार के अवसरों के लिए समय पर परिणाम आवश्यक हैं।

विश्वविद्यालयों को राजनीति नहीं, अकादमिक उत्कृष्टता का केंद्र बनाना होगा

राज्य के विश्वविद्यालयों में समय–समय पर विद्यार्थी आंदोलन होते हैं। विद्यार्थी जब शिक्षकों की कमी, परीक्षा संबंधी समस्याओं, परिणाम में देरी अथवा अन्य शैक्षिणक मुद्दों को लेकर आंदोलन करते हैं तो यह संकेत है कि व्यवस्था में कहीं न कहीं संवाद और समाधान की कमी है। हर विद्यार्थी आंदोलन को केवल कानून–व्यवस्था की समस्या मानने की बजाय उसके मूल कारणों को समझना चाहिए।

सरकार को विश्वविद्यालयों में नियमित संवाद की व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। विद्यार्थियों, शिक्षक संगठनों, कुलपतियों और शिक्षा विशेषज्ञों के साथ समय–समय पर संवाद कर समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

राजस्थान की उच्च शिक्षा को अब तात्कालिक और टुकड़ों में किए जाने वाले सुधारों से आगे बढ़कर दीर्घकालीन नीति की आवश्यकता है। शिक्षक भर्ती के लिए पारदर्शी एवं केंद्रीकृत व्यवस्था, विश्वविद्यालयों के बीच समन्वय के लिए विश्वविद्यालय आयुक्तालय, मानव संसाधन का बेहतर उपयोग, आवश्यकता के अनुसार संस्थागत पुनर्गठन तथा परीक्षा व्यवस्था में तकनीकी और प्रशासनिक सुधार–ये सभी कदम मिलकर उच्च शिक्षा को नई दिशा दे सकते हैं।

सरकार को यह समझना होगा कि विश्वविद्यालयों पर किया गया खर्च केवल बजट का हिस्सा नहीं है, बल्कि प्रदेश के भविष्य में निवेश है। यदि विश्वविद्यालयों में शिक्षक नहीं होंगे, कक्षाएं नियमित नहीं होंगी, शोध का वातावरण नहीं बनेगा और परीक्षा प्रणाली पर विश्वास कमजोर होगा तो उच्च शिक्षा की पूरी संरचना प्रभावित होगी। इसलिए समय आ गया है कि राजस्थान उच्च शिक्षा की मौजूदा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करे और 'अधिक विश्वविद्यालय' से आगे बढ़कर 'बेहतर विश्वविद्यालय' की दिशा में कदम उठाए। विश्वविद्यालयों को प्रशासनिक नियंत्रण के बोझ से मुक्त, जवाबदेह, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और विद्यार्थी–केंद्रित बनाना ही राजस्थान की उच्च शिक्षा के पुनर्निर्माण का आधार होना चाहिए।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद–साहित्यकार

राशिफल

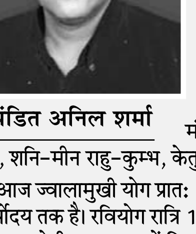

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 2 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, भरणी नक्षत्र रात्रि 1:43 तक, धुव्र योग रात्रि 9:12 तक, तैतिल करण प्रातः 6:13 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–मेष, मंगल–मिथुन, बुध–सिंह, गुरू–कर्क, शुक्र–कन्या, शनि–मीन राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज ज्वालामुखी योग प्रातः 6:13 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 1:43 से सूर्योदय तक है। रवियोग रात्रि 1:43 से आरम्भ होगा। आज भद्रा रात्रि 4:27 से आरम्भ होगी। शुक्र तुला में दिन 1:47 पर प्रवेश करेगा। आज चान्द छठ व्रत, बलदेव जयन्ती, हल षष्ठी और ललही षष्ठि है। आज छठ तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:18 तक, शुभ 10:52 से 12:27 तक, चर 3:35 से 5:09 तक, लाभ 5:09 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:10, सूर्यास्त 6:43

मेष

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

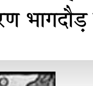

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह

शुभ कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

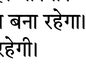

तुला

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

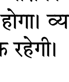

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

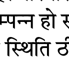

मकर

घर–परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

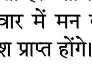

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण वार्ता हो सकती है और महत्वपूर्ण योजना बन सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

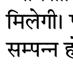

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 32 प्रभात जयपुर, बुधवार 2 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Execution Of Lady Jane Grey

The dark, shallow, stage-like background focuses all attention on the central tragedy...

The Gift of India

When Nikola Tesla Met Swami Vivekananda

That matter itself was a concentrated form of energy, Einstein had expressed the unity that Tesla had long suspected and Vivekananda had philosophically described

भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय ''गोल्डीलॉक्स मोमैंट'' से गुज़र रही है

यह एक ''आदर्श स्थिति'' है, अर्थव्यवस्था अपनी ही आतंरिक गति से आगे बढ़ रही है, अगर टैक्स लगाया गया या नोटबंदी जैसा कदम उठाया गया तो सब कुछ खराब हो सकता है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- विशेषज्ञों के अनुसार, यह ग्रोथ अर्थव्यवस्था को चलाने की सरकार की बुद्धिमता का नतीज़ा नहीं है, यह तो हम भारतीयों के खुद को बेहतर बनाने के प्रयासों का मिलाजुला असर है और सरकार को इसमें बाधा नहीं डालनी चाहिए।
- मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की ग्रोथ देखी गई है, जहाँ कुछ लोग इस पर बेहद खुश हैं तो कुछ ने इन्हें ''मनगढ़ंत'' बताया है। लेकिन अभी के हालात में नैशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस के आंकड़ों के आधार पर जीडीपी को देखना चाहिए जो भारतीय अर्थव्यवस्था की उचित तस्वीर दिखाते हैं।
- इन आंकड़ों के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत घरेलू खपत है और वही अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही है, इसके अलावा इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार, प्राइवेट निवेश से भी स्थिति सुधरी है।
- पर यह गारंटी नहीं है कि यह स्थिति हमेशा रहेगी, इसलिए इस गति को बनाए रखने के लिए समझदारी से कदम उठाने होंगे।

नई दिल्ली, 1 सितमबर। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की लगभग 8 प्रतिशत की ग्रोथ ने कुछ लोगों में काफी उत्साह पैदा किया है, जबकि दूसरे लोगों ने इन आंकड़ों को ''मनगढ़ंत'' बताते हुए आलोचना की है। दोनों ही दावे काफी हद तक गलत हैं।

जो लोग जीडीपी के इन ताजा आंकड़ों पर सवाल उठा रहे हैं, उन्होंने बहुत कम वैकल्पिक आंकड़े दिए हैं। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, राष्ट्रीय आय पर एनएसओ (नैशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस) का डेटा ही सबसे अच्छा उपलब्ध अनुमान है और इन आंकड़ों के आधार पर बहस और विश्लेषण किया जा सकता है, जब तक कि इससे अधिक विस्तृत और व्यापक आंकड़ों का कोई दूसरा सेट सामने नहीं आता।

एनएसओ द्वारा जारी आंकड़ों को सबसे अच्छे उपलब्ध अनुमान के तौर पर देखें तो ये भारतीय अर्थव्यवस्था की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीजेपी 5 सितम्बर को मार्च नहीं करेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 सितम्बर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा अदालत में दिए गए आश्वासन और अदालत की ओर से जारी किए जाने वाले आदेशों को देखते हुए, संगठन ने 5 सितंबर को

- सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी कि उनका संगठन 5 सितम्बर का मार्च वापस ले रहा है, क्योंकि केन्द्र सरकार ने कोर्ट में आश्वासन दिया है कि वह 25 जुलाई को किए गए सभी वादे पूरे करेगी तथा इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं।

प्रस्तावित मार्च का आव्हान वापस ले लिया है।

दास ने अदालत से कहा, ''सीजेपी के सह-संयोजक के तौर पर मैं कहना चाहता हूं कि भारत सरकार के सकारात्मक आश्वासनों और आज उन्हें मिली न्यायिक मान्यता तथा इस अदालत द्वारा पारित किए जा रहे आदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष 4 को जयपुर आएंगे

निकाय चुनावों के बीच हो रहे दौरे में वे संगठन व चुनाव प्रबंधन से जुड़े नेताओं से चर्चा करेंगे

- चर्चा है कि बी एल संतोष का दौरा कार्यकर्ताओं की नाराज़गी व विरोध से होने वाली हानि का डैमेज कंट्रोल करने तथा चुनावी माइक्रो मैनेजमैंट के लिए किया जा रहा है।

जयपुर, 1 सितम्बर। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव की सरगर्मियों के बीच, भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष का 4 सितंबर को जयपुर दौरा प्रस्तावित है। चुनावी तैयारियों के अंतिम दौर में हो रहा उनका यह दौरा संगठन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, संतोष के जयपुर प्रवास के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठन एवं चुनाव प्रबंधन से जुड़े वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक प्रस्तावित है। बैठक में निकाय चुनाव की तैयारियों, प्रत्याशियों की स्थिति, चुनाव प्रचार, संगठनात्मक समन्वय और नाराज कार्यकर्ताओं को साधने सहित, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

भाजपा ने हाल ही में जयपुर समेत प्रमुख नगर निकायों के लिए प्रत्याशियों के नाम तय किए हैं। टिकट वितरण के बाद कुछ स्थानों पर कार्यकर्ताओं की नाराजगी और विरोध भी सामने आया है। ऐसे में संतोष का दौरा पार्टी के डैमेज कंट्रोल और चुनावी माइक्रो मैनेजमेंट के लिहाज से अहम माना जा रहा है। जयपुर में टिकट वितरण को लेकर पार्टी के सामने असंतोष की चुनौती भी सामने आई है।

राजस्थान में निकाय चुनाव दो चरणों में हो रहे हैं। जयपुर नगर निगम में 11 सितंबर को मतदान होना है। ऐसे में संतोष का दौरा चुनाव प्रचार के निर्णायक दौर से ठीक पहले हो रहा है। माना जा रहा है कि बैठक में बूथ स्तर तक संगठन की सक्रियता, प्रत्याशियों और स्थानीय नेताओं के बीच तालमेल तथा बागी प्रत्याशियों को मुख्यधारा में लाने की रणनीति पर भी चर्चा हो सकती है। प्रदेश भाजपा नेतृत्व के साथ होने वाली बैठक में आगामी दिनों के लिए चुनावी रोडमैप को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है।

निकाय चुनाव के बीच राष्ट्रीय संगठन महामंत्री का जयपुर दौरा भाजपा की चुनावी तैयारियों पर राष्ट्रीय नेतृत्व की सीधी निगरानी और संगठनात्मक रणनीति को धार देने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

भिवाड़ी में 4 करोड़ रूपए की दवाइयाँ व कच्चा माल जब्त

बिना लाइसैंस चल रहे, स्ट्रेन हैल्थ केयर के गोदाम में 1500 कार्टन दवाइयाँ पकड़ी गईं

-कार्यालय संवाददाता-

- जयपुर, अलवर और दौसा के अधिकारियों की संयुक्त टीम की कार्यवाही में पंजाब, हरियाणा व हिमाचल प्रदेश की दवा कंपनियों की दवाएँ जब्त की गईं, जो स्ट्रेन हैल्थ केयर द्वारा बाज़ार में बेची जा रही हैं।

जयपुर, 1 सितम्बर। औषधि नियंत्रण विभाग की टीम ने भिवाड़ी में बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए, बिना लाइसेंस संचालित दवा कारोबार पर शिकंजा कसा है। टीम ने यहां से करीब 4 करोड़ रुपये कीमत की दवाइयां और दवा बनाने में इस्तेमाल होने वाला सामान जब्त किया है।

चिकित्सा-स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि विभाग को गोपनीय सूचना मिली थी, जिस पर मुख्यालय जयपुर तथा अलवर और दौसा के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने स्ट्रेन हैल्थ केयर, भिवाड़ी में बिना लाइसेंस चल रहे गोदाम पर कार्रवाई की। यहां से करीब 1500 कार्टन दवाइयां और अन्य सामान जब्त किया गया।

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि जांच के दौरान अलग-अलग कंपनियों की कई तरह की दवाइयां मिलीं। इनमें कंडोर हेल्थकेयर, लालरू (पंजाब) द्वारा निर्मित टेबलेट मेडिक्ब -55 (डायक्लोफ़ेनेक सोडियम 50 एमजी) एवं टेबलेट एरिक्वा, ओपल हेल्थकेयर, करनाल (हरियाणा) द्वारा निर्मित टेबलेट चका पैन एक्सट्रा, टेबलेट लेडीनेक्स एवं टेबलेट हाइग्रा 200, एलेक्सा फार्मास्युटिकल्स, बड्डी, डिस्ट्रिक्ट सोलन (हिमाचल प्रदेश) द्वारा निर्मित टेबलेट पिलप्रोफ़ॉक्सेसिन -500 तथा यूनिशार्प ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, लालरू, एसएएस नगर (मोहाली), पंजाब द्वारा निर्मित टेबलेट ऑक्सीपर प्लस सहित अन्य दवाइयां जब्त की गई। ये दवाइयां स्ट्रेन हेल्थ केयर, भिवाड़ी द्वारा बाजार में बेची जा रही थीं।

उन्होंने बताया कि दवाइयों की गुणवत्ता जांच के लिए 9 सैंपल लिए गए हैं। इसके अलावा, गोदाम से दवा बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल, जिसमें टेपेंटाडॉल, प्रेगबालिन और कोट्रीमोक्साजोल आदि शामिल हैं, पैकिंग का सामान और दवा बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी जब्त किए गए। मौके से एक्सपायर्ड सिल्डेनाफिल की गोलियां भी मिलीं।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि लोगों की सेहत से जुड़े मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'डॉक्टरों पर हमला करने वालों को जमानत का हक नहीं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कल्याण के शास्त्री नगर अस्पताल में डॉक्टरों के साथ

- सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों से मारपीट के मामले में शिव सेना के पार्षद रमेश सुकर्या म्हात्रे की जमानत खारिज करते हुए यह टिप्पणी की और बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को कायम रखा।

मारपीट के मामले में शिवसेना के कॉर्पोरेटर रमेश सुकर्या म्हात्रे से सवाल किए। अदालत ने कहा कि अस्पताल के भीतर चिकित्सा पेशेवरों पर होने वाले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र और दिल्ली की एसआईआर कवायद पर राहुल और केजरीवाल ने गंभीर सवाल उठाए

एसआईआर के बाद बनी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में, दिल्ली में 47.7 लाख और महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- राहुल गांधी ने कहा, महाराष्ट्र में हर पाँचवा मतदाता हटा दिया गया है और दिल्ली में एक तिहाई मतदाताओं के नाम हटा दिए गए है।
- राहुल ने बंगाल का हवाला दिया, जहाँ चुनाव के बाद ट्रिब्यूनल में हुई सुनवाई के बाद 91 प्रतिशत मतदाताओं के नाम वापस वोटर लिस्ट में आग गए, इसका अर्थ है कि ये नाम दुर्भावना से हटाए गए थे।
- दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री व आप के चीफ अरविन्द केजरीवाल ने ''एक्स'' पर कटाक्ष किया कि भारत सरकार को देश की आबादी की चिंता करने की जरूरत नहीं है। एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग देश की आबादी 140 करोड़ से घटाकर 50 करोड़ कर देगा।

नई दिल्ली, 1 सितम्बर। दिल्ली और महाराष्ट्र में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीज़न (एसआईआर) के बाद जारी की गई मसौदा मतदाता सूची (ड्राफ्ट वोटर लिस्ट) में दिल्ली में 47 लाख और महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ नागरिकों के नाम संभावित रूप से बाहर किए गये हैं। आयोग के इस कदम को लेकर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तीखा हमला बोला है। उनका कहना है कि इससे इन नागरिकों के मतदान का अधिकार प्रभावित होगा।

केजरीवाल ने दिल्ली के एसआईआर से पहले के मतदाताओं में से करीब एक-तिहाई के नाम सूची से बाहर किए जाने पर सवाल उठाया। वहीं, राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग, जिसे उन्होंने ''वोट चोरी आयोग'' की संज्ञा दी, एक ही उद्देश्य के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों का मकसद ''किसी भी कीमत पर'' भाजपा को चुनाव जिताना और भारतीय लोकतंत्र को कमज़ोर करना है।

महाराष्ट्र की मसौदा मतदाता सूची का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि 2.07 करोड़ मतदाताओं को सूची से बाहर कर दिया गया है, यानी ''हर पांचवां मतदाता''। उन्होंने इस मसौदा सूची की तुलना 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में इस्तेमाल की गई मतदाता सूचियों से की।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में सवाल किया, ''लोकसभा चुनाव, 2024 में 9.29 करोड़ मतदाता; विधानसभा चुनाव 2024 में 9.7 करोड़ मतदाता; एसआईआर 2026 में 7.78 करोड़ मतदाता; इनमें से कौन-सी सूची सही थी?''

सोमवार को ही जारी महाराष्ट्र की मसौदा मतदाता सूची में 78.86 प्रतिशत मतदाताओं का गणना-प्रपत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भीलवाड़ा में 17 कांग्रेस प्रत्याशियों को सिंबल नहीं मिले

भीलवाड़ा, 1 सितम्बर (निसं)। नगर निगम चुनाव के दौरान सिंबल वितरण को लेकर प्रदेश कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान चरम पर पहुंच गई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य मनोज पालीवाल ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को शिकायती पत्र भेजकर चीफ गोविंद

- पीसीसी सदस्य मनोज पालीवाल ने प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा का इस्तीफा माँगा।

सिंह डोटासरा पर गंभीर आरोप लगाते हुए इस्तीफे की मांग की हैं। पालीवाल का आरोप है कि प्रदेश अध्यक्ष की लापरवाही और कथित भेदभाव की वजह से 17 कांग्रेस प्रत्याशी नामांकित होने से वंचित रह गए और सीधे चुनाव मैदान से बाहर हो गए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजे पत्र व ज्ञापन में मनोज पालीवाल ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 70

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हनी ट्रैप मॉड्यूल के लिए छोटे शहरों में अड्डे बना रही है आईएसआई

पाकिस्तान का लक्ष्य है कि यह गतिविधियाँ भारत में ही संचालित हों, ताकि उनमें पाकिस्तान के लिप्त होने की पुष्टि ना हो सके

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- भारतीय खुफिया सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान की गुप्तचर संस्था आईएसआई ने 2015-2019 के बीच हनी ट्रैप मॉड्यूल के लिए 3,000 करोड़ रूपए आवंटित किए थे और इसका केन्द्र फरीदकोट था, पर अब इसे भारत में शिफ्ट किया जा रहा है।
- अधिकारी ने बताया कि छोटे शहरों व गाँवों में निगरानी कम होती है, वहाँ लोगों को लालच देकर आसानी से फँसाया जा सकता है। आईएसआई का निशाना दक्षिण भारत पर भी है।
- आईएसआई इसमें एआई की भी मदद ले रहा है, जिससे ''हनी ट्रैप'' नैटवर्क का पता लगाना मुश्किल हो सकता है। क्योंकि एआई से किसी भी व्यक्ति की फेक वीडियो भी बना सकते हैं।
- यह भी पता चला है कि आईएसआई का लक्ष्य अग्निवीर भी है। वह इन्हें हनी ट्रैप में फँसाकर गोपनीय जानकारी हासिल करना चाहता है।

नई दिल्ली, 1 सितम्बर। पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) छोटे भारतीय शहरों और गांवों में स्थानीय नेटवर्क खड़े कर अपने हनी-ट्रैपिंग अभियानों का विस्तार करने की कोशिश कर रही है। खुफिया अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इस कदम को भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक नई चुनौती माना जा रहा है। खासकर इसलिए कि आईएसआई अब अपने निशानों को फंसाने और संवेदनशील जानकारी हासिल करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार तस्वीरों और वीडियो का भी इस्तेमाल कर रही है।

खुफिया ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि इस बदलाव से भारतीय एजेंसियों के लिए ऐसे अभियानों का पता लगाना और उनके स्रोत तक पहुंचना अधिक कठिन हो जाएगा। कई वर्षों तक हनी-ट्रैप नेटवर्क कथित तौर पर पाकिस्तान के फरीदकोट से संचालित किया जाता था, जहां से हैंडलर भारत में मौजूद अपने लोगों को निर्देश देते थे।

अधिकारी के अनुसार, आईएसआई ने 2015 से 2019 के बीच इस मॉड्यूल को चलाने के लिए करीब 3,000 करोड़ रुपये निर्धारित किए थे, जो दर्शाता है कि यह अभियान कितने बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है।

अब आईएसआई इन गतिविधियों को पूरी तरह भारत के भीतर स्थानांतरित करने की कोशिश कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि यह पाकिस्तान की उस खुफिया रणनीति के अनुरूप है, जिसमें भारत को निशाना बनाने वाली आतंक संबंधी गतिविधियों को स्थानीय या स्वदेशी गतिविधियों के रूप में दिखाया जाए, ताकि उनका संबंध पाकिस्तान से जोड़ना मुश्किल हो।

एक अधिकारी ने कहा कि आईएसआई द्वारा नए नेटवर्क के लिए मुख्य रूप से बड़े शहरों पर ध्यान केन्द्रित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाँच साल पुराने रिश्वत प्रकरण में महिला एएसआई को तीन साल की सजा

जयपुर, 1 सितंबर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 ने पांच साल पुराने रिश्वत से जुड़े मामले में बांदीकुई थाने की तत्कालीन एएसआई ललिता शर्मा को तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी

- मामला बाँदीकुई थाने में दुर्घटनाग्रस्त मोटर साइकिल को छोड़ने के लिए रिश्वत लेने का है।

राजेश दड़िया ने अभियुक्त पर दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मंजुला जैन ने अदालत को बताया कि अलवर के रैणी निवासी हरिओम शर्मा ने 12 मार्च, 2021 को एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि बांदीकुई थाना इलाके में उसकी मोटरसाइकिल की दुर्घटना हो गई थी। इसके बाद थाने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सार-समाचार

साइबर ठगी के आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में जिले में चलाये जा रहे साइबर ठगी के खिलाफ अभियान के तहत उनियारा थानाधिकारी ओंम कंवर के सुपरविजन मे गठित टीम द्वारा अभियान में कार्यवाही करते हुए म्यूल खाता धारक ब्रजेश पुत्र हरिराम नाथ उम्र 24 निवासी सहादतनगर थाना अलीगढ़ से जांच व पुछताछ करने के उसके द्वारा साईबर ठग से नगद राशी प्राप्त करना स्वीकार किया। जिसके बाद पुलिस ने खाता धारक साईबर ठग के विरुध आईटी एक्ट मे प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। खाता धारक ब्रजेश नाथ के खाते मे मात्र पांच दिन मे 7 लाख 45 हजार 147 रुपये साईबर ठगी के प्राप्त होना तथा उसकी नगद निकाशी करना सामने आया है। आरोपी के बैंक खाते पर एनसीआरपी पोर्टल पर 3 शिकायते दर्ज है। इसी प्रकार इस अभियान में झिराना थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए साइबर ठगी करने वाले आरोपी रोहित प्रजापत पुत्र बनवारी लाल उम्र 21 साल निवासी कलमण्डा थाना डिग्गी के बैंक खातों की जांच करने पर सामने आया कि आरोपी के विरुद्ध एनसीआर पोर्टल पर 1 लाख 37 हजार 987 रुपये की 2 साईबर ठगी की शिकायत दर्ज होना पायी गयी हैं। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आईटी एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

सीताराम स्वामी अध्यक्ष बने

निवाई। कृषि उपज मंडी में मुनीम संघ की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में सीताराम स्वामी को अध्यक्ष व रूपनारायण गुर्जर को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही विमल कुमार जैन को कोषाध्यक्ष, जीतू गुर्जर को सचिव, व लक्ष्मण गुर्जर व रतन गुर्जर को महामंत्री बनाया गया है। शंकरलाल चौधरी व हजारीलाल चौधरी को संरक्षक व शिवराज चौधरी को मंत्री पद दिया है। कार्यकारिणी में प्रहलाद, राजेंद्र चौधरी, गिर्राज चौधरी, राजू सैन व बाबूलाल को सदस्य के पद पर मनोनीत किया गया है। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों व सदस्यों का समाजसेवियों व व्यापारियों द्वारा माला पहनाकर व साफा बांधकर स्वागत किया गया।

भजन संध्या आज

निवाई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आराध्य वीर हनुमान बालाजी धाम छौरियां पर वार्षिक लक्खी मेले का 3 सितंबर को आयोजन किया रहा है। श्रद्धालु संजय शर्मा ने बताया कि मेले को लेकर 2 सितम्बर को ठाामवासियों द्वारा बाबा का अभिषेक किया जाएगा एवं सम्पूर्ण रात्रि बाबा के भजनों का जागरण होगा और 3 सितम्बर को बाबा का अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। श्रद्धालु प्रेमप्रकाश शर्मा ने बताया कि मेले में कलाकारों द्वारा रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। जिसको देखने के लिए दूरदराज के गांवों से हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे। व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है व सभी भक्तों व आने वाले श्रद्धालुओं से सभी व्यवस्थाओ मे सहयोग करने का आठाह किया है।

साइबर ठगों को किराए पर 'म्यूल अकाउंट' देने वाले गिरोह का पर्दाफाश

कोटपूतली । कोटपूतली-बहरोड़ जिला साईबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाईन गेमिंग, सट्टेबाजी और साईबर ठगी के लिए किराए के बैंक खाते (म्यूल अकाउंट) उपलब्ध कराने वाले एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए इस गिरोह के मुख्य संचालक महेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सीधे-साधे लोगों को पैसों और कमीशन का लालच देकर उनके नाम पर खाते खुलवाता था और फिर उन्हें साईबर अपराधियों को सौंप देता था। यह कार्यवाही जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशानुसार एवं एएसपी नाजिम अली खान के निर्देशन में साईबर क्राईम थानाधिकारी निर्मला पांडिया व पुलिस निरीक्षक दयाराम के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा की गई है। पुलिस अनुसंधान में सामने आया कि आरोपी महेंद्र कुमार स्थानीय ठाामीणों और भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बनाता था। वह लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, बैंकों से आसान लोन पास कराने या मोटा कमीशन दिलाने का झांसा देता था। इसके बाद वह विभिन्न बैंकों में उनके नाम से खाते खुलवा लेता था। खाता खुलते ही आरोपी एटीएम कार्ड, पासबुक, चैक बुक, लिंक्ड सिम कार्ड और नेट बैंकिंग के गोपनीय क्रेडेंशियल्स (आईडी-पासवर्ड) अपने कब्जे में ले लेता था। देश भर की ठगी की रकम को खपाने में होता था खातों का इस्तेमाल, इन किराए के खातों (म्यूल अकाउंट) का उपयोग देश भर में होने वाली साईबर धोखाधड़ी, अवैध ऑनलाईन गेमिंग और सट्टेबाजी की काली कमाई को ट्रांसफर करने (मनी लॉन्ड्रिंग) के लिए किया जाता था। ठगी की रकम खातों में आते ही आरोपी या तो उसे अन्य खातों में ट्रांसफर कर देते थे या एटीएम के जरिए कैश निकाल लेते थे। पुलिस ने आरोपी महेंद्र कुमार (41) पुत्र सुरेश चंद मेघवाल निवासी महनपुर, बानसूर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ थाना साईबर क्राइम में प्रकरण दर्ज किया है। इस बड़ी कामयाबी के बाद साईबर क्राईम पुलिस थाना कोटपूतली-बहरोड़ ने आम जनता के लिए बेहद जरूरी चेतावनी जारी की है कि किसी भी अज्ञात या परिचित व्यक्ति के बहकावे में आकर अपने दस्तावेज जैसे बैंक खाता, आधार कार्ड, पैन कार्ड या सिम कार्ड इस्तेमाल के लिए कभी ना दें। चंद रुपयों के लालच में आकर अपना बैंक खाता किसी को देना या किराए पर देना एक गंभीर कानूनी अपराध है।

निवाई शहर के विकास के लिए भाजपा के पूरे 40 पार्षदों को जिताना है : रामसहाय वर्मा

■ भाजपा के कार्यालय का उद्घाटन

विधायक रामसहाय वर्मा ने निवाई भाजपा के कार्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया।

निवाई। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में नगर पालिका चुनाव को लेकर पार्टी के कार्यालयों का समारोह पूर्वक उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप इसरानी, चुनाव संयोजक ओपी गुप्ता व जिला उपाध्यक्ष रमाकान्त शर्मा ने विधिवत रूप से भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर कार्यालय का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि नगर पालिका चुनाव में भाजपा के पूरे 40 प्रत्याशी जीत रहे है। उन्होंने कहा कि पालिका के पिछले बोर्ड में शहर के विकास में ऐतिहासिक कार्य हुए है।

उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांठोस के शासनकाल में भ्रष्टाचार चरम पर था और आमजन के आवश्यक कार्य समय पर नहीं हो पाते थे। वर्तमान में राजस्थान में डबल इंजन की सरकार पूर्ण गति से कार्य कर रही है, जिससे पूरे क्षेत्र में चौतरफा विकास कार्य धरातल पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के समठा और तीव्र विकास के लिए नगर पालिका के सभी 40 वार्डों में भारी बहुमत के साथ भाजपा के पूरे 40 पार्षदों को जीताना है एवं सरकार में एक और इंजन जोड़ना है। पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों की जानकारी देते कहा कि पूर्व में भाजपा का बोर्ड बनने से शहर में चहुंमुखी एवं ऐतिहासिक विकास हुआ है। भाजपा बोर्ड के कुशल प्रबंधन एवं कार्यों के कारण ही निवाई नगर पालिका पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान पर रही।

धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से महत्वपूर्ण रक्तांचल पर्वत पर सीढ़ियों का निर्माण करवाकर भाजपा बोर्ड ने निवाई के विकास में एक नया इतिहास रचा है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक वार्ड में सीसी सड़कें, नालियां, बेहतर पेयजल व्यवस्था, सामुदायिक भवनों का निर्माण, आधुनिक स्ट्रीट लाइटें, आकर्षक फव्वारे व मुख्य सड़कों पर मॉडल डिवाइडर सहित करोड़ों रुपये के विकास कार्य किए गए हैं। चुनाव संयोजक ओपी गुप्ता ने कहा कि इस बार भी नगर पालिका में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा का बोर्ड बनाकर विकास की गंगा बहानी है। उन्होंने सभी से एकजुट होकर कमल खिलाने का संकल्प दिलाया। जिला उपाध्यक्ष रमाकांत शर्मा ने कहा कि भाजपा के कार्यालयों का शुभारंभ होने के साथ ही चुनावी बिगुल बज चुका है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ भाजपा के प्रत्याशियों के समर्थन में कार्य करें। इस अवसर पर ताराचन्द गोयल, चेतन पारीक, अनिता गोयल, सुमन पारीक, महेन्द्र सारसोप, शंकरलाल हाथीवाल, योगेंद्रसिंह नाथावत, जीतू विजय व शंकरलाल जांगिड़ सहित निवर्तमान पार्षद, पार्टी के जन प्रतिनिधि एवं कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

महेन्द्र कसाना खैरथल-तिजारा जिला प्रभारी नियुक्त

मनोहरपुर/जयपुर । नगर निकाय चुनाव 2026 को लेकर भाजपा ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने महेन्द्र कसाना को खैरथल-तिजारा जिले का जिला प्रभारी नियुक्त किया है। नियुक्ति पर कसाना ने मुख्यमंत्रीभजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्षमदन राठौड़, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्षशंकर गोरासहित पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। कसाना ने कहा कि आगामी नगर निकाय चुनाव में संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ पूरी मेहनत और ऊर्जा से काम किया जाएगा।राष्ट्रिहत, संगठन हित और जनसेवा भाजपा कार्यकर्ताओं की सर्वोच्च प्राथमिकता है।उन्होंने पार्टी को मजबूत सफलता दिलाने के लिए पूरी ताकत से जुटने का संकल्प जताया।

जिन अध्यक्षों के पास टि कट देने की पावर थी वे ही चुनावी मैदान में उतरे

■ सांभर में भाजपा के पवन खिलाएंगे कमल या कांग्रेस के कमल से हाथ होगा मजबूत

सांभरझील, (निसं)। सांभर नगरपालिका चुनाव इतिहास में पहली बार भाजपा व कांग्रेस संगठन ने अपने-अपने अध्यक्षों को चुनावी मैदान उतारकर राजनीति में एक नई इबारत लिख दी है। भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन कुमार मोदी और नगर कांग्रेस संगठन अध्यक्ष कमल किशोर शुक्ला ने अपने-अपने अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर पार्षद पद के लिए जैसे ही चुनावी नामांकन पत्र दाखिल किया राजनीति गलियारों में जबरदस्त चुनावी माहौल से कहीं अधिक चर्चाए आम हो गया है। जिन अध्यक्षों के पास टिकट देने की पावर थी उसे ही प्रदेश संगठन ने चुनावी मैदान में उतार कर एक नई चाल चल दी है। चुनाव लड़ने की यह उनकी स्वयं की इच्छा थी या नेतृत्व ने उन्हें दबाव में टिकट दिया यह भी एक छिपा हुआ रहस्य है।

कारण तो यह भी बताया जा रहा है कि जनरल चेयरमैन की सीट होने के कारण हर पार्षद की तमन्ना अब दिल से यही निकल रही है की कैसे न कैसे यहां तक पहुंचा जाए।

गत बोर्ड में भ्रष्टाचार की सभी हदें पार हुई और खुलकर भ्रष्टाचार सामने आया, गत चुनाव में पार्षदों की खरीद फरोख्त व दल बदल के लगे आरोपों के बाद, 5 साल में करोड़ों के प्रोजेक्ट में कथित धांधली और पार्षदों के बारे न्यारे होने के बाद जब आम लोगों की आंखें खुली लेकिन सब कुछ राजनीतिक प्रेशर में दबा दिया गया। पार्षदों की दौड़ में जिस प्रकार से टिकटों की मारामारी के लिए भाजपा और कांग्रेस में खुली और अंदरूनी बगावत चली उससे अब स्पष्ट हो गया की टिकटों के वितरण में भी सेटिंग का दौर चला बताया और बोर्ड हमारा ही बने यह सोचकर हर पार्टी ने अपनी-अपनी गणित के हिसाब से टिकट वितरण का खेल किया।

एक तरफ आरक्षण की लॉटरी ने राजनीति का बेड़ा गर्क कर दिया तो दूसरी तरफ ऐसे उम्मीदवार खड़े होना बताया जा रहा है जिनका वजूद खुद के वार्ड में ही नहीं है। भाजपा और कांठोस में अध्यक्ष पद का जिम्मा संभाले दोनों ही प्रत्याशियों के सामने अब एक चुनौती भी खड़ी हो गई है की खुद की जीत सुनिश्चित करें या अपनी पार्टी के प्रत्याशियों को जितवाएं। भाजपा में तो टिकट वितरण करने में जिसकी चलनी थी उससे कहीं अधिक उस व्यक्ति की चल गई जो अभी निवर्तमान है। दोनों दलों की स्थिति जिस प्रकार से बतायी जा रही है माना जा रहा है कि यदि हालात शांत नहीं हुए तो गत बोर्ड जैसे हालात उत्पन्न हो सकते हैं।

दिव्यांग मतदाताओं ने दिया मतदान जागरूकता का संदेश

■ स्वीप कार्यक्रम के तहत आयोजित हुई दिव्यांग वाहन रैली एवं मतदाता संवाद

■ वाहन रैली को अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर राहुल सैनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

नगर निकाय क्षेत्रों में मतदाता संवाद व दिव्यांग वाहन रैली का आयोजन किया ।

भरतपुर (निसं)। नगर निकाय आम चुनाव-2026 को आनंददायी, समावेशी एवं उत्सवपूर्ण बनाने तथा विशेष योग्यजन एवं आम मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से स्वीप कार्यक्रम के तहत मंगलवार को नगर निकाय क्षेत्रों में मतदाता संवाद एवं दिव्यांग वाहन रैली का आयोजन किया गया।

जिला स्तर पर आयोजित दिव्यांग वाहन रैली को अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर राहुल सैनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में जिला प्रशासन एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में दिव्यांग मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिव्यांग मतदाता ट्राईसाइकिल, मोटराईज्ड रिक्शा एवं स्कूटी पर सवार होकर रैली में शामिल हुए और आमजन को मतदान अवश्य करने तथा लोकतंत्र के महापर्व में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया।

रैली के माध्यम से अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर ने यह संदेश दिया गया कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत महत्वपूर्ण है और दिव्यांग मतदाता भी मतदान प्रक्रिया में समान रूप से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों सहित सभी मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना तथा नगर निकाय आम चुनाव-2026 में अधिकाधिक मतदान सुनिश्चित करना रहा। जिले के विभिन्न नगर निकाय क्षेत्रों में आयोजित मतदाता संवाद कार्यक्रमों के दौरान भी आमजन को निष्पक्ष, निर्भीक एवं जागरूक होकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

एक गलत कदम बिगाड़ सकता है भविष्य : सिमरन कौर

कोटपूतली । कस्बे के बानसूर रोड़ स्थित आदित्य इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में एक दिवसीय वृहद् विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सीजेएम सिमरन कौर ने विद्यार्थियों को सचेत करते हुए कहा कि जीवन में उठाया गया एक गलत कदम आपको बड़ी मुसीबत में फंसा सकता है। उन्होंने अपहरण, अगवा करने की घटनाओं और बाल तस्करी (चाईल्ड ट्रैफिकिंग) के प्रति बच्चों को विशेष रूप से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि सजगता और जागरूकता ही सुरक्षा का सबसे बड़ा हथियार है। वर्तमान डिजिटल युग में बढ़ते खतरों को देखते हुये सीजेएम ने बच्चों और महिलाओं को इंटरनेट और साइबर अपराध की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सोशियल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल बेहद सावधानी से करें। यदि किसी भी अनजान नंबर से कॉल या मैसेज आता है, तो उससे दूरी बनाएं और तुरंत उस नंबर को ब्लॉक करें। सुरक्षा के लिहाज से उन्होंने साइबर हैल्प डेस्क और आपातकालीन नंबर 1098 और 15100 की जानकारी दी ।

सार-समाचार

निवाई में जांच के दौरान 48 आवेदन खारिज, 157 आवेदन वैध रहे

निवाई। निकाय चुनाव 2026 के लिए भरे गए नामांकन पत्रों की मंगलवार को जांच की गई। जांच के दौरान 48 आवेदन विभिन्न कमियों के चलते खारिज कर दिए गए हैं। नगर पालिका निवाई चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर गंभीर सिंह ने बताया कि सोमवार को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि तक कांग्रेस, बीजेपी व निर्दलीयों ने कुल 205 नामांकन दाखिल किए थे। मंगलवार को नामांकनों की जांच की गई। जांच के दौरान 48 आवेदनों में विभिन्न कमियां पाए जाने पर उक्त आवेदनों को खारिज कर दिया गया। इस प्रकार अब 157 वैध फॉर्म रह गए हैं। उन्होंने बताया कि 2 व 3 सितंबर को नामांकन वापसी की तिथि है। इसके बाद 4 सितंबर को सभी अभ्यर्थियों को चुनाव चिन्ह का आवंटन किया जाएगा।

'सर्वे और समीकरणों के आधार पर हुआ है योग्य प्रत्याशियों का चयन'

चौमूं / कालाडेरा । मंगलवार को चौमूं शहर के रेनवाल रोड स्थित रजवाड़ा गार्डन में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा की अध्यक्षता में चौमूं नगर परिषद चुनाव को लेकर एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा के घोषित प्रत्याशियों, वार्ड प्रभारियों, सह-प्रभारियों, संयोजकों एवं सह-संयोजकों ने भाग लिया।कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी घोषित उम्मीदवारों का वन-टू-वन परिचय करवाया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि पार्टी ने प्रत्येक वार्ड के समीकरण, जातिगत आधार और विस्तृत सर्वे रिपोर्ट का गहराई से अध्ययन करने के पश्चात ही प्रत्याशियों का चयन किया है। उन्होंने कहा, "वार्डों में भाजपा के कई योग्य कार्यकर्ताओं ने अपनी दावेदारी पेश की थी, लेकिन विस्तृत विचार-विमर्श के बाद आपकी उम्मीदवारी पर सहमति बनी है। ऐसे में पार्टी के विश्वास पर खरा उतरना सभी की साझा जिम्मेदारी है।" रामलाल शर्मा ने सभी प्रत्याशियों का आ ान किया कि वे बिना समय गंवाए अपने-अपने वार्डों में घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता से व्यक्तिगत संपर्क साधें और केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों तथा जन कल्याणकारी कार्यों के आधार पर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करें। संबोधन के पश्चात रामलाल शर्मा ने वार्ड प्रभारियों, सह-प्रभारियों एवं संयोजकों से व्यक्तिगत (वन-टू-वन) चर्चा कर वार्डवार धरातलीय स्थिति का फीडबैक लिया। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि पार्टी से असंतुष्ट या बागी कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित कर उन्हें समझाएं और पार्टी के पक्ष में एकजुट करें। शर्मा ने स्पष्ट किया कि सभी प्रभारी व संयोजक 9 सितंबर तक प्रत्याशियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चुनावी गतिविधियों की पूरी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। बैठक के अंत में सभी प्रत्याशियों ने शीर्ष नेतृत्व एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए एकजुट होकर चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज कराने का संकल्प लिया।

अमन मीणा प्रथम व चेल्सी चावला द्वितीय रही

निवाई। राजस्थान सिंधी अकादमी जयपुर एवं सिंधु वीमेन वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में अखंड भारत के वीर योद्धा सिंधुपति महाराजा दाहरसेन जयंती पर चित्रकला प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भगवान दास ड्रीम स्कूल में किया गया। समिति के अध्यक्ष ऋचा इसरानी ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य नई पीढ़ी में सिंधी संस्कृति, इतिहास, विरासत के प्रति जागरूकता और रूचि बढ़ाना है। समिति सदस्य योग्यता इसरानी ने बताया है कि चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम विजेता अमन मीणा, द्वितीय चेल्सी चावला व तृतीय आद्रिका बारोलिया एवं सांत्वना पुरस्कार राजवीर जायसवाल, केशव शर्मा तथा निबंध प्रतियोगिता में प्रथम विजेता कुंतल नेभाणी, द्वितीय तरूश पारीक व तृतीय संध्या मीणा तथा सांत्वना पुरस्कार सुकृति गौतम, आर्यन सबनानी को मिला। सभी प्रतिभागियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सिन्धु सदस्य काजल डासवानी, इन्दुरानी, वर्षा नेभाणी, कविता मयूरा व सिमरन मेठवानी सहित कई छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

नेवान ने जीता सुपरकिड्ज अवार्ड

टोंक। एसआईपी अबेकस द्वारा आयोजित सुपरकिड्ज नेशनल प्रतियोगिता में टोंक निवासी नेवान बंसल ने राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त कर सुपरकिड्ज अवार्ड ट्रॉफी, सर्टिफिकेट व 15000 नगद राशि जीते है। यह उपलब्धि उसके लगातार तीन साल की मेहनत के बाद अबेकस परफॉर्मेंस जो लगातार तीन साल नेशनल चैंपियन व दसवीं बोर्ड का परिणाम, ओलिंपियाड एग्जाम की परफॉर्मेंस में मिले गोल्ड मेडल के आधार पर मिला है। नेवान ने और भी ऐसे कई ओलिंपियाड गोल्ड मेडल जीते है। वह शुरूआत से ही मेधावी छात्र रहा हैं ।

नामांकन व सिंबल मिलने के बाद प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार तेज

■ घर-घर दस्तक से लेकर जनसभाओं तक जोर आजमाइश

पावटा। नगर निकाय चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया पूरी होने और पार्टी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह (सिंबल) मिलने के बाद अब पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में चुनावी सरगर्मियां और तेज हो गई हैं। मैदान में उतरे प्रत्याशियों ने प्रचार अभियान को धार देते हुए मतदाताओं से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। भाजपा, कांठोस, आरएलपी, निर्दलीय प्रत्याशी सुबह से देर रात तक अपने समर्थकों के साथ वार्डों में जनसंपर्क कर रहे हैं। कहीं घर-घर दस्तक देकर मतदाताओं से समर्थन मांगा जा रहा है तो कहीं नुक्कड़ सभाओं और बैठकों के जरिए अपनी प्राथमिकताएं गिनाई जा रही हैं। समर्थक भी अपने-अपने प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने में जुटे हुए हैं। नामांकन करने व पार्टी चुनाव चिन्ह मिलने के बाद प्रत्याशियों ने सोशल मीडिया के साथ-साथ पोस्टर, बैनर और व्यक्तिगत जनसंपर्क के माध्यम से प्रचार अभियान तेज कर दिया है। वार्डों में चुनावी चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया है और मतदाता प्रत्याशियों के दावों, वादों तथा स्थानीय मुद्दों को लेकर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। नगर निकाय चुनाव में अब मुकाबला धीरे-धीरे रोचक होता जा रहा है। प्रत्याशियों के पास प्रचार के लिए सीमित समय होने के चलते आने वाले दिनों में जनसंपर्क अभियान और अधिक जोर पकड़ने की संभावना है। अब देखना होगा कि मतदाताओं का विश्वास किस प्रत्याशी के पक्ष में जाता है और कौन चुनावी मैदान में बाजी मारता है। वही रिटर्निंग अधिकारी बृजेश कुमार ने बताया कि वार्ड पार्षद प्रत्याशियों के नामांकन के बाद नामांकन पत्रों की संवीक्षा 1 सितंबर 2026 को होगी। अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि 3 सितंबर 2026 निर्धारित है तथा इस दिन अपराह्न 3 बजे तक अभ्यर्थिता वापस ली जा सकेगी। चुनाव चिन्हों का आवंटन 4 सितंबर 2026 को किया जाएगा। सदस्य पदों के लिए मतदान दो चरणों में होगा। प्रथम चरण का मतदान 9 सितंबर 2026 तथा द्वितीय चरण का मतदान 11 सितंबर 2026 को होगा। मतदान का समय प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। दोनों चरणों में हुए मतदान की मतगणना 14 सितंबर 2026 को की जाएगी। अध्यक्षीय पदों के लिए लोक सूचना 15 सितंबर 2026 को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर 2026 होगी तथा नामांकन पत्रों की संवीक्षा 17 सितंबर 2026 को की जाएगी। अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि 18 सितंबर 2026 है और इस दिन अपराह्न 3 बजे तक अभ्यर्थिता वापस ली जा सकेगी। चुनाव चिन्हों का आवंटन 18 सितंबर 2026 को अभ्यर्थिता वापसी का समय समाप्त होने के तुरंत पश्चात किया जाएगा। अध्यक्षीय पदों के लिए मतदान 21 सितंबर 2026 को होगा। मतदान का समय प्रातः 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक रहेगा। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद 21 सितंबर 2026 को ही मतगणना की जाएगी। उपाध्यक्षीय पदों के लिए निर्वाचन 22 सितंबर 2026 को होगा। निर्वाचन प्रक्रिया के लिए बैठक प्रातः 10 बजे प्रारंभ होगी। नामांकन पत्र प्रातः 11 बजे तक प्रस्तुत किए जा सकेंगे तथा नामांकन पत्रों की संवीक्षा प्रातः 11.30 बजे से होगी। अभ्यर्थिता वापस लेने का समय अपराह्न 2 बजे तक रहेगा। यदि मतदान आवश्यक हुआ तो अपराह्न 2.30 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान कराया जाएगा तथा मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतगणना की जाएगी।

निर्वाचन ड्यूटी से अवकाश अथवा कार्यमुक्ति के लिए मेडिकल बोर्ड की अनुशंसा आवश्यक

■ मिथ्या अथवा भ्रामक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रस्तुत करने वाले कार्मिकों के विरुद्ध होगी सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई

कोटपूतली। आगामी नगरीय निकाय चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कार्मिकों, शिक्षा विभाग के शिक्षकों सहित अन्य कार्मिकों की निर्वाचन ड्यूटी लगाई गई है । जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया है कि निर्वाचन ड्यूटी में नियुक्त कोई भी कार्मिक स्वास्थ्य संबंधी कारणों से अवकाश लेना चाहता है अथवा निर्वाचन ड्यूटी से कार्यमुक्त किए जाने का अनुरोध करता है, तो संबंधित प्रकरण जिला निर्वाचन विभाग के अंतर्गत गठित मेडिकल बोर्ड की जांच एवं अनुशंषा के आधार पर ही नियमानुसार निर्णय लिया जाएगा। स्वास्थ्य संबंधी आधार पर अवकाश अथवा निर्वाचन ड्यूटी से कार्यमुक्ति का अनुरोध करने वाले कार्मिकों को मेडिकल बोर्ड के समक्ष अपने स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक चिकित्सकीय दस्तावेज एवं अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे। मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर की गई अनुशंषा के पश्चात ही संबंधित प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि निर्वाचन कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य राजकीय दायित्व है। अत: निर्वाचन ड्यूटी पर नियुक्त सभी अधिकारी एवं कार्मिक निर्धारित समय पर अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित होकर उन्हें सौंपे गए निर्वाचन दायित्वों का पूर्ण निष्ठा, गंभीरता एवं उत्तरदायित्व के साथ निर्वहन सुनिश्चित करें। सक्षम स्तर से अनुमति प्राप्त किए बिना निर्वाचन ड्यूटी से अनुपस्थित रहना अथवा निर्वाचन कार्य में लापरवाही करना स्वीकार्य नहीं होगा उन्होंने निर्देशित किया है कि निर्वाचन कार्य से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी सभी नियुक्त अधिकारी एवं कार्मिक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। बिना पूर्व सूचना एवं सक्षम स्तर से अनुमति के नगरीय निकाय निर्वाचन कार्यक्रम 2026 से अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के विरुद्ध भी प्रचलित नियमों के अनुसार आवश्यक अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी कार्मिक द्वारा निर्वाचन ड्यूटी से बचने अथवा कार्यमुक्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य संबंधी मिथ्याए तथ्यहीन अथवा भ्रामक जानकारी प्रस्तुत की जाती है, तो संबंधित कार्मिक के विरुद्ध राज्य निर्वाचन आयोग के प्रचलित निर्देशों एवं लागू सेवा नियमों के तहत सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्वाचन प्रक्रिया की महत्ता एवं गरिमा को ध्यान में रखते हुए अपने निर्धारित निर्वाचन दायित्वों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर समयबद्ध, निष्पक्ष एवं जिम्मेदारीपूर्वक दायित्वों का निर्वहन करें तथा निर्वाचन कार्यों के सफल संचालन में पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

निष्पक्ष, स्वतंत्र व पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने में मतदान दलों की महत्वपूर्ण भूमिका है : कलेक्टर

■ प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण कर कलेक्टर ने अधिकारियों को प्रोटोकॉल की पालना के दिए निर्देश

प्रशिक्षण शिविर में दिशा-निर्देश देते जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश।

किशनगढ़ बास। नगर निकाय आम चुनाव 2026 के तहत मतदान प्रक्रिया को सुचारू एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए मतदान दलों के पीठासीन अधिकारियों का प्रशिक्षण मंगलवार को राजकीय कृषि महाविद्यालय, बास कृपाल नगर, किशनगढ़ बास में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण शिविर में अधिकारियों को मतदान दिवस की तैयारियों, ईवीएम के संचालन एवं सीलिंग प्रक्रिया, मतदाताओं की पहचान, मतदान केंद्र पर आवश्यक व्यवस्थाओं तथा मतदान समाप्ति के बाद की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनरों द्वारा ईवीएम का प्रैक्टिकल डेमो देकर अधिकारियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश ने प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण कर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पीठासीन अधिकारियों से निर्वाचन प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मतदान दल निर्वाचन प्रक्रिया की प्रत्येक बारीकी को अच्छी तरह समझें तथा मतदान दिवस पर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करें। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने में मतदान दलों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें।

किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें और ईवीएम व अन्य निर्वाचन सामठाी के रख-रखाव में निर्धारित प्रोटोकॉल की पालना सुनिश्चित करें। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवपाल जाट, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीष कुमार जाटव सहित संबंधित अधिकारी एवं मतदान दलों के पीठासीन अधिकारी मौजूद रहे।

देशभर में एटीएम बूथ से करोड़ों रुपए लूटने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

चेन्नई में 9 लाख रुपए से भरा एटीएम लूटने के बाद भागकर जयपुर आ रहे थे बदमाश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। वैशाली नगर पुलिस, डीएसटी पश्चिम और एसओजी टीम ने अंतर्राज्यीय एटीएम लूट और हाइवे गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की प्रारम्भिक जांच में सामने आया कि आरोपी देश के अलग-अलग राज्यों में एटीएम काटकर लाखों-करोड़ों रुपए की लूट की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस ने अर्टिगा कार से भाग रहे दोनों आरोपियों को रिंग रोड कानोता के पास घेराबंदी कर पकड़ा। भागने के दौरान आरोपियों ने पुलिस जाब्ते पर कार चढ़ाने का प्रयास भी किया। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि वैशाली नगर थाना पुलिस,डीएसटी पश्चिम और एसओजी की टीम ने अंतरराज्यीय एटीएम लूट और हाईवे गैंग के शातिर बदमाश पवन कुमार (28) निवासी खैर अलीगढ़ हाल नोहझील, मथुरा (उत्तर प्रदेश) और सोनू (20) निवासी नौहझील मथुरा (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया है।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने एटीएम लूटने के तरीके का खुलासा किया। गिरोह के सदस्य किराए की कार से ऐसे एटीएम की रेकी करते थे, जहां सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं होता था। वारदात से पहले कार पर दूसरी गाड़ी की फर्जी नंबर प्लेट लगा लेते थे। एक बदमाश एटीएम के अंदर जाकर सीसीटीवी कैमरों पर काला स्प्रे कर देता था।

आरोपी पवन और सोनू

वहीं दूसरा कार को एटीएम के मुख्य दरवाजे के सामने खड़ा कर देता था, ताकि अंदर की गतिविधियां बाहर से दिखाई नहीं दें। कार में एलपीजी व ऑक्सीजन सिलेंडर, गैस कटर और लोहे की रॉड रखी जाती थी। गैस कटर से एटीएम को चंद मिनटों में काटकर कैश निकाल लिया जाता था।

पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में भी डकैती के मामलों में चालानशुदा हैं और इनके कब्जे से पहले भी दो पिस्टल और कारतूस बरामद हो चुके हैं। पुलिस को प्रारंभिक पूछताछ में यह भी पता चला है कि गिरोह के सदस्य यूट्यूब और ऑनलाइन वीडियो देखकर एटीएम काटने का तरीका सीखते थे।

- बदमाशों ने तेलंगाना सीमा के पास पुलिस को पिस्टल दिखाकर बच निकलने का प्रयास किया और टोल भी तोड़ा। इसके बाद नागपुर, ग्वालियर, धौलपुर और दौसा होते हुए जयपुर आ पहुंचे।
- सूचना मिलने पर पुलिस ने रिंग रोड पर नाकाबंदी कर अर्टिगा कार को रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर वाहन चढ़ाने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया।

पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से जयपुर, राजस्थान और अन्य राज्यों में हुई एटीएम लूट, चोरी और हाईवे पर लूटपाट की घटनाओं के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस को गिरोह के अन्य सदस्यों और अंतरराज्यीय नेटवर्क से जुड़े होने की भी आशंका है। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सह-अभियुक्तों की तलाश की जा रही है।

वैशाली नगर थानाधिकारी अरविंद सिंह शेखावत ने बताया कि 15 अगस्त की रात खातीपुरा रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से छेड़छाड़ और रुपए चोरी के मामले की जांच शुरू की थी। इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था। विशेष टीम ने वारदात स्थल और आसपास के इलाकों के 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके अलावा साइबर सेल की तकनीकी सूचना और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की तलाश राजस्थान के साथ उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश तक की गई। जहां जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि गैंग ने चेन्नई (तमिलनाडु) में एटीएम काटकर करीब 9 लाख रुपए लूटे हैं और इसके बाद जयपुर की ओर भाग रही है। पुलिस के अनुसार तेलंगाना सीमा के पास आरोपियों ने पुलिस को पिस्टल दिखाकर बच निकलने का प्रयास किया और टोल भी तोड़ा। इसके बाद वे नागपुर, ग्वालियर, धौलपुर और दौसा होते हुए जयपुर की तरफ बढ़ रहे थे।

सूचना मिलने पर पुलिस ने रिंग रोड पर नाकाबंदी कर अर्टिगा कार को रोकने का प्रयास किया। आरोपियों ने भागने की कोशिश की और पुलिसकर्मियों पर वाहन चढ़ाने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया।

जयपुर में बदले समीकरण : कहीं नामांकन खारिज तो कहीं प्रत्याशी ने पर्चा नहीं भरा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर नगर निगम चुनाव-2026 में नामांकन पत्रों की जांच के बाद कई वार्डों में चुनावी समीकरण बदल गए हैं। जहां वार्ड 111 से कांग्रेस प्रत्याशी ज्वाला प्रसाद का नामांकन खारिज हो गया, जबकि वार्ड 146 में भाजपा की ओर से घोषित प्रत्याशी अफसाना ने नामांकन ही दाखिल नहीं किया। इसके चलते इस वार्ड में भाजपा का अधिकृत प्रत्याशी मैदान में नहीं है। वार्ड 98 में टिकट वितरण को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी प्रदेश कार्यालय के बाहर प्रदर्शन के रूप में सामने आई।

वार्ड 111 से कांग्रेस प्रत्याशी ज्वाला प्रसाद का नामांकन जांच के दौरान निरस्त किया गया। रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष हुई स्क्रूटनी में सामने आया कि उनके खिलाफ ऐसा आपराधिक प्रकरण विचाराधीन है, जिसमें 5 साल से अधिक सजा का प्रावधान है। न्यायालय इस मामले में संज्ञान ले चुका है और 29 अगस्त 2024 को ज्वाला प्रसाद के खिलाफ आरोप तय किए जा चुके हैं। इसी आधार पर उनका नामांकन निरस्त किया गया। इससे कांग्रेस की वार्ड 111 की चुनावी रणनीति को झटका लगा है। नामांकन रद्द होने के बाद ज्वाला प्रसाद ने विधायक अमीन कागजी से मुलाकात की। उधर वार्ड 146 में भाजपा की ओर से जारी प्रत्याशी सूची में अफसाना का नाम था, लेकिन उन्होंने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब इस वार्ड में भाजपा का कोई अधिकृत प्रत्याशी नहीं है। कांग्रेस ने यहां अफरोज को प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में वार्ड 146 का मुकाबला पूरी तरह बदल गया है।

- जानकारी के मुताबिक, वार्ड 146 में भाजपा की घोषित प्रत्याशी अफसाना ने नामांकन ही दाखिल नहीं किया, उधर वार्ड 111 में कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन निरस्त हो गया है।

वहीं दूसरी ओर टिकट वितरण को लेकर भाजपा में भी असंतोष सामने आया। सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 98 के कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर सुभाष सिंघी को टिकट देने का विरोध किया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि लंबे समय से सक्रिय कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया गया, जो पहले वार्ड की गतिविधियों में सक्रिय नहीं रहे। उन्होंने इसे 'पैराशूट उम्मीदवार' को टिकट देने का फैसला बताते हुए पुनर्विचार की मांग की।

कार्यकर्ताओं के अनुसार टिकट के लिए तैयार पैनल में तीन नाम शामिल थे और सभी दावेदारों से पार्टी की निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन भी लिए गए थे। इसके बावजूद पैनल में शामिल किसी दावेदार को टिकट नहीं मिलने से कार्यकर्ताओं में नाराजगी है।

150 वार्डों में 1392 नामांकन दाखिल

जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में 1253 उम्मीदवारों ने कुल 1392 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। नामांकन पत्रों की जांच पूरी होने के बाद अब प्रत्याशियों के पास 3 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक नाम वापस लेने का समय रहेगा। इसके बाद 3 सितंबर को ही दोपहर 3 बजे बाद चुनाव लड़ने वाले अंतिम प्रत्याशियों की सूची जारी की जाएगी। 4 सितंबर को प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। नामांकन जांच के बाद वार्ड 111,146 और 98 में सामने आए घटनाक्रम ने चुनावी मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। अब नाम वापसी के बाद सभी वार्डों की अंतिम तस्वीर साफ होगी।

देव दर्शन से चुनावी प्रचार का आगाज, घर-घर दस्तक देने निकले प्रत्याशी

नामांकन दाखिल करने के अगले ही दिन से वार्डों में जनसंपर्क अभियान तेज किया प्रत्याशियों ने

जयपुर। जयपुर नगर निगम चुनाव में नामांकन प्रक्रिया पूरी होते ही प्रत्याशियों ने चुनावी मैदान में पूरी ताकत झोंक दी है। नामांकन दाखिल करने के अगले ही दिन से वार्डों में जनसंपर्क अभियान तेज हो गया। प्रत्याशी सुबह से देर शाम तक मतदाताओं के बीच पहुंचकर समर्थन मांग रहे हैं। चुनाव प्रचार की शुरुआत भी प्रत्याशी अपने-अपने अंदाज में कर रहे हैं। कोई मंदिर में धोक लगाकर भगवान का आशीर्वाद ले रहा है तो कोई समर्थकों के साथ सीधे घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से संपर्क साध रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 49 से भाजपा प्रत्याशी मुकेश शर्मा 'काका' ने मंगलवार को अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत देव दर्शन से की। उन्होंने इस्कॉन रोड स्थित श्याम मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और मंदिर पुजारी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद शाम को पत्रकार कॉलोनी स्थित निमड़ी के बालाजी मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। उन्होंने भगवान से चुनाव में जीत की मनौती मांगी। देव दर्शन के बाद प्रत्याशी मुकेश शर्मा 'काका' ने समर्थकों के साथ वार्ड में जनसंपर्क किया और मतदाताओं से मुलाकात कर समर्थन की अपील की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से संवाद कर उनकी समस्याएं और अपेक्षाएं जानने का प्रयास भी किया।

नामांकन के बाद प्रत्याशियों का पूरा फोकस अब जनसंपर्क पर है। विभिन्न वार्डों में प्रत्याशी छोटी-छोटी टोलियों के साथ गली-मोहल्लों में पहुंच रहे हैं। घरों के दरवाजे खटखटाकर मतदाताओं से समर्थन मांगा जा रहा है। कई प्रत्याशी बुजुर्गों का आशीर्वाद ले रहे हैं तो युवाओं और महिलाओं से संवाद कर अपने पक्ष में माहौल बनाने में जुटे हैं। प्रत्याशी वार्ड में सड़क, सफाई, पानी, सीवर, रोशनी और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर मतदाताओं के बीच पहुंच रहे हैं। वहीं कई उम्मीदवार अपने पुराने जनसंपर्क, सामाजिक जुड़ाव और वार्ड के विकास को चुनावी मुद्दा बनाकर समर्थन जुटाने में लगे हैं।

मैदानी जनसंपर्क के साथ सोशल मीडिया पर भी चुनाव प्रचार ने रफ्तार पकड ली है। प्रत्याशी नामांकन से लेकर जनसंपर्क और देव दर्शन के फोटो-वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा कर रहे हैं। समर्थकों के माध्यम से वार्ड के मतदाताओं तक पहुंच बनाने की कोशिश की जा रही है।

'राजस्व मंडल के रजिस्ट्रार पेश होकर बताएं कि आदेश की पालना क्यों नहीं की?'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने तहसीलदार के निलंबन के मामले में अदालती आदेश की पालना नहीं करने को गंभीर माना है। इसके साथ ही अदालत ने 15 सितंबर को राजस्व मंडल के रजिस्ट्रार को पेश होकर इस संबंध में अपना जवाब देने को कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि इस दौरान यदि गत 17 दिसंबर के आदेश की पालना कर ली जाती है तो रजिस्ट्रार को पेश होने की जरूरत नहीं है। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने यह आदेश भरत कुमार यादव की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान बोर्ड की ओर से कहा गया कि उन्होंने अदालती आदेश की पालना में याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन गत 18 फरवरी को निस्तारित कर दिया है। इस पर अदालत ने कहा कि यह आदेश केवल दिखावटी है और इसमें पूरे निर्देशों की अनुपालना नहीं की है। इसलिए पुराने आदेश से प्रभावित हुए बिना नया आदेश पारित करें।

याचिका में अधिवक्ता धर्मेन्द्र पारीक ने बताया कि याचिकाकर्ता को एसीबी मामले में जनवरी 2025 में निलंबित कर दिया था। जुलाई 2025 में उसके खिलाफ चार्जशीट पेश हो गई, लेकिन उसे पद पर बहाल नहीं किया। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने अजय कुमार चौधरी के मामले में कहा है कि आपराधिक केस में एफआईआर दर्ज होने व चार्जशीट दायर होने के तय अवधि के बाद कर्मचारी को बहाल करना होगा। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए हाईकोर्ट से उसे बहाल करने का आग्रह किया। अदालत ने 17 दिसंबर 2025 को आदेश देते हुए उसे इस संबंध में प्रतिवादीगण के समक्ष प्रतिवेदन देने और प्रतिवादियों को उसे सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसरण में तय करने के लिए कहा। लेकिन विभाग ने आदेश की पालना नहीं की।

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष ने वार्ड 16 में निर्दलीय ताल ठोकी

जयपुर (कासं)। नगर निगम चुनाव में भाजपा के सामने अपने ही संगठन से बगावत की चुनौती खड़ी हो गई है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के विधानसभा क्षेत्र और भाजपा जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल के वार्ड 16 में भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष महिपाल सिंह शेखावत ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी ताल ठोक दी है।

महिपाल सिंह के निर्दलीय मैदान में उतरने से भाजपा प्रत्याशी महेश संघी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पार्टी संगठन से जुड़े पदाधिकारी के बगावती तेवरों ने वार्ड के चुनावी समीकरणों को भी दिलचस्प बना दिया है। नामांकन के बाद अब दोनों पक्षों की ओर से जनसंपर्क तेज होने की संभावना है। भाजपा के गढ़ माने जाने वाले क्षेत्र में पार्टी के ही पदाधिकारी के निर्दलीय मैदान में उतरने से संगठन के सामने बागी प्रत्याशी को साधने और आधिकारिक प्रत्याशी के पक्ष में माहौल मजबूत करने की चुनौती खड़ी हो गई है। आने वाले दिनों में वार्ड 16 का मुकाबला खासा रोचक रहने के आसार हैं।

सूने मकान से 80 लाख के जेवर चोरी

जयपुर। बिंदायका की पैराडाइज आनंद सोसायटी, सिरसी रोड में चोरों ने रिटायर्ड कर्नल के सूने मकान को निशाना बनाकर करीब 80 लाख रुपए कीमत के 600 ग्राम सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। वारदात का पता 31 अगस्त सुबह कामवाली के घर पहुंचने पर चला। सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार रिटायर्ड कर्नल महावीर प्रसाद जांगिड़ (70) पत्नी के साथ सास के निधन के कारण 19 अगस्त से नीमकाथाना गए हुए थे। 31 अगस्त सुबह करीब 10 बजे कामवाली मकान पर पहुंची तो मुख्य दरवाजे का लॉक और दरवाजा टूटा मिला। उसने पड़ोसी भवानी सिंह राठौड़ को सूचना दी।

राजस्थान की ''केस रिव्यू प्रणाली'' नेशनल बेस्ट प्रैक्टिस : मकवाना

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के साथ बैठक कर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के संवैधानिक अधिकारों, न्याय व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की।

मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार एससी-एसटी वर्ग के हितों की सुरक्षा और उन्हें त्वरित न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस एवं प्रशासन की नियमित मॉनिटरिंग से अत्याचार के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है।

किशोर मकवाना ने मामलों की निष्पक्ष जांच के लिए राजस्थान पुलिस-प्रशासन की 'केस रिव्यू प्रणाली' को 'नेशनल बेस्ट प्रैक्टिस' बताया।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के साथ बैठक की।

इसके तहत बंद किए गए मामलों में से 20 प्रतिशत तक मामलों की उच्च स्तर पर पुन: जांच की जाती है। जांच में लापरवाही मिलने पर मामले को दोबारा खोलने के साथ संबंधित अधिकारी के खिलाफ विजिलेंस जांच भी की जाती है। आयोग ने इस व्यवस्था को अन्य राज्यों में लागू करने पर जोर दिया। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि एससी-एसटी अत्याचार के मामलों में कमी के साथ 60 दिन में चालान पेश करने की दर में भी सुधार हुआ है। बिंदोली एवं घोड़ी चढ़ने जैसी संवेदनशील घटनाओं की पुलिस मैपिंग की जा रही है। पीड़ित परिवारों को एफआईआर और चालान स्तर पर समयबद्ध वित्तीय सहायता तथा प्रवासी पीड़ितों को नियमानुसार त्वरित मुआवजा दिया जा रहा है। विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार ने बताया कि एससी-एसटी वर्ग के पात्र लाभार्थियों को विभागीय योजनाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराया जा रहा है। आयोग अध्यक्ष ने राज्य प्रशासन के प्रयासों और नवाचारों की सराहना की।

सार-समाचार

संगीत शिक्षकों की कार्यशाला आयोजित

जयपुर। संयुक्त राष्ट्र के वर्ल्ड डे ऑफ रिमेम्बरेंस फोर रोड ट्रेफिक विक्टिमस के 10वें संस्करण की तैयारियों के क्रम में मुस्कान फाउंडेशन की ओर से जयपुर में विशेष संगीत शिक्षक कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला मयूर स्कूल, ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तथा मुस्कान फाउंडेशन फॉर रोड सेफ्टी के संयुक्त सहयोग से हुई। इसमें जयपुर शहर के 25 विद्यालयों से 40 से अधिक संगीत शिक्षकों ने भाग लिया। मुख्य कार्यक्रम 1 नवम्बर को जवाहर कला केंद्र, जयपुर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी और सड़क सुरक्षा के संदेश को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों ने सड़क सुरक्षा पर आधारित विशेष रूप से चयनित गीतों का सामूहिक अभ्यास किया। यह शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में विद्यार्थियों को तैयार करेंगे, जो 1 नवम्बर को 500 छात्रों के समुह गीतों के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश देंगे। प्राचार्य, मयूर स्कूल, अज्जी कुमार, तथा प्राचार्य, ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी डॉ. आर. सी. शर्मा, ने कार्यशाला में भाग लेने वाले संगीत शिक्षकों का स्वागत किया और इस पहल में उनकी सहभागिता की सराहना की। मुस्कान की ट्रस्टी डॉ. मृदल भसीन ने कहा कि इस दिन नवम्बर में गीत, नृत्य, रैप म्युज़िक, थिएटर तथा क्विज़ के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश जन जन तक पहुंचाया जाता है।

इवेंट प्रोफेशनल्स को सम्मानित किया

जयपुर। फैडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स (फोरम) के 13वें वार्षिक कन्वेंशन 'इवेंटस्थान 2026' के समापन अवसर पर आयोजित अवॉर्ड सेरेमनी में इवेंट एवं वेडिंग इंडस्ट्री में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रोफेशनल्स और संस्थाओं को सम्मानित किया गया। अभिनेत्री महक चहल ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले इवेंट प्रोफेशनल्स को अवॉर्ड प्रदान किए। दो दिवसीय कन्वेंशन में देशभर से आए 400 से अधिक इवेंट मैनेजर्स और इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया। फोरम प्रेसिडेंट हितेंद्र शर्मा ने कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की सफलता के पीछे पर्दे के पीछे काम करने वाले सैकड़ों प्रोफेशनल्स की मेहनत, क्रिएटिविटी और टीमवर्क होता है। फोरम सेक्रेटरी भुवनेश अग्रवाल ने बताया कि अवॉर्ड सेरेमनी में इवेंट मैनेजमेंट, वेडिंग्स, एंटरटेनमेंट, क्रिएटिविटी, टेक्नोलॉजी, प्रोडक्शन और हॉस्पिटैलिटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। समारोह में फोरम के पूर्व अध्यक्ष महावीर प्रताप शर्मा, हरप्रीत बग्गा, मोहित माहेश्वरी, इवेंट गुरु अरशद हुसैन और ईमा प्रेजिडेंट दीपक चौधरी सहित कई प्रमुख इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स मौजूद रहे।

3 साल की बेटी के सामने मां फंदे से झूली

जयपुर। शिप्रापथ इलाके में 27 वर्षीय विवाहिता ने अपनी 3 साल की बेटी के सामने कमरे में साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बेटी के रोने की आवाज सुनकर परिजन कमरे में पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद होने पर उसे तोड़कर महिला को बाहर निकाला और जयपुरिया अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। एसएचओ हितेश शर्मा ने बताया कि मृतका सरस्वती राठौर (27) पुत्री रामनिवास, निवासी श्योपुर (मध्यप्रदेश) थी। उसका पति मुकेश मेडिकल शॉप पर काम करता है। वह तीन बच्चों के साथ संयुक्त परिवार में रहती थी। घटना के समय दोनों बड़े बच्चे स्कूल गए हुए थे और पति काम पर गया था। मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और गला घोंटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पिता के अनुसार शादी के बाद से ही बेटी को दहेज के लिए परेशान किया जाता था। वर्ष 2025 में प्रताड़ना बढ़ने पर वह करीब 4 माह पीहर रही, लेकिन पति अलग रहने का कहकर उसे वापस ले आया और संयुक्त परिवार में ही रखा। आरोप है कि इसके बाद प्रॉपर्टी विवाद को लेकर भी मारपीट व मानसिक प्रताडना की जाती रही। पिता के अनुसार सरस्वती ने मां को फोन कर मारपीट की जानकारी दी थी और राखी पर पीहर आने की बात कही थी। राखी से एक दिन पहले उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पिता की शिकायत पर सोमवार को हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मौसमी बीमारियों को लेकर निगरानी

जयपुर। चिकित्सा-स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में मौसमी बीमारियों की लगातार निगरानी की जा रही है। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने सभी जिलों में पूरे सप्ताह के 24 घंटे कंट्रोल रूम सक्रिय रखने और स्वाइन फ्लू, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया एवं स्क्रब टाइफस पर विशेष निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने आउटब्रेक स्थिति में तत्काल कार्रवाई के लिए हर स्तर पर रेपिड रेस्पॉन्स टीमों का गठन और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक में स्वाइन फ्लू को देखते हुए आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता उपस्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डॉ. शर्मा ने घर-घर सर्वे, एंटी लार्वा, एंटी एडल्ट और सोर्स रिडक्शन गतिविधियां लगातार चलाने तथा प्रभावित क्षेत्रों पर विशेष फोकस करने को कहा। अस्पतालों में आवश्यकतानुसार अलग बेड आरक्षित रखने, मरीजों को आइसोलेट करने, बचाव उपायों की जानकारी देने के निर्देश दिए।

निकाय चुनाव : भाजपा में बागियों को मनाने की कवायद शुरू

प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने कहा ''नाराज कार्यकर्ता विरोधी नहीं, परिवार का हिस्सा हैं''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। निकाय चुनाव में टिकट वितरण के बाद सामने आ रही नाराजगी और बगावत को लेकर भाजपा ने डैमेज कंट्रोल शुरू कर दिया है। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं निकाय चुनाव प्रबंधन से जुड़े श्रवण सिंह बगड़ी ने कहा कि पार्टी नाराज कार्यकर्ताओं को विरोधी नहीं, बल्कि अपने ही परिवार का हिस्सा मानती है। ऐसे में उन्हें मनाने के लिए किसी तरह की राजनीतिक सौदेबाजी के बजाय संवाद और समझाइश का रास्ता अपनाया जाएगा। बगड़ी ने कहा कि भाजपा के लिए फिलहाल सबसे बड़ी प्राथमिकता अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट करना है। जिन कार्यकर्ताओं ने टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर निर्दलीय नामांकन दाखिल किया है, उनसे वरिष्ठ नेता बातचीत कर रहे हैं। पार्टी का प्रयास है कि वे नामांकन वापस लेकर संगठन के अधिकृत प्रत्याशी के समर्थन में आएं।

- बताया जा रहा है कि जिन कार्यकर्ताओं ने टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर निर्दलीय नामांकन दाखिल किया है, उनसे वरिष्ठ नेता बातचीत कर रहे हैं, ताकि वे नामांकन वापस लेकर संगठन के अधिकृत प्रत्याशी के समर्थन में आएं।

'10 हजार से अधिक टिकट, बागी नाममात्र'

बगड़ी ने कहा कि प्रदेश में भाजपा ने बड़ी संख्या में टिकट वितरित किए हैं। एक वार्ड में कई दावेदार होना स्वाभाविक है, लेकिन टिकट किसी एक को ही मिल सकता है। टिकट चयन में सामाजिक समीकरण, आरक्षण, स्थानीय परिस्थितियों और प्रत्याशी की चुनावी संभावना समेत कई पहलुओं को ध्यान में रखा गया है। ऐसे में टिकट नहीं मिलने पर कार्यकर्ता का नाराज होना स्वाभाविक है, लेकिन संगठन की जिम्मेदारी है कि उससे संवाद कर स्थिति सामान्य करे। उन्होंने दावा किया कि 10 हजार से अधिक टिकटों के वितरण के बावजूद भाजपा में बागियों की संख्या नगण्य है। बगड़ी ने कहा कि निर्दलीय के तौर पर चुनाव मैदान में उतरे कार्यकर्ता भी भाजपा परिवार का हिस्सा हैं और उन्हें जल्द ही मना लिया जाएगा।

'एडजस्टमेंट' से ज्यादा संवाद पर जोर

भाजपा की रणनीति में नाराज दावेदारों को साधना अहम माना जा रहा है। निकाय चुनाव में एक-एक वार्ड का मुकाबला करीबी होने के कारण बागी प्रत्याशी पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के वोटों को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में पार्टी चुनाव प्रचार तेज करने से पहले अंदरूनी असंतोष को खत्म करने में जुटी है। बगड़ी ने एडजस्टमेंट फॉर्मूले को राजनीतिक सौदेबाजी के बजाय संगठनात्मक संवाद से जोड़ते हुए कहा कि नाराज कार्यकर्ताओं को किसी लालच से नहीं, बल्कि उनकी भावनाओं को समझकर और टिकट चयन की वास्तविक परिस्थितियों से अवगत कराकर साथ लाया जाएगा। उनका कहना है कि टिकट नहीं मिलने से किसी कार्यकर्ता की राजनीतिक भूमिका खत्म नहीं होती। संगठन में भविष्य में भी उसे अवसर मिल सकते हैं।

हर निकाय में स्थानीय मुद्दों पर संकल्प पत्र

बगड़ी ने बताया कि भाजपा प्रदेश स्तर पर विजन आधारित संकल्प पत्र तैयार कर रही है। वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ी को प्रदेश स्तरीय संकल्प पत्र तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसे प्रदेश के बाद संभाग, जिला और निकाय स्तर तक ले जाया जाएगा।

खास बात यह होगी कि सभी निकायों पर एक जैसा घोषणा पत्र लागू करने के बजाय स्थानीय समस्याओं और जरूरतों को इसमें शामिल किया जाएगा। यानी शहर की सड़क, सफाई, जलभराव, सीवरेज, यातायात या अन्य स्थानीय समस्याओं को निकायवार संकल्प पत्र में जगह दी जाएगी। इससे भाजपा निकाय चुनाव को राज्य सरकार के कामकाज के साथ स्थानीय मुद्दों और स्थानीय निकाय के काम का चुनाव बनाने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है।

वार्ड 98 में विरोध ने बढ़ाई चुनौती

हालांकि भाजपा के सामने टिकट वितरण के बाद स्थानीय स्तर पर असंतोष की चुनौती भी सामने आई है। जयपुर निगम चुनाव में सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 98 के कार्यकर्ताओं ने भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता सुभाष सिंघी को टिकट दिए जाने से नाराज नजर आए और उपेश शर्मा के समर्थन में नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पार्टी ने लंबे समय से क्षेत्र में सक्रिय कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर 'पैराशूट उम्मीदवार' को टिकट दिया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि टिकट के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन लिए गए थे और पैनल में शामिल तीन नामों में से किसी को भी टिकट नहीं मिला।

बातचीत से दूर होगी नाराजगी : राठौड़

टिकट वितरण के बाद सामने आ रही नाराजगी पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी पार्टी का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता पार्टी परिवार के सदस्य हैं और बातचीत के जरिए नाराजगी दूर की जाएगी। बागियों को भी मनाने का प्रयास किया जाएगा। राठौड़ ने निकाय चुनाव में भाजपा की जीत का दावा करते हुए कहा कि प्रदेश में पहली बार 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' की दिशा में चुनाव हो रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके पास जुमलेबाजी के अलावा कुछ नहीं है और निकाय चुनाव में भाजपा विराट जीत दर्ज करेगी।

Celebrating the Tree of Life

Observed every year on September 2, World Coconut Day celebrates the versatile "tree of life" and its vital role in the livelihoods, cultures, and economies of tropical regions. From nourishing coconut water and nutrient-rich flesh to coir, oil, and eco-friendly products, every part of the coconut tree offers value. In India, it holds religious significance, symbolising prosperity and purity, and is used in festivals, rituals, and cuisine. The day also highlights the need for sustainable coconut farming to support farmers and protect biodiversity. As global demand grows, World Coconut Day serves as a reminder of this humble fruit's immense global impact.

#MARTYRED SONS

The Gift of India

Sarojini Naidu (1879 -1949)

Lo! I have flung to the East and West. Priceless treasures torn from my breast, And yielded the sons of my stricken womb. To the drum-beats of duty, the sabres of doom

Is there aught you need that my hands withhold,
Rich gifts of raiment or grain or gold?
Lo! I have flung to the East and West
Priceless treasures torn from my breast,
And yielded the sons of my stricken womb
To the drum-beats of duty, the sabres of doom.
Gathered like pearls in their alien graves
Silent they sleep by the Persian waves,
Scattered like shells on Egyptian sands,
They lie with pale brows and brave, broken hands,
They are strewn like blossoms mown down by chance
On the blood-brown meadows of Flanders and France.
Can ye measure the grief of the tears I weep
Or compass the woe of the watch I keep?
Or the pride that thrills thro' my heart's despair
And the hope that comforts the anguish of prayer?
And the far sad glorious vision I see
Of the torn red banners of Victory?
When the terror and tumult of hate shall cease
And life be refashioned on anvils of peace,
And your love shall offer memorial thanks
To the comrades who fought in your dauntless ranks,
And you honour the deeds of the deathless ones
Remember the blood of thy martyred sons!

#FROZEN

Back To Life

The Earth's frozen layers are not just a graveyard of the past, but a potential laboratory for preserving the genetic heritage of our planet

Scientists revived a plant from 32,000-year-old seeds found frozen in the Siberian permafrost, making this the oldest organism ever brought back to life.

Researchers discovered the seeds of the Silene stenophylla plant buried 124 feet beneath the earth near the Kolyma River. Tucked away inside an Ice Age squirrel's burrow, the seeds were preserved at a constant 19°F (-7°C), a deep freeze that effectively prevented cellular decay since the era of woolly mammoths. While the mature seeds were damaged, scientists extracted viable tissue from immature samples and placed them in a sterile growth medium. The result was a successful regeneration, leading to plants that not only flowered but also produced fertile seeds of their own, displaying subtle evolutionary differences from their modern-day descendants.

This extraordinary feat does more than just resurrect a lost piece of history; it provides a vital blueprint for the future of biodiversity. By studying how these cells remained viable across thirty-two millennia, experts hope to enhance the longevity of modern seed banks like the

Svalbard Global Seed Vault. As permafrost continues to yield living fragments of ancient ecosystems, the discovery suggests that the Earth's frozen layers are not just a graveyard of the past, but a potential laboratory for preserving the genetic heritage of our planet against future global disasters.

The Execution Of Lady Jane Grey

On the morning of February 12, 1554, Jane's husband, Lord Guilford Dudley, was publicly executed on Tower Hill. Jane watched the grim spectacle from her window before being led out to a scaffold constructed on Tower Green.

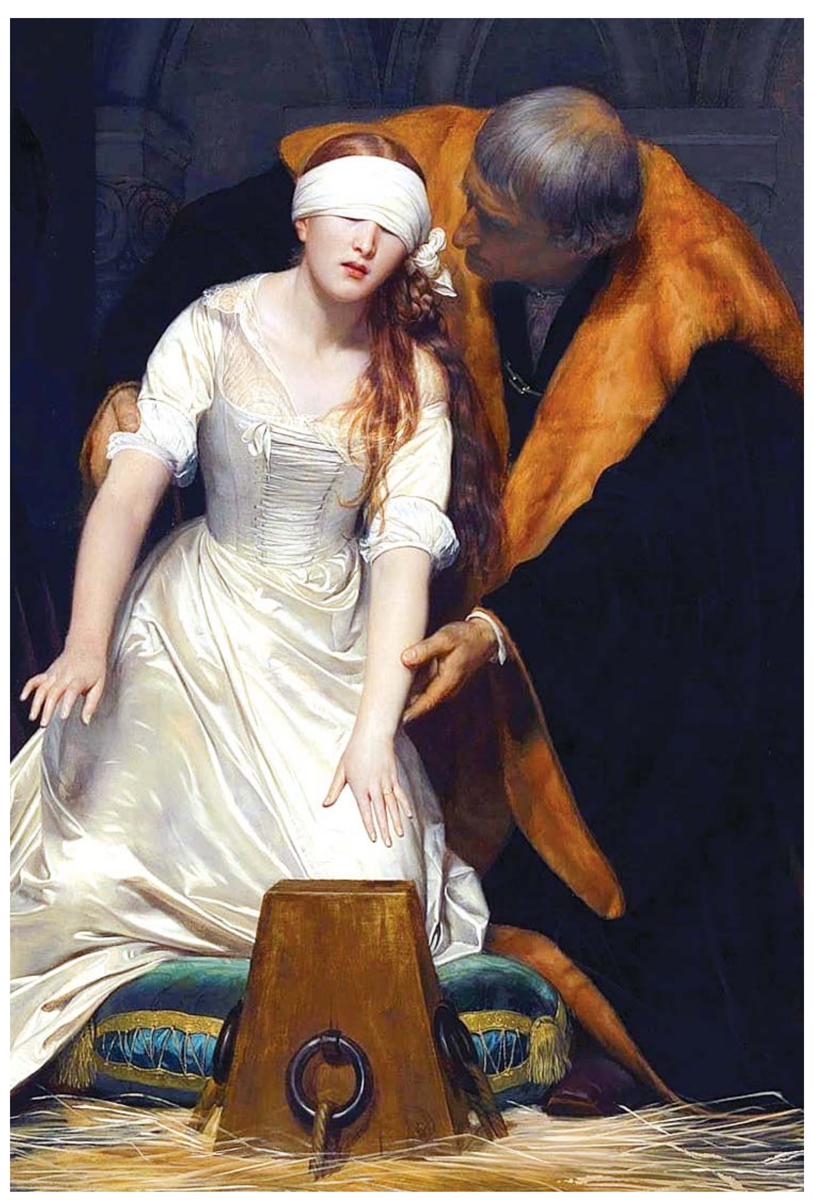

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

#PAUL DELAROCHE

This description will change the way the way you look at paintings for the rest of your life. It is the Execution of Lady Jane Grey, created in 1834 by French master painter, Paul Delaroche.

It is home to a detail that is so ingenious, you might not ever fully grasp it. And it is hidden amongst set of minor details that make this artwork one of the most sensational creations of the millennia.

There are five very important characters in the picture, and at the centre stage, is 17 year old Lady Jane Grey. Here, Delaroche imagines her final moments. Where is the block?- she thinks. What must I do? To her left, the ladies in waiting devastated. One brought to her knees, clutching the outer clothes and jewels of her mistress, the other facing the wall unable to bear the burden. Both of their necks exposed, foreshadowing what is to come.

This painting, "The Execution of Lady Jane Grey" (1833) by French Romantic artist Paul Delaroche, is a masterpiece of 19th-century history painting. It depicts the final moments of Lady Jane Grey, the "Nine-Day Queen" of England, who was executed for high treason in 1554 at the age of 16 or 17.

Delaroche used theatrical lighting and meticulous detail to create a poignant scene of martyrdom and innocence.

Lady Jane Grey in her shimmering white satin dress symbolizes purity and innocence. Blindfolded, she is shown in a state of extreme vulnerability.

Sir John Brydge is the Lieutenant of the Tower (the man in the fur-trimmed cloak) and gently guides Jane towards the block.

The straw on the floor was historically laid down to soak up the victim's blood. The dark, shallow, stage-like background focuses all attention on the central tragedy.

To the right, the executioner, waiting casually and at the centre with the Queen, the Lieutenant, guiding her hand, coaxing her forward with whispers, towards her final moment on earth. A scene of heart wrenching cruelty, no doubt, and yet, the true genius of Delaroche only reveals itself at the moment that you realize that the event in question, which really took place, happened some say, outdoors. And here, inside the story of his greatest painting, he paints the background as a monochromatic wall and paints the edges of the executioner's platform to create the illusion of a stage, and emphasizes a lighting so dramatic and ostentatious, you feel as though you are watching a performance. The figures are painted to such a precise scale, we, the audience, are no longer watching the passage of a real historical event, but a theatrical account of history, worth every ounce of drama.

> Lady Jane Grey was a reluctant monarch, placed on the throne in July 1553 by her powerful father-in-law, the Duke of Northumberland, to maintain Protestant rule after the death of King Edward VI. Lady Jane Grey was the great-granddaughter of Henry VII of England and first cousin once removed to his grandson, the short-lived Edward VI. After Edward's death, she was proclaimed queen, being given precedence over Henry VIII's daughters, Mary and Elizabeth.

Lady Jane Grey was a reluctant monarch, placed on the throne in July 1553 by her powerful father-in-law, the Duke of Northumberland, to maintain Protestant rule after the death of King Edward VI. Lady Jane Grey was the great-granddaughter of Henry VII of England and first cousin once removed to his grandson, the short-lived Edward VI. After Edward's death, she was proclaimed queen, being given precedence over Henry VIII's daughters, Mary and Elizabeth.

Two weeks after the death of her brother, Mary, who had the support of the English people, claimed the throne, which Jane relinquished, having reigned for only nine days. Jane, her husband Lord Guilford Dudley, and her father, were imprisoned in the Tower of London on charges of high treason. Jane's trial was conducted in November, but the death penalty handed to her was temporarily suspended. In February 1554, Jane's father, who had been released, was one of the rebel leaders in Wyatt's rebellion. On Friday 12 February, Mary had Jane, then aged 17, and her husband beheaded. Her father's beheading followed eleven days later.

The Privy Council had quickly buckled to pressure and declared Edward's half-sister, Mary Tudor, the rightful queen. Jane's reign lasted just nine days. She was deposed, convicted of high treason, and imprisoned. Although she might have been spared, a subsequent Protestant rebellion in early 1554 sealed her fate, as Queen Mary viewed the young noblewoman as an enduring threat to her crown.

On the morning of February 12, 1554, Jane's husband, Lord Guilford Dudley, was publicly executed on Tower Hill. Jane watched the grim spectacle from her window before being led out to a scaffold constructed on Tower Green.

As a courtesy to her royal status, she was granted a private execution within the fortress walls rather than a public spectacle. On the scaffold, she delivered a speech acknowledging that she had broken the law by accepting the crown, but maintained that she did not seek it. She then recited a psalm, asked the executioner for forgiveness, and blindfolded herself.

Accounts, and subsequent legendary retellings, note that her blindfolded, final moments were particularly harrowing. She struggled to find the executioner's block, frantically asking, "What shall I do? Where is the block?" before an attendant guided her hands to it. Her final recorded words were, "Lord, into thy hands, I commend my spirit."

For a 19th-century audience, the painting also resonated with the memory of the French Revolution, drawing parallels between the fate of the young Jane and the execution of Marie-Antoinette.

It was thought lost forever in the terrible Thames flood of 1928 which flooded the Tate gallery in which it then was stored. Many paintings were completely ruined, this one was thought to have been as well, but it wasn't.

In fact, it was rediscovered by accident in 1973, rolled up with another damaged painting by British artist John Martin, by someone who was doing research on John Martin in the archives of the Tate collections. Fortunately, this painting was not badly damaged at all. It had been missing because it had been mislaid for over forty years!

rajeshsharma1049@gmail.com

#AKASH AND PRAN

When Nikola Tesla Met Swami Vivekananda

That matter itself was a concentrated form of energy, Einstein had expressed the unity that Tesla had long suspected and Vivekananda had philosophically described

In February 1896, an extraordinary meeting took place in New York City between two of the most remarkable minds of their age. On one side of the dining table sat Nikola Tesla, the brilliant inventor whose revolutionary work with electricity was reshaping the modern world. Opposite him sat Swami Vivekananda, the charismatic Hindu monk whose lectures on Vedanta and spirituality had captivated audiences across America after his famous appearance at the Parliament of Religions in Chicago in 1893.

The dinner was arranged by the celebrated French actress Sarah Bernhardt, who had become fascinated by Vivekananda after hearing him speak. Bernhardt admired intellectuals, artists, and thinkers, and she believed Tesla and Vivekananda would find common ground in their shared interest in the mysteries of existence and the hidden forces governing the universe. She was right.

Five days after the meeting, Vivekananda wrote a letter describing the discussion that had taken place that evening. According to his account, he explained to Tesla two important Sanskrit concepts from Hindu philosophy: Akasha and Prana. In Vedantic thought, Akasha refers to the primordial substance from which all matter originates, a subtle universal essence existing before the formation of physical atoms. Prana, meanwhile, is described as the universal cosmic energy that acts upon Akasha to create movement, force, and life throughout the universe.

For Vivekananda, these were not merely religious ideas but profound philosophical principles about the structure of reality itself. Tesla listened with intense interest. At the time, scientists were struggling to

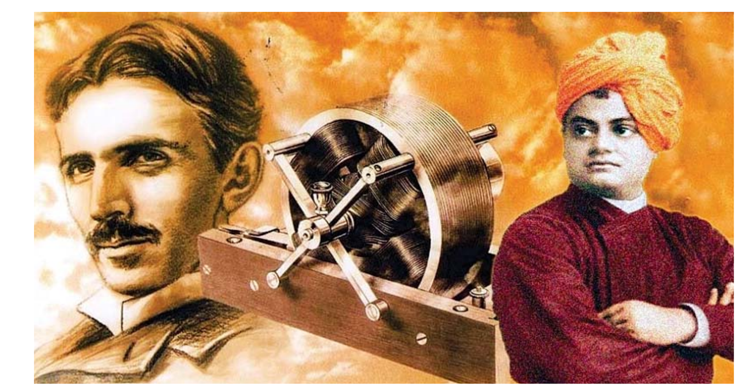

understand the deeper relationship between matter, force, and energy. Electricity had become one of the great scientific frontiers of the nineteenth century, and Tesla stood at the center of that revolution. Yet, he believed there was an even deeper unity beneath the physical world, a hidden connection linking matter and energy together.

The concepts of Akasha and Prana appeared to resonate strongly with Tesla's own theories and intuitions. He became deeply intrigued by the possibility that ancient philosophical traditions had anticipated truths modern science was only beginning to explore. Over the following years, Tesla continued attempting to develop a scientific framework that could explain matter and energy as different forms of the same underlying reality.

Tesla's fascination with these ideas became publicly visible in 1907 when he published an article titled "Man's Greatest Achievement." In the article, he directly referred to the Sanskrit terms Akasha and Prana, using them in his discussion of cosmic energy, matter, and the forces governing the universe. It was an unusual and remarkable moment in intellectual history: one of the world's most celebrated inventors openly engaging with concepts drawn from Indian philosophy while searching for a scientific understanding of the cosmos. Despite his brilliance, however, Tesla was unable to mathematically prove the connection he believed existed between matter and energy. While he pursued this vision through electrical experimentation and theoretical speculation, another thinker in Europe was quietly solving the problem through mathematics.

In 1905, a relatively unknown patent clerk working in Switzerland published a series of scientific papers that would forever transform physics. His name was Albert Einstein. Among his groundbreaking discoveries was the famous equation:

E=mc2E = mc^2E=mc2

Einstein's equation demonstrated that mass and energy were fundamentally equivalent, that matter itself was a concentrated form of energy. In a sense, Einstein had mathematically expressed the unity that Tesla had long suspected and that Vivekananda had philosophically described through the concepts of Akasha and Prana. Of course, modern physics and Vedantic philosophy are not identical systems, and scholars caution against oversimplifying the relationship between scientific theories and spiritual ideas. Nevertheless, the meeting between Tesla and Vivekananda remains one of history's most fascinating intellectual encounters because it represents a rare moment when Eastern philosophy and Western science directly engaged with one another at the highest level.

Tesla approached the mystery through invention and experimentation. Vivekananda approached it through consciousness and metaphysical insight. Einstein eventually revealed it through mathematical physics. Yet all three, in different ways, were searching for the same thing: a deeper understanding of the hidden unity underlying the universe.

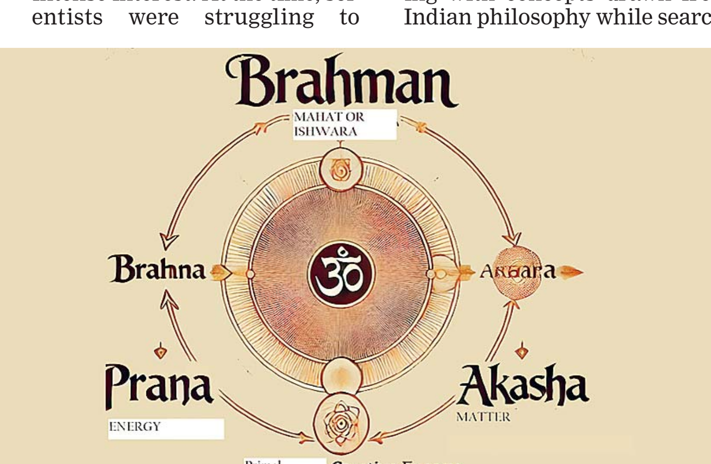

THE WALL

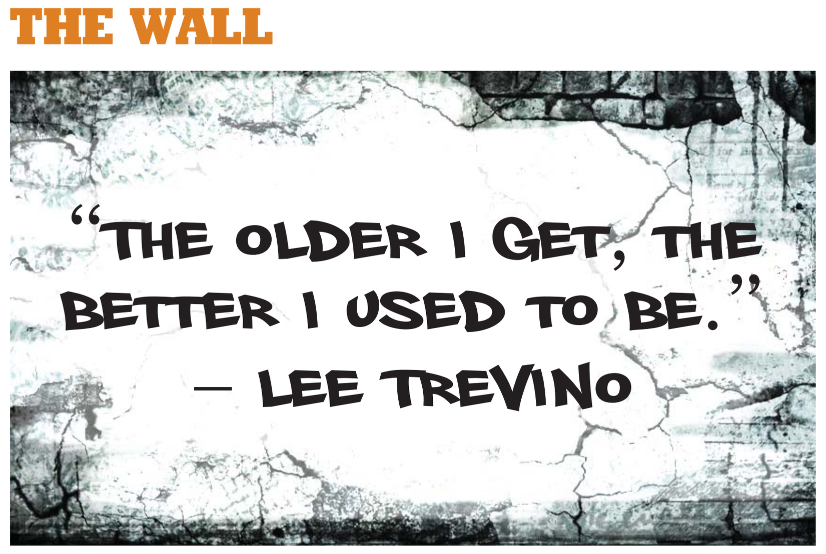

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

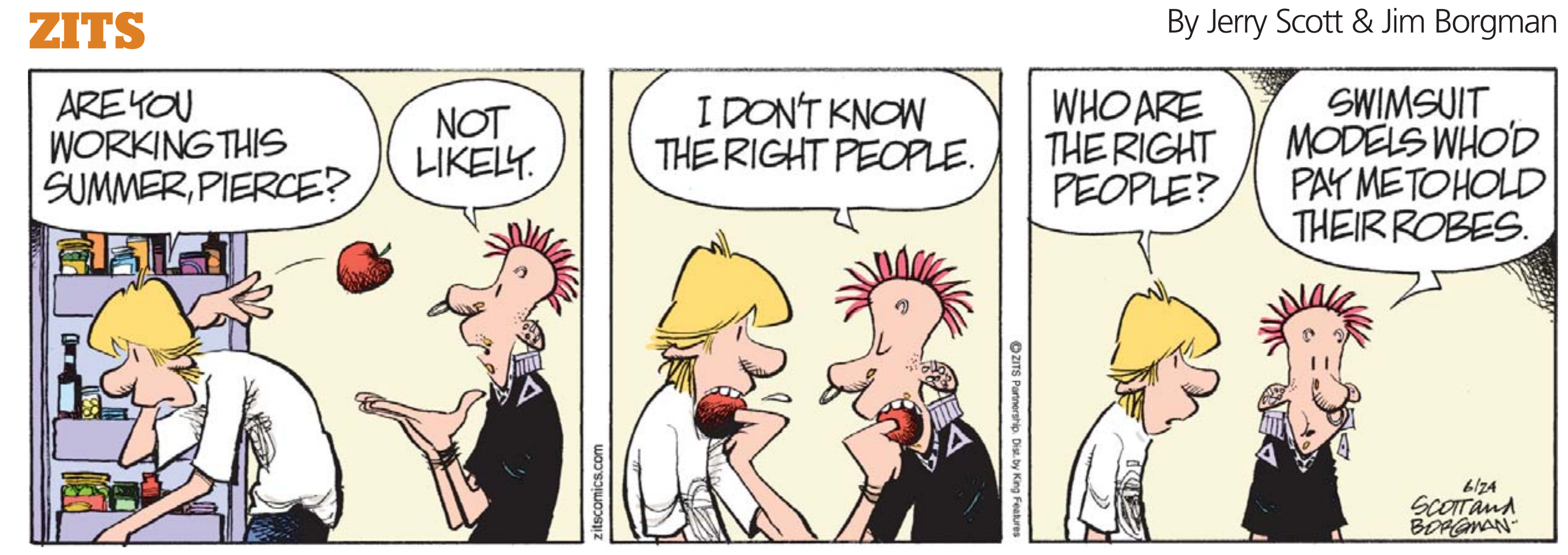

भरतपुर में लंपी रोग का संक्रमण बढ़ा, दो हजार गोवंश प्रभावित

लंपी के सबसे ज्यादा मामले सेवर, नदबई और उच्चौन क्षेत्र में सामने आए

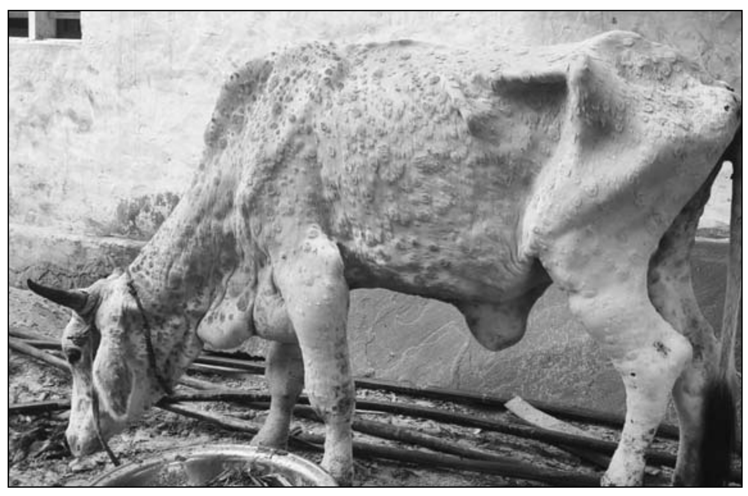

भरतपुर जिले में गोवंश में लम्पी रोग के लक्षण दिखाई दिये।

- **राहत की बात यह है कि इस बार संक्रमित पशु तेजी से रिकवर हो रहे हैं और अब तक 828 पशु स्वस्थ हो चुके हैं**

भरतपुर, (निसं)। जिले में एक बार फिर लंपी स्किन डिजीज का संक्रमण सामने आने लगा है। पशुपालन विभाग के अनुसार पिछले कुछ दिनों में बढ़ी आर्द्रता और बारिश के अंतिम दौर के दौरान बदले मौसम के कारण वायरस और संक्रामक बीमारियों के फैलने की परिस्थितियां बनी हैं। जिले में करीब दो हजार गोवंश लंपी संक्रमण से प्रभावित हुए हैं, हालांकि राहत की बात यह है कि इस बार संक्रमित पशु तेजी से रिकवर हो रहे हैं और अब तक 828 पशु स्वस्थ हो चुके हैं।

पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. मनोज कुमार चौधरी ने बताया कि अगस्त के तीसरे सप्ताह, करीब 20-21 अगस्त से जिले में लंपी के मामले सामने आने शुरू हुए। इस बार उत्तर प्रदेश की सीमा से जुड़े क्षेत्रों में संक्रमण के मामले अधिक देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि भरतपुर जिले की कई तहसीलों की सीमाएं उत्तर प्रदेश से जुड़ी हुई हैं। रूपवास, कुम्हेर सहित अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में संक्रमण का असर देखा जा रहा है और इसके बाद बीमारी जिले के अन्य क्षेत्रों तक पहुंची है।

विभाग के अनुसार जिले में लंपी के सबसे ज्यादा मामले सेवर, नदबई और उच्चौन क्षेत्र में सामने आए हैं। सेवर क्षेत्र में करीब 600 केस, नदबई तहसील में करीब 650 संक्रमित पशु, उच्चौन तहसील में करीब 300 केस, वहीं भुसावर, रूपवास, वैर और बयाना सहित अन्य क्षेत्रों में लंपी के छिटपुट मामले सामने आए हैं, लेकिन वहां संक्रमण की स्थिति अधिक गंभीर नहीं बताई जा रही है। डॉ. चौधरी ने बताया कि जिले में अब तक करीब 2 हजार गोवंश लंपी संक्रमण से प्रभावित हुए हैं। इनमें से 828 पशु रिकवर हो चुके हैं, जबकि करीब 1200 पशु अभी एक्टिव फेज में हैं और उनका उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि इस बार संक्रमण की गंभीरता पहले की तुलना में कम है और मृत्यु दर भी काफी कम देखने को मिल रही है। संक्रमित पशुओं में बीमारी का असर कुछ दिनों तक रहता है और समय पर उपचार मिलने पर पशु रिकवरी फेज में पहुंच जाते हैं।

पशुपालन विभाग के अनुसार भरतपुर जिले में करीब 1 लाख गोवंश की आबादी में से लगभग 80 प्रतिशत पशुओं का वैक्सीनेशन किया जा चुका है। विभाग का मानना है कि इसी कारण इस बार संक्रमण के बावजूद पशुओं में बीमारी ज्यादा गंभीर रूप नहीं ले रही है।

डॉ. चौधरी ने बताया कि संक्रमित पशु में शुरुआत में चारा-पानी कम खाने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इसके बाद गर्दन, पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों पर नोड्यूल बनने लगते हैं। नोड्यूल में दर्द होने के कारण पशु परेशान हो सकता है, लेकिन समय पर दवा मिलने से तीन से पांच दिन में सुधार देखने को मिल रहा है।

संयुक्त निदेशक ने पशुपालकों से अपील की है कि पशु में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर उसे तुरंत अन्य पशुओं से अलग कर दें। उन्होंने कहा कि संक्रमित पशु को आइसोलेशन में रखना बेहद जरूरी है, ताकि संक्रमण दूसरे स्वस्थ पशुओं तक नहीं पहुंचे। पशुशाला में काम करने वाले लोगों को पहले स्वस्थ पशुओं को चारा-पानी देना चाहिए और संक्रमित पशु को सबसे आखिर में संभालना चाहिए। रोगी पशु की देखभाल करने के बाद साफ-सफाई और नहाने-धोने पर विशेष ध्यान देने की भी अपील की गई है। विभाग ने प्रत्येक क्षेत्र के लिए रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया है। टीम में एक पशु चिकित्सक, एक एलएसआई और एक पशुधन परिचर शामिल होता है। यह टीम संक्रमित पशुओं के पास पहुंचकर उपचार शुरू करती है।

डॉ. चौधरी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद टीम जल्द से जल्द मौके पर पहुंचने का प्रयास करती है और उपचार पर विभाग का विशेष फोकस है।

प्रदेश में होने वाला राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह स्थगित

- **माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान (बीकानेर) ने आधिकारिक आदेश जारी कर कार्यक्रम को आगामी सूचना तक टाल दिया**
- **आचार संहिता के नियमों और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुपालना को ध्यान में रखते हुए समारोह को स्थगित किया**
- **समारोह के स्थगित होने से सम्मानित होने वाले शिक्षकों को अब नई तिथि की घोषणा का इंतजार करना होगा**

श्रीगंगानगर, (निसं)। राजस्थान में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर आगामी 5 सितंबर को आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह-2026 स्थगित कर दिया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान (बीकानेर) ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर कार्यक्रम को आगामी सूचना तक टाल दिया है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक ललित कुमार की ओर से जारी कार्यालय आदेश के अनुसार राज्य में सितंबर 2026 में प्रस्तावित नगरीय निकाय आम चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है। चुनाव घोषणा के साथ ही प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। आचार संहिता के नियमों और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुपालना को ध्यान में रखते हुए सक्षम स्तर से अनुमोदन के बाद इस गरिमामयी समारोह को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। सीडीईओ अरविंद्र सिंह के अनुसार जिला स्तर पर सम्मानित होने वाले शिक्षकों की सूची शिक्षा निदेशालय, बीकानेर भेजी जा चुकी है। गौरतलब है कि कि शिक्षा विभाग ने राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह-2026 की नई गाइडलाइन जारी कर दी है। इसके तहत लगातार दूसरी बार ब्लॉक स्तर पर शिक्षक सम्मान समारोह नहीं होगा। केवल जिला व राज्य स्तर पर सम्मान दिया जाएगा। इस बार कुल 189 शिक्षकों का चयन होना है। इन्हें जिला स्तर पर 11 हजार रुपए नकद और प्रमाण पत्र दिया जाएगा। राज्य स्तर पर 21 हजार रुपए नकद और प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इच्छुक शिक्षकों से 11 अगस्त तक शाला दर्पण पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन लिए गए थे। हैरानी की बात है कि इस साल शिक्षक सम्मान में सम्मानित होने वाले शिक्षकों की संख्या और दी जाने वाली राशि में भी कटौती की गई है।

यह राज्य स्तरीय समारोह संभागीय संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा (जयपुर) के तत्वावधान में राजधानी जयपुर स्थित बिड़ला ऑडिटोरियम में 5 सितंबर को भव्य स्तर पर आयोजित किया जाना प्रस्तावित था। इस समारोह में प्रदेशभर से चयनित उत्कृष्ट शिक्षकों को उनके विशिष्ट शैक्षणिक योगदान के लिए राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाना तय हुआ था।

शिक्षा विभाग ने इस आदेश की प्रतिलिपि शिक्षा मंत्री के विशिष्ट सहायक, स्कूल शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव, आयुक्त, सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों, जिला शिक्षा अधिकारियों तथा संस्था प्रधानों को आगामी आवश्यक कार्यवाही के लिए प्रेषित कर दी है। समारोह के स्थगित होने से सम्मानित होने वाले शिक्षकों को अब नई तिथि की घोषणा का इंतजार करना होगा। विभाग की ओर से निकाय चुनाव संपन्न होने और आचार संहिता हटने के बाद इस सम्मान समारोह के आयोजन की नई तिथि और रूपरेखा अलग से जारी की जाएगी। शिक्षक सम्मान के लिए आवेदन करने वाले शिक्षकों के पास कम से कम पांच साल का कक्षा शिक्षण अनुभव होना अनिवार्य है। इस अनुभव की गणना 30 जून 2025 के आधार पर की जाएगी। आवेदन करने वाले शिक्षकों का चयन 100 अंकों की सूक्ष्म अंक योजना के आधार पर किया जाएगा। कुल अंक 25 से कम होने पर संबंधित शिक्षक के आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

दीवार में छेद कर दुकान में घुसे तीन चोर, वारदात टली

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र स्थित सतीरामपुर गांव में एक किराना दुकान में चोरी का बड़ा प्रयास विफल हो गया। चोरों ने दुकान की डेढ़ फीट चौडी दीवार में ढाई फीट का छेद कर प्रवेश किया। हालांकि,व्यापारी द्वारा सीसीटीवी फुटेज देखने और दुकान पर पहुंचने के बाद चोर मौके से फरार हो गए, जिससे चोरी की वारदात टल गई।

यह घटना सोमवार रात की है। चोरों ने जितेंद्र कलाल की किराना दुकान को निशाना बनाया। उन्होंने दुकान के पीछे की दीवार में लगभग ढाई फीट का बड़ा छेद किया और उसी रास्ते से दुकान में घुसे। रात 12 बजे चोरों ने दुकान का एक सीसीटीवी कैमरा तोड़ दिया और दुकान का सामान इकट्ठा करना शुरू कर दिया था। दुकान से करीब 200 मीटर दूर अपने घर में सो रहे व्यापारी जितेंद्र कलाल रात 2.45 बजे पानी पीने के लिए उठे। उन्होंने अपने मोबाइल पर दुकान के कैमरे चेक किए। एक कैमरा बंद देखकर उन्हें शक हुआ।

छह महीने से फरार शातिर लुटेरे को निम्बाहेड़ा से पकड़ा

- **आरोपी ने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर महिला पर चाकू से हमला किया था और उसके गले से सोने के जेवरात काटकर लूट लिए थे**
- **प्रकरण में पूर्व में ही तीन मुख्य आरोपियों व जेवरात खरीदने वाले स्वर्ण व्यवसायी को भी गिरफ्तार कर सोने के आभूषण बरामद कर लिये थे**

भीलवाड़ा, (निसं)। पुलिस थाना पारोली ने करीब छह महीने से फरार चल रहे 15 हजार रुपये के इनामी शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर एक महिला का रास्ता रोककर चाकू से हमला किया था और उसके गले से सोने के जेवरात काटकर लूट लिए थे। पुलिस ने फरार आरोपी को चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा से गिरफ्तार किया है।

पारोली थानाधिकारी कमलेश कुमार (उपनिरीक्षक) के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने मुखबिर एवं तकनीकी सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 15 हजार रुपये के वांछित इनामी आरोपी विशाल उर्फ विकास पिता शोभा लाल मोग्या (19), निवासी भाणुजा डांग, पुलिस थाना निकुम्भ, जिला चित्तौड़गढ़ को निम्बाहेड़ा से दबोच लिया। मामले के अनुसार, 27 फरवरी 2026 की शाम करीब 5:30 से 6 बजे के बीच फलासेड निवासी एक महिला अपने खेत से घर लौट रही थी। तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए चार बदमाशों ने उसे घेर लिया और चाकू दिखाकर गले में पहने सोने के जेवरात लूट लिए। महिला द्वारा विरोध करने पर बदमाशों ने चाकू से उसके गले पर वार कर दिया,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई और बदमाश जेवर काटकर पारोली की तरफ भाग निकले। घटना पर थाना पारोली में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि इस प्रकरण में पूर्व में ही तीन मुख्य आरोपियों भैरू लाल उर्फ नाना लाल मोग्या, गोवर्धन मोग्या और भैरू लाल पिता पूरणमल मोग्या को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा लूटे गए जेवरात खरीदने वाले स्वर्ण व्यवसायी/खरीदार मोहम्मद अमजद उल्ला को भी गिरफ्तार कर सोने के आभूषण पूर्व में ही बरामद कर लिये गये थे। अब 6 माह से फरार चल रहे 15 हजार के इनामी आरोपी विशाल उर्फ विकास मोग्या से पुलिस द्वारा गहनता से पूछताछ की जा रही है।

18 साल से फरार महिला आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की सुभाषनगर थाना पुलिस ने 18 वर्षों से फरार चल रही पांच हजार की इनामी महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मामला वर्ष 2008 का है, जब सुभाषनगर थाने में आरोपी महिला चंदा पत्नी बरदीचंद शर्मा, निवासी संजय कॉलोनी, भीलवाड़ा के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। मामला दर्ज होने के बाद से ही महिला न्यायालय द्वारा जारी स्थाई वारंट से बचने के लिए नाम व पता बदलकर आरजिया, थाना मांडल, क्षेत्र में फरारी काट रही थी। आरोपी महिला की लंबे समय से तलाश की जा रही थी। उसकी शीघ्र धरपकड़ के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। कार्रवाई के दौरान जिला स्पेशल टीम के हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश जाट को महिला की सटीक लोकेशन की आसूचना मिली। सूचना के आधार पर टीम ने मांडल रोड पर जोधड़ास के पास घेराबंदी कर आरोपी महिला चंदा को गिरफ्तार कर लिया।

युवक पर हमला करने के चार आरोपी गिरफ्त में

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र में एक युवक पर महिंद्रा कैंपर कार चढ़ाकर जान से मारने का प्रयास करने और फिर लाठी-डंडों व लोहे के सरियों से ताबड़तोड़ हमला करने के मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़ित युवक के पिता हुकम सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करा कर बताया था कि 25 अगस्त की रात करीब आठ बजे उनका बेटा बाइक पर सवार होकर सेक्टर 2 केबीएचबी स्थित पोकर स्वीट के पास की गली से निकल रहा था। तभी जान से मारने की नीयत से पीछे से आ रही एक बिना नंबरी महिन्द्रा कैंपर गाड़ी के चालकों ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही चिराग सड़क पर गिर पड़ा। इसके बाद कैंपर से उतरे करीब 15 बदमाशों ने उसे जमीन पर घसीटा और तलवारों, डंडों, पाइपों व लोहे के सरियों से उसके हाथ और पैरों पर लगातार वार किए। इस हमले में चिराग के हाथ और पांव में गंभीर फ्रैक्चर आ गए। बाद में उसने एक मोबाइल दुकान में घुसकर जान बचाई।

पीड़ित ने अस्पताल में भर्ती होने के बाद बताया कि आरोपी उसे जान से मारने की धमकियां दे रहे थे। मामले में पुलिस ने यूनूफ पुत्र मोहम्मद यूसूफ निवासी बरकतुल्ला खां कॉलोनी, प्रतापनगर सदर, दिनेश उर्फ कालू (26) पुत्र ओमप्रकाश बिश्नोई निवासी रावर, हाल महावीर नगर, भगत की कोठी, मनीष उर्फ मन्नु (23) पुत्र भल्लाराम जाट निवासी गांव अरटिया, हाल बुध नगर पाल, बोरानाडा और समीर मिरासी (20) पुत्र ओमप्रकाश निवासी के के कॉलोनी, कुड़ी भगतासनी शामिल हैं।

करंट की चपेट में आने से एक जना घायल

हिंडौन सिटी, (निसं)। क्षेत्र के खेड़ी घाटम में 11 केवी विद्युत लाइन लोगों के लिए खतरा बनी हुई है।
ग्रामीणों का आरोप है कि लाइन नीचे होने के कारण आए दिन लोग करंट की चपेट में आकर घायल हो रहे हैं, लेकिन बिजली विभाग को बार-बार शिकायत देने के बावजूद लाइन को ऊपर करने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आज फिर एक गंभीर हादसा सामने आया, जब राजेश तिवाड़ी अपने खेत पर बाजरे की फसल को देखने खेतों पर गए हुए थे। इतने में ही 11 केवी के नीचे झूलते तारों की करंट की चपेट में आकर घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए राजकीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। इससे पूर्व में भी उन्हीं जगहों पर विगत वर्षों से कई और भी घटना हो चुकी है।

सीएमएचओ व संविदाकर्मी पर 2.75 लाख की रिश्वत मांगने का आरोप

- **निजी अस्पताल के संचालन, सोनोग्राफी और एमएए आयुष्मान योजना के एमओयू पर हस्ताक्षर करने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप**

जयपुर/प्रतापगढ़। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने निजी अस्पताल के संचालन, सोनोग्राफी और एमएए आयुष्मान योजना के एमओयू पर हस्ताक्षर करने के एवज में 2.75 लाख रुपए रिश्वत मांगने के आरोप में प्रतापगढ़ के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) जीवराज मीणा और कार्यालय के संविदाकर्मी महेश पाटीदार के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के अनुसार प्रतापगढ़ चौकी पर शिकायत मिली थी। परिवादी ने आरोप लगाया कि एसएस हॉस्पिटल, प्रतापगढ़ एवं धरियावद के अस्पतालों के संचालन, सोनोग्राफी तथा एमएए आयुष्मान योजना के एमओयू पर हस्ताक्षर करने के लिए सीएमएचओ जीवराज मीणा और संविदाकर्मी महेश पाटीदार की ओर से 2.75 लाख रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है। इसके अलावा मासिक बंदी के रूप में भी रिश्वत की मांग किए जाने का आरोप लगाया गया। एसीबी ने शिकायत का गोपनीय सत्यापन कराया गया। सत्यापन के दौरान अस्पताल संचालन, सोनोग्राफी, आयुष्मान योजना के एमओयू पर हस्ताक्षर और मासिक बंदी के एवज में रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई।

एसीबी के अनुसार कार्रवाई से पहले आरोपी को पूर्व की घटनाओं को लेकर अनुचित लाभ प्राप्त करने संबंधी खबरें प्रकाशित होने की जानकारी मिल गई, जिससे वह सतर्क हो गया। इसके चलते आगे की कार्रवाई नहीं हो सकी।

गोदाम में आग लगी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के पॉश इलाके आरके कॉलोनी स्थित एक रेडीमेड कपड़े के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल हो गया और देखते ही देखते पूरी कॉलोनी में काला धुआं छा गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोदाम से अचानक धुएं के तेज गुबार निकलते देखे गए। गोदाम में कपड़ा होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही सुभाष नगर थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल की 3 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। धुएं के कारण दमकलकर्मियों को राहत कार्य में काफी मशक्कत करनी पड़ी। फिलहाल आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है।

सुजान गंगा नहर में कूदे युवक का शव तीन दिन बाद मिला

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सुजान गंगा नहर में तीन दिन पहले छलांग लगाने वाले युवक का शव मंगलवार को मिला। युवक की तलाश में पिछले तीन दिनों से लगातार एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें सर्च ऑपरेशन चला रही थीं। शव मिलने के बाद मृतक की पहचान 22 वर्षीय अजय पुत्र सज्जन सिंह, निवासी गांव जाटोली घना, थाना सेवर के रूप में हुई है।

चौबुर्जा चौकी प्रभारी राकेश मान ने बताया कि 30 अगस्त की शाम करीब 7:30 बजे एक युवक गंगा मंदिर की तरफ से आया था। इसी दौरान वह अचानक सुजान गंगा नहर में कूद गया और पानी में डूब गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और रेस्क्यू टीमों को बुलाया गया। घटना के बाद से लगातार युवक की तलाश की जा रही थी। एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमों ने 30 अगस्त, 31 अगस्त और इसके बाद भी लगातार नहर में सर्च ऑपरेशन चलाया। तीन दिन बाद मंगलवार को युवक का शव नहर से बरामद कर लिया गया।

चूरू में बिज्जी शताब्दी समारोह का समापन

समारोह में साहित्यकारों ने कथा, भाषा और रंगमंच पर सार्थक चर्चा की

प्रयास संस्थान की ओर से आयोजित समारोह में कई साहित्यकारों का सम्मान किया गया।

जयपुर/चूरू। प्रख्यात साहित्यकार विजयदान देथा 'बिज्जी' के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रयास संस्थान की ओर से आयोजित बिज्जी शताब्दी समारोह का समापन मंगलवार शाम ओसवाल भवन, चूरू में हुआ। समारोह की अध्यक्षता बिज्जी की कथाओं के चर्चित अनुवादक कैलाश कबीर ने की। मुख्य अतिथि राजस्थानी मासिक पत्रिका 'माणक' के संपादक पदम मेहता तथा विशिष्ट अतिथि 'बोरुंदा डायरी' के लेखक मालचंद तिवाड़ी और प्रख्यात साहित्यकार डॉ. भरत ओला रहे।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कैलाश कबीर ने कहा कि बिज्जी की कथाओं में कथा-तत्व लोक का है लेकिन उन्होंने उसे आधुनिक संदर्भों में इस तरह रचा कि वह आधुनिक कहानी में रूपांतरित हो गया। उनकी कहानियां आम आदमी और स्त्री के पक्ष को बेहद मजबूती से सामने रखती हैं। कबीर ने कहा कि बिज्जी की रचनाओं में लोक की जमीन पर खड़े होकर आधुनिक जीवन की जटिलताओं को समझने और अभिव्यक्त करने की अद्भुत क्षमता दिखाई देती है।

मुख्य अतिथि पदम मेहता ने कहा कि बिज्जी ने राजस्थानी भाषा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनकी कथाओं के माध्यम से राजस्थानी भाषा, लोकजीवन और संस्कृति विश्व समुदाय तक पहुंची। बिज्जी की रचनाएं राजस्थान के लोक की विशिष्ट संवेदना को वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में ले जाने वाली महत्वपूर्ण कड़ी हैं। 'बोरुंदा डायरी' के लेखक मालचंद तिवाड़ी ने बिज्जी के साथ बिताए अपने समय को याद करते हुए अनेक आत्मीय संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि बिज्जी अद्भुत लेखक थे। डॉ. भरत ओला ने कहा कि किसी भी साहित्यकार की रचनात्मक विरासत पर इस तरह के आयोजन बेहद उत्साहजनक होते हैं और प्रयास संस्थान द्वारा किया गया यह प्रयास अतुलनीय है। प्रयास संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चूरू के लोगों के सहयोग और आत्मीयता के कारण ही इस तरह के आयोजन संभव हो पाते हैं। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

समापन समारोह से पूर्व दो महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। प्रथम सत्र 'बिज्जी का लेखन एवं फिल्मांकन-मंचन' विषय पर हुआ, जिसकी अध्यक्षता अंबिकादत्त चतुर्वेदी ने की। इस सत्र में प्रेमचंद गांधी, कमल रंगा, सत्यदीप, हरीश बी. शर्मा, तसनीम खान, डॉ. कालूराम परिहार, एम.आई. जाहिर तथा राजेंद्र सिंह शेखावत ने बिज्जी की कहानियों के फिल्मांकन और मंचन की संभावनाओं तथा उनके रचनात्मक प्रभाव पर विचार व्यक्त किए। संचालन शंकर सिंह राजपुरोहित ने किया। दूसरा सत्र 'बिज्जी की भाषा' विषय पर मीठेश निर्मोही की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इसमें दिनेश पंचाल, रामेसर गोदारा, डॉ. सुरेश सालवी, विनोद सारस्वत, मनोज कुमार स्वामी, गौरीशंकर निम्मिवाल, किशोर कुमार निर्वाण तथा कमल रंगा ने बिज्जी की भाषा की विशिष्टता, लोकभाषा के प्रयोग और उनकी कथाभाषा की रचनात्मक शक्ति पर विस्तार से चर्चा की। सत्र का संचालन डॉ. मदन गोपाल लड्ढा ने किया।

समारोह के दौरान प्रयास संस्थान की ओर से आयोजन में सहयोग देने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों का नागरिक अभिनंदन भी किया गया। इस अवसर पर श्री ओसवाल भवन समिति चूरू, विजयदान देथा महाविद्यालय बोरुंदा, निसार अहमद खान, सहीराम पूनिया, जितेंद्र चौधरी, चंदगी दूत, ओमप्रकाश रणवा, भंवरलाल कस्वा, पवन कस्वा, बनवारी लाल शर्मा साहित्य समिति, नवल केड़िया कोलकाता, केसरी सिंह बारहठ स्मृति संस्थान एवं छात्रावास चूरू, अजय रमेश जांगिड़, परमेश्वर लाल तिवाड़ी तथा योगेश सोनी का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर प्रयास संस्थान का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। समारोह में धनंजया अमरावत, फारूक आफरीदी और डॉ. रामकुमार घोटड़ ने विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए। कन्हैयालाल रतनलाल पारख पुरस्कार उदयवीर शर्मा, श्याम गोइन्का संस्था सम्मान नगर श्री ट्रस्ट चूरू, मोहन आलोक साहित्य सम्मान हनुमान बरोड़, बैजनाथ पवार पुरस्कार भंवरलाल भ्रमर, सावित्री चौधरी खूम सिंह पुरस्कार डॉ. चांदकौर जोशी तथा दुर्गेश युवा पुरस्कार सत्येंद्र चारण को प्रदान किया गया। सम्मान समारोह का संचालन संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने किया।

सेना ने जिंदा बम डिफ्यूज किया

बीकानेर, (निसं)। सेना ने जिंदा बम को डिफ्यूज किया तो धमाके के साथ रेत का गुबार उठा। बम करीब डेढ़ महीने पहले जरजनसर क्षेत्र में जसवंतसर के पास खेत में मिला था। कार्रवाई से पहले पुलिस ने पहले ही इलाके को सुरक्षित कर लिया था। जानकारी के अनुसार, जसवंतसर के पास खेत में बम मिलने की सूचना पर महाजन थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी।

पिछोला झील में डूबे युवक का शव निकाला

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर की पिछोला झील में डूबे युवक के शव को सिविल डिफेंस की टीम ने मंगलवार को निकाल लिया। टीम ने घंटाघर थाना पुलिस को शव सुपुर्द किया। शव को एमबी हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में रखवाया है। मृतक की फिलहाल पहचान नहीं हो पाई है। मृतक की शिनाख्तगी के प्रयास पुलिस कर रही है। सोमवार रात को एक व्यक्ति ने मृतक को गणगौर घाट स्थित दाई की पुलिया के पास डूबते हुए देखा था। इसके बाद तुरंत सिविल डिफेंस को सूचना दी थी। झील में किसी के डूबने की सूचना पर सोमवार रात को लोगों को भीड़ जमा हो गई थी।सूचना पर सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंची थी।

नाबालिग के कथित अपहरण के प्रयास का वीडियो वायरल

- **विराटनगर क्षेत्र में मचा हड़कंप, मैड के पास किरो की ढाणी का मामला, स्कूल जाते समय ईको सवार लोगों पर जबरन गाड़ी में बैठाने का प्रयास करने का आरोप**

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र में नाबालिग के कथित अपहरण के प्रयास से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। मामला मैड कस्बे के निकट किरो की ढाणी का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में नाबालिग और उसके पिता घटनाक्रम की जानकारी देते हुए नजर आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार पिता ने बताया कि नाबालिग बेटा रोजाना की तरह एक स्कूल में पढ़ने के लिए जा रहा था। इसी दौरान सियावर मंदिर से मेड़ जाने वाले रास्ते पर एक ईको गाड़ी में सवार कुछ लोगों द्वारा बच्चे को उसके पिता ने बुलाया है कहकर कथित रूप से जबरन गाड़ी में बैठाने का प्रयास किए जाने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि बच्चा किसी तरह वहां से भाग निकला और सुरक्षित अपने घर पहुंचकर परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। बच्चे के सुरक्षित होने की बात सामने आ रही है। घटना के बाद से क्षेत्र में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता का माहौल है। वहीं, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। बताया जा रहा है कि घटना सोमवार को हुई। हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में किए गए दावों और सामने आई प्रारंभिक जानकारी की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। कथित घटना की वास्तविक स्थिति पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। वायरल वीडियो के बाद स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर चर्चा तेज है कि स्कूल आने-जाने वाले बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस और प्रशासन को संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ानी चाहिए। फिलहाल पूरे मामले को लेकर आधिकारिक पुलिस पुष्टि का इंतजार है।

श्रीगंगानगर में कई दिग्गजों को टिकट नहीं मिलने से बागी होने की अटकलें तेज

भाजपा ने पूर्व मंत्री राधेश्याम गंगानगर के पोते अनिरुद्ध राजपाल को टिकट नहीं दी, इसके बाद अब वे बागी होकर चुनाव लड़ सकते हैं

श्रीगंगानगर, (निसं)। नगर निकाय चुनाव की नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों की तस्वीर साफ हो गई है। दोनों पार्टियों ने कई वार्डों में टिकट बांटे, लेकिन कई दिग्गजों को टिकट न मिलने से बागी होने की अटकलें तेज हो गई हैं। कुछ सीटें अब हॉट सीट बन गई हैं और अध्यक्ष पद की रेस भी दिलचस्प होने वाली है।

भाजपा ने पूर्व मंत्री राधेश्याम गंगानगर के पोते अनिरुद्ध राजपाल को टिकट नहीं दी। अनिरुद्ध ने वार्ड 23 से आवेदन किया था। टिकट न मिलने के बाद अब वे बागी होकर चुनाव लड़ सकते हैं। इस वार्ड में भाजपा के सन्नी नागपाल और कांग्रेस के तैमूर हैदर मैदान में हैं। अनिरुद्ध के बागी होने की सूरत में यह सीट सबसे चर्चित हो गई है। अनिरुद्ध राजपाल श्रीगंगानगर होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं।

- **कांग्रेस ने भी कई बड़े चेहरों की टिकट काटी, इनमें जिला कांग्रेस कमेटी की महासचिव नमिता सेठी, युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष नवाब खान, जिला सचिव रीतू धवन शामिल हैं**

वार्ड 1 से कांग्रेस के अनूप सिंह बाजवा चुनाव लड़ रहे हैं। उनके सामने भाजपा के करण हैं, जो ई-रिक्शा चालक हैं और 15 वर्षों से पार्टी से जुड़े हैं। पार्टी ने उनके लंबे अनुभव को देखते हुए उन पर भरोसा जताया है। अनूप सिंह बाजवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य हैं। वे पहले एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष और युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। अनूप बाजवा अध्यक्ष पद के मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। वार्ड 58 से नगर परिषद के पूर्व उपसभापति अजय दावड़ा भाजपा के टिकट पर मैदान में हैं। उनके सामने कांग्रेस प्रत्याशी रवि कुमार हैं, जो प्राइवेट वायरमैन हैं। अजय दावड़ा को भाजपा की तरफ से अध्यक्ष पद के मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। पूर्व उपसभापति अजय दावड़ा भाजपा के टिकट पर मैदान में हैं। उनके सामने कांग्रेस प्रत्याशी रवि कुमार हैं, जो प्राइवेट वायरमैन हैं।

वार्ड 55 में भाजपा की ओर से आढ़त व्यापारी संजय मूंदड़ा चुनाव लड़ रहे हैं। संजय मुंदड़ा भी भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। उनके सामने कांग्रेस के विनोद कुमार हैं। वार्ड 22 से भाजपा के हरविंद्र सिंह मैदान में हैं। उनके सामने कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप चौधरी हैं, जो होटल कारोबारी हैं। हरविंद्र सिंह पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष गगनदीप कौर के पति हैं। गगनदीप कौर पिछली बार 10 महीने तक नगर परिषद की अध्यक्ष रही थीं। हरविंद्र सिंह निर्दलीय पार्षद भी रह चुके हैं। वार्ड 9 से निर्वेन्द्र सिंह बराड़ को भाजपा का टिकट मिला है। वे पिछली बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े थे, लेकिन हार गए थे। इस बार उनके सामने कांग्रेस के मनदीप सिंह हैं, जो इमीग्रेशन संचालक हैं।

वार्ड 24 से पिछली बार निर्दलीय रहे हेमंत रासरानियां को इस बार भाजपा की टिकट मिली है। उनके सामने कांग्रेस के जिनेंद्र कुमार धुन्ना चुनाव लड़ेंगे। वार्ड 22 से भाजपा के हरविंद्र सिंह मैदान में हैं। उनके सामने कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप चौधरी हैं, जो होटल कारोबारी हैं। वार्ड 22 से भाजपा के हरविंद्र सिंह मैदान में हैं। उनके सामने कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप चौधरी हैं, जो होटल कारोबारी हैं। वार्ड 9 से निर्वेन्द्र सिंह बराड़ को भाजपा का टिकट मिला है। उनके सामने कांग्रेस के मनदीप सिंह हैं, जो इमीग्रेशन संचालक हैं। वार्ड 9 से निर्वेन्द्र सिंह बराड़ को भाजपा का टिकट मिला है। उनके सामने कांग्रेस के मनदीप सिंह हैं, जो इमीग्रेशन संचालक हैं। भाजपा में महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष अंजू सैनी और जिला कार्यालय मंत्री सुशील वर्मा को टिकट नहीं दी गई। कांग्रेस ने भी कई बड़े चेहरों की टिकट काट दी है। इनमें जिला कांग्रेस कमेटी की महासचिव नमिता सेठी, युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष नवाब खान, जिला सचिव रीतू धवन और डीसीसी के पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र मौर्य शामिल हैं। इनके अलावा भी कांग्रेस और भाजपा में कई ऐसे जनप्रतिनिधि हैं, जो महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं, लेकिन दोनों ही पार्टियों ने उन्हें टिकट नहीं दी। अब ये नेता बागी होकर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं।

सिरसा-कोटा एक्सप्रेस में फर्जी टीटीई को पकड़ा

कोटा, (निसं)। यात्रियों की सतर्कता और कोटा मंडल के वाणिज्य विभाग की त्वरित कार्रवाई से गाड़ी संख्या 19814 सिरसा-कोटा एक्सप्रेस में फर्जी टीटीई बनकर यात्रियों के टिकट जांचने और जुर्माना मांगने वाले एक व्यक्ति को पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपी

- **आरोपी का दूसरा साथी अगले स्टेशन पर उतरकर फरार हो गया**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि जयपुर-सवाई माधोपुर रेलखंड पर ट्रेन के शयनयान कोच एस-2 में दो व्यक्ति यात्रियों के टिकट जांचकर जुर्माना मांग रहे थे, उनकी गतिविधि पर संदेह होने पर यात्रियों ने इसकी सूचना वाणिज्य नियंत्रण कक्ष को दी। सूचना मिलते ही ट्रेन में कार्यरत टीटीई भवानी सिंह मीना को तत्काल अवगत कराया गया। भवानी सिंह मीना ने टीटीई मुकेश मीना एवं मेघराज मीना के साथ एस-2 कोच में पहुंचकर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया, जबकि उसका दूसरा साथी अगले स्टेशन पर उतरकर फरार हो गया। टीम ने पकड़े गए व्यक्ति को सवाईमाधोपुर में आरपीएफ के सुपुर्द किया, जहां नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने बताया कि यात्रियों की जागरूकता, वाणिज्य नियंत्रण कक्ष की तत्परता और टिकट जांच स्टॉफ की त्वरित कार्रवाई से फर्जी टीटीई को पकड़ा जा सका।

घायल कार सवार की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट पूनिया की प्याऊ झंवर क्षेत्र में हुई दुर्घटना में घायल युवक की अस्पताल में मौत हो गई। झंवर पुलिस ने मृतक के भाई की रिपोर्ट पर मर्ग की कार्रवाई की है।

झंवर पुलिस ने बताया कि मेघलासिया गांव के रहने वाले करण सिंह पुत्र बाबूसिंह राजपुरोहित की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि उसका भाई अमरसिंह 29 अगस्त शाम को कार में सवार होकर पूनिया की प्याऊ क्षेत्र से निकल रहा था। तब उसकी कार के आगे चल रही अन्य कार के चालक ने अचानक से ब्रेक लगा दिया, जिससे पीछे चल रही कार उससे टकरा गई। हादसे में उसका भाई अमरसिंह घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। वहीं शहर के निकटवर्ती मथानिया स्थित गगाड़ी पंपिंग स्टेशन की जाली में 34 वर्षीय अमरचंद का शव मिला। युवक का शव इंदिरा गांधी नहर में बहकर आया। पुलिस ने पहचान के बाद शव को परिजन के सुपुर्द किया। मृतक के भाई की तरफ से मर्ग की कार्रवाई की गई।

अमरसर थाने का हैड कांस्टेबल व दलाल रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कार्रवाई करते हुए जयपुर ग्रामीण जिले के अमरसर थाना क्षेत्र में पुलिस परिवाद को रफा-दफा कर परिवादी के पक्ष में रिपोर्ट बनाने की एवज में चालीस हजार रुपए रिश्वत लेते हैड कांस्टेबल रतन लाल आर्य और अंग्रेजी व देशी शराब ठेके का सेल्समैन (दलाल) राकेश कुमार मीणा को गिरफ्तार किया।

हैड कांस्टेबल रतन लाल आर्य और दलाल राकेश कुमार मीणा।

एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके खिलाफ अमरसर थाने में दर्ज परिवाद को रफा-दफा करने और उसके पक्ष में रिपोर्ट बनाने के लिए हेड कांस्टेबल रतन लाल आर्य 50 हजार रुपए रिश्वत मांग रहा है। सत्यापन में मांग की पुष्टि हुई और 40 हजार रुपए में सौदा तय हुआ। ट्रैप कार्रवाई के दौरान राकेश कुमार मीणा ने हैड कांस्टेबल के लिए परिवादी से 40 हजार रुपए रिश्वत ली, जिस पर एसीबी ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद हैड कांस्टेबल रतनलाल आर्य को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।

हरियाणा निर्मित शराब बेचने वाला गिरफ्तार

सिधमुख, (निसं)। पुलिस थाना सिधमुख ने साधु के भेष में मंदिर में पुजारी बनकर हरियाणा निर्मित अवैध शराब बेचने वाले एक व्यक्ति को 12 बोतल शराब सहित गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी धर्मेन्द्र सिंह उनि पुलिस थाना सिद्धमुख के नेतृत्व में पुलिस थाना सिद्धमुख टीम ने कार्रवाई की।

टीम ने आरोपी कुलदीप सिंह उर्फ राजगिरी पुत्र हनुमान नाई निवासी शेखपुर दड़ौली पुलिस थाना भट्टू कलां जिला फतेहाबाद हरियाणा हाल मंदिर पुजारी जो साधु के भेष में रह रहा है को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 12 बोतल हरियाणा निर्मित देशी शराब बरामद की। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

दिव्या मदेरणा ने मथानिया पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों पर पक्षपात के आरोप लगाये

रातभर धरने पर डटी रही दिव्या मदेरणा, सुबह हुआ समझौता

जोधपुर, (कासं)। जिले के मथानिया नगर पालिका चुनाव-2026 में नामांकन प्रक्रिया के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगे, जिसके बाद पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गई। वे रातभर धरने पर डटी रहीं। सोमवार आधी रात के बाद तक चली मैराथन बैठकों और वार्ता के दौर के बाद मंगलवार को सुबह आखिरकार प्रशासन और दिव्या मदेरणा के बीच सहमति बन गई।

- **विवादित थानाधिकारी और रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराने पर सहमति बनी**

जानकारी के अनुसार प्रशासन ने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए स्थानीय थानाधिकारी और आरओ की भूमिका की जांच कराने तथा मथानिया और तिंवरी में अतिरिक्त पर्यवेक्षक तैनात करने का लिखित आश्वासन दिया है। विवाद की मुख्य वजह नामांकन के आखिरी दिन समय सीमा समाप्त होने के बाद कार्यालय के भीतर लोगों को दी गई एंट्री को माना जा रहा है। दिव्या मदेरणा ने आरोप लगाया कि मथानिया में नामांकन दाखिल करने की अंतिम समय सीमा दोपहर तीन बजे समाप्त होने के बावजूद क्षेत्रीय विधायक और भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को आरओ कार्यालय के भीतर जाने की अनुमति दी गई। मदेरणा ने आरोप लगाया कि स्थानीय थानाधिकारी खुद गेट पर जाकर भाजपा नेताओं को रिसीव करके अंदर लेकर आए, जबकि कार्यालय के भीतर पहले से मौजूद कांठोस प्रत्याशी के साथ दुव्र्यवहार करते हुए उन्हें जबरन बाहर निकाल दिया गया।

प्रशासनिक कार्यशैली पर तीखे सवाल उठाते हुए पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा अपने समर्थकों के साथ रातभर मथानिया आरओ कार्यालय के बाहर ही जमीन पर बैठी रहीं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, जब दोपहर 3 बजे के बाद किसी भी व्यक्ति को नामांकन प्रक्रिया में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती, तो फिर भाजपा के लोगों को अंदर जाने कैसे दिया गया? बंद गेट के बाद पुलिस अधिकारी उन्हें अंदर लेकर कैसे पहुंचे? क्या लोकतंत्र और संविधान में सत्ता पक्ष के लिए अलग और विपक्ष के लिए अलग नियम हैं? यह सिर्फ हमारी प्रत्याशी के साथ बदसलूकी नहीं, बल्कि चुनाव निष्पक्षता का सीधा अपमान है।

रात करीब तीन बजे पुलिस और जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों की एक टीम धरना स्थल पर पहुंची और दिव्या मदेरणा से वार्ता की, लेकिन उस समय अधिकारियों के रुख से असंतोष जताते हुए मदेरणा ने धरना समाप्त करने से इनकार कर दिया। मंगलवार सुबह प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दोबारा उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें मदेरणा द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर गंभीर मंथन किया गया। वार्ता के बाद प्रशासन मुख्य बिंदुओं पर सहमत हुआ जिसमें विवादित थानाधिकारी और रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराने पर सहमति बनी। वहीं निकाय चुनाव के दौरान पुलिस और प्रशासन का कोई भी अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं रहेगा। चुनावी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मथानिया और तिंवरी नगर पालिका क्षेत्रों में दो-दो अतिरिक्त पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे। पूरा चुनाव अब अतिरिक्त जिला कलेक्टर (एडीएम) के सीधे पर्यवेक्षण में संपन्न कराया जाएगा। प्रशासन से सभी प्रमुख मांगों पर सहमति और लिखित आश्वासन मिलने के बाद पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

अजमेर में धर्मेंद्र गहलोत ने वासुदेव देवनानी पर निशाना साधा

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम चुनाव में वार्ड नंबर चार के नामांकन की जांच को लेकर भारी राजनीतिक हंगामा खड़ा हो गया। पूर्व महापौर धर्मेंद्र गहलोत ने प्रशासन और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि दबाव में आकर एक ऐसे प्रत्याशी का नामांकन स्वीकार किया गया है, जिसके परिवार पर निगम का 57 लाख रुपये का बकाया है। गहलोत ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मामले को कोर्ट में ले जाने की चेतावनी दी है।

- **धर्मेंद्र गहलोत ने प्रशासन व वासुदेव देवनानी पर आरोप लगाते हुए कहा है कि दबाव में आकर एक ऐसे प्रत्याशी का नामांकन स्वीकार किया है, जिसके परिवार पर निगम का 57 लाख रुपये का बकाया है**
- **प्रशासन द्वारा आपत्तियों को नजरअंदाज किए जाने के बाद अब धर्मेंद्र गहलोत ने इस मामले को लेकर न्यायालय जाने की घोषणा की है**

धर्मेंद्र गहलोत ने दावा किया कि वार्ड 4 से भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी मोनिका जैन और एक निर्दलीय प्रत्याशी ने अपने हलफनामे में तथ्य छिपाए हैं। गहलोत के अनुसार, नगरपालिका अधिनियम की धारा 24 के तहत यदि किसी व्यक्ति या उसके पति/पत्नी पर नगर निगम का दो साल से अधिक पुराना बकाया है, तो वह चुनाव लड़ने के अयोग्य है। उन्होंने बताया कि मोनिका जैन के पति दीपक जैन पर नगर निगम का 57 लाख रुपये बकाया है, जो 2020 से लंबित है।

गहलोत ने कहा कि हलफनामे के पैरा 9 उपखंड 2 में प्रत्याशी को देनदारी की घोषणा करनी होती है, लेकिन प्रत्याशी ने इसे छिपाया। उनका दावा है कि यह कृत्य नगर निगम अधिनियम की धारा 28 मिथ्या शपथ पत्र, जिसमें 6 महीने की सजा का प्रावधान है और धारा 35 (अयोग्यता) का सीधा उल्लंघन है। निगम ने 2020 में यह पैसा मांगा था और इसके खिलाफ प्रत्याशी पक्ष कोर्ट भी गया था, लेकिन 2024 के बाद से उनके पास इस वसूली पर कोई स्टे नहीं है।

गहलोत ने निर्वाचन अधिकारियों की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जब उनके विधिक प्रतिनिधि वकील योगेंद्र ओझा ने फॉर्म पर आपत्ति दर्ज करानी चाही, तो रिटर्निंग ऑफिसर ने बिना सुनवाई किए फॉर्म को स्वीकार कर लिया। जब उन्होंने इस संबंध में जिला कलेक्टर से शिकायत कर आपत्तियों को खारिज करने या सुनने की मांग की, तो वहां भी सुनवाई नहीं हुई। गहलोत ने सीधा आरोप लगाया कि प्रशासन वासुदेव देवनानी के भारी दबाव में काम कर रहा है और अधिकारियों ने आंखें मूंदकर नामांकन स्वीकार कर लिया है।

राजनीतिक हमला तेज करते हुए धर्मेंद्र गहलोत ने वासुदेव देवनानी को खुली चुनौती दी। उन्होंने कहा, 'देवनानी जी, आपके पसीने छुड़ा दूंगा, यह निश्चित रूप से याद रखना।' गहलोत ने तंज कसते हुए कहा कि देवनानी पिछले 25 सालों में वार्ड 4 से अपना कोई जमीनी कार्यकर्ता तैयार नहीं कर पाए, इसलिए उन्हें कांग्रेस से 'उधार' के प्रत्याशी लाने पड़े हैं।

उन्होंने कहा कि देवनानी के सामने ज्ञान सारस्वत जैसे नेता लड़े, लेकिन उन्हें पार्टी में शामिल नहीं होने दिया गया। जिन लोगों ने पार्टी के लिए पसीना बहाया, उन्हें किनारे कर दिया गया और अब एक ऐसे प्रत्याशी को टिकट दिया गया है जिसका नगर निगम से सीधा वित्तीय विवाद है।

स्मैक सहित तीन जने डिटेन, नगदी बरामद

टोंक, (निसं)। नशा मुक्त विशेष अभियान में पुरानी टोक पुलिस टीम व जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पुरानी टोंक थाना क्षेत्र स्थित होटल के पास से मुखबिर की सूचना पर तीन आरोपियों को डिटेन कर तलाशी लेने के बाद उनके पास से 98.21 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक व 1.49 लाख रुपये तथा तीन मोबाइल जप्त किये गये हैं। घटना में आरोपियों द्वारा प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जप्त की गई है। इस दौरान पुलिस ने आरोपी दिलशाद पुत्र हमीद निवासी काली पलटन, सुनील पुत्र राम कल्याण निवासी अकलेरा, झालावाड़ को गिरफ्तार कर एक नाबालिक को निरुद्ध किया है।

अजमेर में सोफा-कुशन के गोदाम में आग लगी

अजमेर, (निसं)। शहर के वरुण सागर रोड स्थित स्वास्तिक नगर में संचालित सोफा एवं कुशन के गोदाम में मंगलवार को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। गोदाम से आग की लपटें उठती देख वहां काम कर रहे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से इसे आसपास के क्षेत्र में फैलने से रोक लिया गया।

- **प्रारंभिक जांच में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, पांच लाख का सामान जलने का अनुमान**

दमकल विभाग के सहायक अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आग किस वजह से लगी, इसकी जांच की जा रही है। गोदाम में सोफा, कुशन सहित अन्य सामान रखा हुआ था, जिसके चलते आग तेजी से फैलने की आशंका बनी हुई थी। गोदाम मालिक के अनुसार आग की घटना में करीब पांच लाख रुपये का सामान जलकर खराब होने का अनुमान है। हालांकि वास्तविक नुकसान का आकलन प्रभावित सामान की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। दमकल विभाग की तत्परता के चलते आग पर समय रहते नियंत्रण पा लिया गया और बड़ा हादसा होने से टल गया।

अवैध हरी लकड़ियों से भरा ट्रोला जब्त

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर-हिसार राष्ट्रीय राजमार्ग 52 लसेड़ी टोल नाका पर वन विभाग राजगढ़ ने हरी लकड़ी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीबन 200 क्विंटल अवैध हरी गीली लकड़ियों से भरा ट्रोला जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार वन विभाग राजगढ़ की टीम गश्त कर रही थी, तभी जैसे ही गश्त करते हुए लसेड़ी टोल नाका के पास पहुंचे तो एक लकड़ियों से भरा ट्रोला आता दिखाई दिया। चालक को रोककर जांच की तो उसके पास लकड़ी परिवहन बाबत कोई परमिट या लाइसेंस नहीं मिला। जिस पर वन विभाग की टीम ने ट्रोले की तलाशी ली तो ट्रोले में हरी गीली की लकड़ियां भरी हुई मिलीं। वन विभाग राजगढ़ के रेंजर रामनिवास ख्यालिया ने बताया कि हरी गीली की लकड़ियों से भरा ट्रोला जब्त कर वन विभाग राजगढ़ में खड़ा करवाया गया है।

बीकानेर निगम चुनाव में केंद्रीय मंत्री मेघवाल के करीबी को भाजपा ने मौका दिया

बीकानेर के वार्ड संख्या 14 में निवर्तमान मेयर सुशीला राजपुरोहित और किरण भाटी के बीच मुकाबला बताया जा रहा है

बीकानेर, (निसं)। नगर निगम चुनाव के लिए नामांकन का दौर थमने के साथ ही अब चुनावी मैदान की तस्वीर धीरे-धीरे साफ होने लगी है। बीकानेर के 80 वार्डों में पार्षद पद के लिए 593 नामांकन दाखिल हुए हैं। अब इन नामांकन पत्रों की जांच यानी स्क्रूटनी होगी। इसमें तय होगा कि किसका पर्चा सही है और किसका खारिज होगा। ऐसे में नामांकन दाखिल करने वाले दावेदारों की धड़कनें भी तेज हो गई हैं। इस बार मैदान में पूर्व मेयर सुशीला राजपुरोहित को सामान्य वर्ग की किरण भाटी से टक्कर है तो डॉ. बी.डी. कल्ला के भतीजे अनिल कल्ला को भाजपा के बड़े नेता दीपक पारीक टक्कर दे रहे हैं।

वार्ड नंबर 2 में कांग्रेस के संजय आचार्य और भाजपा के दीपक व्यास के बीच रोचक मुकाबला हो सकता है। वार्ड संख्या 14 में निवर्तमान मेयर सुशीला राजपुरोहित और किरण भाटी के बीच मुकाबला बताया जा रहा है। वार्ड संख्या 22 से कांग्रेस और भाजपा दोनों के कोर कार्यकर्ता मैदान में हैं। भाजपा से जहां मुकेश ओझा ने ताल ठोकी है, वहीं कांग्रेस से सेवादल के कर्मठ कार्यकर्ता सुखदेव नाथ है। वार्ड 28 में सामान्य महिला का सबसे चर्चित वार्ड है। यहां भाजपा की मधु सुराणा का मुकाबला कांग्रेस की पुष्पा देवी सेठिया से है। मधु सुराणा भाजपा नेता मोहन सुराणा की पत्नी है। वार्ड संख्या 52 से युवा मोर्चा के पुराने अध्यक्ष भूपेंद्र शर्मा मैदान में है जबकि इसी वार्ड से कांग्रेस ने प्रेम प्रकाश खत्री को उम्मीदवार बनाया है। वार्ड संख्या 34 में भाजपा ने अनिरुद्ध कुमार चौधरी और कांग्रेस ने सुनील धरतवाल की दावेदारी है। अनिरुद्ध चौधरी वो ही है, जिन्होंने अभिनेता धर्मेंद्र के साथ काम किया था।

- **वार्ड संख्या 73 से दोनों ही प्रत्याशी मेयर के दावेदार हैं, जिसमें कांग्रेस से पूर्व मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के भतीजे अनिल कल्ला उम्मीदवार है, वहीं भाजपा से दीपक पारीक दावेदार हैं**
- **नगर निगम चुनाव के लिए नामांकन का दौर थमने के साथ ही अब चुनावी मैदान की तस्वीर धीरे-धीरे साफ होने लगी है**

वार्ड 37 में भाजपा के शहर महासचिव श्याम सिंह हाडला मैदान में है। जिन्हें कांग्रेस के छैल सिंह टक्कर दे रहे हैं। वार्ड संख्या 38 में भाजपा से अशोक प्रजापत को टिकट मिला है। अशोक केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के नजदीकी है और उनके सामने कांग्रेस के छैल सिंह है।

वार्ड संख्या 43 में भाजपा ने प्रकाश व्यास को मैदान में उतारा है तो कांग्रेस ने विनय हर्ष को उम्मीदवार बनाया है। प्रकाश व्यास पूर्व विधायक नन्दलाल व्यास परिवार से हैं। वार्ड संख्या 58 में एक बार फिर टक्कर होगी। कांग्रेस ने यहां से तीसरी बार दुर्गादास छंगाणी को टिकट दिया है, जबकि भाजपा ने इस बार सतीश कुमार किराडू को टिकट दिया है। वार्ड संख्या 60 से किशोर आचार्य और नवल पुरोहित के बीच मुकाबला है। किशोर भी पहले तीन बार पार्षद रह चुके हैं। वार्ड संख्या 68 से शंकरलाल तंवर भाजपा के उम्मीदवार है तो कांग्रेस से परमानन्द गहलोत हैं। परमानन्द ही यहां पर अर्से से पार्षद हैं। वार्ड संख्या 73 सबसे ज्यादा चर्चित वार्ड है। यहां से दोनों ही प्रत्याशी मेयर के दावेदार हैं। जिसमें कांग्रेस से पूर्व मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के भतीजे अनिल कल्ला उम्मीदवार है, वहीं भाजपा से दीपक पारीक दावेदार है। दीपक को भी मेयर दावेदार माना जा रहा है। वार्ड संख्या 75 से महावीर रांका को भाजपा ने टिकट नहीं दिया। ऐसे में यहां से विशाल गोलछा भाजपा की दावेदारी कर रहे हैं, उन्हें कांग्रेस के धर्मवीर नाहटा टक्कर देंगे।

3 सितंबर तक नाम वापसी का दौर चलेगा। इस दौरान टिकट नहीं मिलने से नाराज दावेदारों को मनाने के लिए राजनीतिक दलों के नेताओं की कोशिशें जारी रहेंगी। नाम वापसी के बाद कई वार्डों में चुनावी समीकरण बदल सकते हैं और यह साफ होगा कि आखिर कितने दावेदार मैदान में रह गए हैं। इसके बाद 4 सितंबर को प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। चुनाव चिह्न मिलते ही प्रचार का घमासान तेज होने की उम्मीद है। 9 सितंबर को बीकानेर अपने 80 पार्षद चुनेगा, जबकि 14 सितंबर को मतगणना के बाद जनता के फैसले का पिटारा खुलेगा।

डॉक्टर के मकान में चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के राजीव गांधी नगर पुलिस थाना क्षेत्र चौपासनी गांव स्थित श्याम मनोहर मंदिर के पास में रहने वाले एक डॉक्टर के घर में रात के समय में चोरी हो गई। डॉक्टर अपने परिवार सहित मुंबई गए हुए थे। सुबह नौकरानी आई तब घटना का पता लगा। इस बारे में डॉक्टर की तरफ से राजीव गांधी नगर थाने में रिपोर्ट दी गई है।

एएसआई परमाल कुमार ने बताया कि चौपासनी गांव स्थित श्याम मनोहर मंदिर के निकट गली नंबर एक के सामने रहने वाले डॉक्टर शैलेंद्र कुमार व्यास पुत्र गोवर्धनलाल व्यास की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वे किसी कार्यवश 29 अगस्त को मुंबई गए थे। इस बीच घर सूना था। रात के समय में चोरों ने इसमें सेंध लगाकर आभूषण और नगदी चोरी कर ले गए। सुबह नौकरानी आई तब चोरी का पता लगा। रिपोर्ट में बताया कि चोर घर से सोने की दो अंगूठी, एक लूंग जोड़ी, चांदी का छोटा मुकुट, कुंडल, एक पायल जोड़ी, चांदी की पंखी, माला के साथ बीस हजार की नगदी ले गए। एएसआई परमाल कुमार ने बताया कि मामला दर्ज किया गया है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चेचट रामगंजमण्डी खैराबाद
जिला स्वास्थ्य समिति, ब्लॉक चेचट
पुराना अस्पताल रामगंजमण्डी कोटा Email :- bcmochechat@yahoo.in
क्रमांक/एन एच एम/ई-निविदा/2026-27/1169 दिनांक-17/08/2026

Notice Inviting E-Bid

E-Bid for rate contract for procurement of Lab Regents and Consumable item are invited from Interested Bidders upto 01.09.2026 time 2.00 PM Other Particulars of E-bid may be visited the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in or e-procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in) on
UBN No:- MHS2627GLOB03587
खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी
ब्लॉक चेचट, खैराबाद
DIPR/C/15523/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू
क्रमांक :-2381-2402 दिनांक :- 26-8-2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्याः 19/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरु में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर.पी डब्लयू.ए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एवं विभागीय वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in व http://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB No.-PWD2627A2558
UBN NO.- 1. PWD2627WSOB11458, 2. PWD2627WSOB11459
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड चूरू
DIPR/C/15492/2026

1.20 लाख रुपए में फर्जी डिग्री खरीदकर नौकरी पाने वाला बर्खास्त पीटीआई गिरफ्तार

आरोपी पिछले डेढ़ साल से जोधपुर में ठिकाने बदलकर छिप रहा था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) भर्ती परीक्षा-2022 में फर्जी तरीके से बैक डेट की बीपीएड डिग्री हासिल कर नौकरी पाने वाले बर्खास्त पीटीआई आरोपी चंद्र सिंह पटेल (41) निवासी बिलाड़ा जिला जोधपुर ग्रामीण को स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने गिरफ्तार किया है। इस फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद शिक्षा विभाग आरोपी को पहले ही पद से बर्खास्त कर चुका था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में अभ्यर्थियों द्वारा दलालों से साठगांठ कर फर्जी और बैक डेट में डिग्रियां प्राप्त करने की शिकायतें मिली थीं। इस संबंध में एसओजी थाना जयपुर में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

आरोपी चंद्र सिंह पटेल

■ एसओजी ने इस मामले में अब तक 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया

पुलिस पूछताछ में चंद्र सिंह पटेल ने कबूल किया कि उसने दलालों बाबूलाल उर्फ बाबू पटेल, प्रदीप कुमार शर्मा और रवि त्यागी के जरिए 1 लाख 20 हजार रुपए देकर उत्तर प्रदेश के शिकोहाबाद स्थित जेएस विश्वविद्यालय से बैक डेट में फर्जी बीपीएड डिग्री हासिल की थी। इसी डिग्री के आधार पर उसका चयन पीटीआई के पद पर हुआ था। मामले में उक्त तीनों दलालों को एसओजी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

एसओजी की जांच में फर्जी डिग्री का खुलासा होने के बाद शिक्षा विभाग ने चंद्र सिंह को पद से बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद से वह गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा था।

आरोपी करीब डेढ़ साल से जोधपुर शहर में अलग-अलग स्थानों पर छिपकर रह रहा था। एसओजी को उसके ठिकाने की जानकारी मिलने पर जोधपुर ग्रामीण पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

एसओजी के अनुसार इस मामले में अब तक ओपीजीएस विश्वविद्यालय, चूरू और जेएस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद (उत्तर प्रदेश) के चांसलर/संचालक तथा पूर्व रजिस्ट्रार सहित कुल 22 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। चंद्र सिंह को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 1 सितंबर 2026 तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

एसओजी फिलहाल आरोपी से फर्जी डिग्री तैयार कराने वाले गिरोह में शामिल अन्य दलालों और इस फर्जीवाड़े का लाभ लेकर नौकरी हासिल करने वाले अन्य अभ्यर्थियों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

जोजड़ी, बांडी और लूणी नदी में प्रदूषण रोकने पर चर्चा

जयपुर। जोजड़ी, बांडी और लूणी नदी में प्रदूषण रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित इंटीग्रेटेड कोऑर्डिनेशन ग्रुप की बैठक मंगलवार को अध्यक्ष और मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने बैठक ली। बैठक में तीनों नदियों में प्रदूषण रोकने के लिए तैयार किए गए एक्शन प्लान पर चर्चा की गई। प्रदूषण रोकने के लिए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोडल एजेंसी बनाया गया है। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि नदियों के संरक्षण, इंडस्ट्रियल एक्टिविटी और पर्यावरण सुरक्षा के बीच बैलेंस बनाने की जरूरत है।

बैठक में खान एवं पेट्रोलियम विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल की अध्यक्ष अपर्णा अरोड़ा, उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं रीको अध्यक्ष शिखर अग्रवाल, वन-पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, कृषि-उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने 111 बदमाश दबोचे

जयपुर । संगठित अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ जयपुर दक्षिण पुलिस ने एक दिवसीय 'एरिया डोमिनेशन' अभियान चलाकर 111 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में 19 नए आपराधिक मामले भी दर्ज किए। डीसीपी राजर्षि राज ने बताया कि इस अभियान में 25 वांछित आरोपी, 54 को बीएनएसएस की धारा 170 के तहत, 12 स्थायी वारंटी, 20 गिरफ्तारी वारंटी सहित 111 आरोपी पकड़े गए।

सरकारी स्कूलों के जर्जर भवन और क्लास रूम में बच्चों को नहीं पढ़ाएं : वी. श्रीनिवास

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अधिकारियों को साफ चेताया है कि प्रदेश में कहीं भी जर्जर अथवा असुरक्षित विद्यालय भवनों और कक्षा-कक्षों का उपयोग नहीं किया जाए। सभी शिक्षण संस्थानों में सुरक्षित भवन, स्वच्छ शौचालय, पेयजल एवं स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित करें।

मंगलवार को शासन सचिवालय में राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ के 11 अगस्त 2026 के निर्देशों की अनुपालना को लेकर हुई समीक्षा बैठक में स्कूल, उच्च शिक्षा और तकनीकी संस्थानों की स्थिति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने विद्यालयों की सुरक्षा, मरम्मत व पुनर्निर्माण की नियमित मॉनिटरिंग, पेयजल की गुणवत्ता जांच और शौचालयों की साफ-सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश के जर्जर स्कूल भवनों को सुधारने तथा विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं मुहैया करवाने के मुद्दे पर वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

■ मुख्य सचिव ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और उनके लिए सुरक्षित भवन, स्वच्छ शौचालय, पेयजल एवं स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने बताया कि प्रदेश के 65308 राजकीय विद्यालयों का तकनीकी सर्वेक्षण कराया गया, जिसमें 3768 जर्जर भवन और 83 हजार 783 जर्जर कक्षा-कक्ष चिन्हित हुए हैं। इनके उपयोग पर रोक लगाकर सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं।

स्कूल आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक 12,335.90 करोड़ रुपए की कार्ययोजना प्रस्तावित है। इसमें 3,587 नए विद्यालय भवन, 22,589 विद्यालयों की वृहद मरम्मत, 83,783 नए कक्षा-कक्ष और 13,616 उन्नत शौचालयों के पुनर्निर्माण का प्रावधान है। इस वर्ष स्कूल आधारभूत संरचना पर 3 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

विद्यालय भवनों की तकनीकी सुरक्षा जांच के लिए आईआईटी जोधपुर और एमएनआईटी जयपुर के विशेषज्ञों की समिति गठित की गई है। आईआईटी जोधपुर की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। बैठक में वरिष्ठ आईएएस कुलदीप रांका, गायत्री ए. राठौड़ सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ठाकुरजी की पोशाक व श्रृंगार सामग्री खरीदने बाजारों में उमड़े श्रद्धालु

जन्माष्टमी पर बांके बिहारी के स्वागत के लिए सजे बाजार

जयपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर गुलाबी नगरी के बाजारों में जबरदस्त उत्साह और रौनक देखने को मिल रही है। घर-घर में विराजे लड्डू गोपाल (ठाकुरजी) के जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर शहर के मुख्य बाजारों में खासी भीड़ उमड़ रही है। विशेषकर महिला श्रद्धालुओं में ठाकुरजी के श्रृंगार और नई पोशाकों की खरीदारी को लेकर भारी उत्साह नजर आ रहा है।

शहर के मुख्य व्यापारिक क्षेत्रों-परकोटे के छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, पुरोहित जी का कटला, त्रिपोलिया बाजार और राजापार्क सहित विभिन्न इलाकों में सुबह से ही ग्राहकों की चहल-पहल शुरू हो जाती है। शाम होते-होते बाजारों में जय श्री कृष्णा के जयकारों के साथ खरीदारी का जोर पकड़ लेता है, जिससे बाजारों में अच्छी-खासी भीड़ भड़का देखने को मिल रहा है।

जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में दुकानदारों ने भी लड्डू गोपाल के लिए एक से बढ़कर एक फैंसी और कलात्मक सामान सजाया है। महिलाएं ठाकुरजी के लिए रेशमी, जरी-गोटेदार, मोती वर्क और कसीदाकारी वाली विशेष पोशाकें खरीद रही हैं। पोशाक के साथ-साथ ठाकुरजी के श्रृंगार के लिए मुकुट, मोरपंख, बांसुरी, कुंडल, माला, बाजूबंद और पायजेब की जमकर बिक्री हो रही है।

जन्माष्टमी पर नंदलाल को झुलाने के लिए बाजार में लकड़ी, पीतल, स्टील और मखमली कपड़ों से सजे आकर्षक झूले उपलब्ध हैं। इसके साथ ही घरों में सजने वाली झांकियों के लिए माखन मटकी, गाय-बछड़े की मूर्तियां, लाइटों की सजावट और रंग-बिरंगे बैकड्रॉप की भी महिलाओं द्वारा खूब खरीदारी की जा रही है।

राजस्थान में जून तक 10.93 करोड़ से ज्यादा पर्यटक भ्रमण के लिए आए

जयपुर। राजस्थान में पर्यटन क्षेत्र तेजी से विस्तार ले रहा है। जून 2026 तक 10.85 करोड़ घरेलू और 8.45 लाख विदेशी पर्यटक प्रदेश पहुंचे। वर्ष 2024 में घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों की यात्राओं के मामले में राजस्थान देश में पांचवें स्थान पर रहा। जबकि वर्ष 2025 में 25.25 करोड़ घरेलू और 19.45 लाख विदेशी पर्यटकों ने राजस्थान का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार पर्यटन को अर्थव्यवस्था और रोजगार का बड़ा माध्यम बनाने पर जोर दे रही है। पर्यटन स्थलों पर सुविधाओं एवं आधारभूत ढांचे के विकास के लिए 5000 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य प्रस्तावित हैं। पर्यटन इकाई नीति-2024, पर्यटन नीति-2025 और फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2025 के जरिए निवेश व रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। जयपुर में आईफा अवार्ड के 25वें समारोह और पहली बार आयोजित "वेड इन इंडिया एक्सपो" से राजस्थान की वैश्विक पर्यटन ब्रांडिंग को मजबूती मिली। 2024-25 में राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट और इंडियन रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म स्टेट समिट एवं अवार्ड भी आयोजित हुए। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पर्यटक सहायता बल ने फरवरी 2024 से अभियान चलाकर करीब 1583 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की।

निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचण्ड जीत होगी : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्य सभा सांसद मदन राठौड़ ने निकाय चुनाव में भाजपा को जनता का अभुतपूर्व समर्थन मिलने और प्रचण्ड जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं से प्राप्त फीडबैक एवं जनता के मध्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के द्वारा किये जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों का सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। कांग्रेस सरकार के समय निकायों के चुनाव में जिस तरह तुष्टिकरण करते हुए वार्डों का गठन हुआ और शहरी विकास के कार्यों को ठप कर दिया, उसे जनता भूली नहीं है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के निकायों में कट, कमीशन का खेल चलता रहा है। क्योंकि कांग्रेस कट कमीशन में विश्वास रखती है और भाजपा जनता की सेवा के मिशन में विश्वास करती है। भाजपा की भजनलाल सरकार ने प्रदेश में विकास के नये आयाम स्थापित कियें है। जो काम कांग्रेस सरकार ने पांच साल में नही कियें उनसे अधिक काम 31 महीने के कार्यकाल में कियें है।

खोया पाया

आवास संख्या 42/88/8 मानसरोवर जयपुर का मूल आवटन पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करे। कुलदीप सिंह यादव मो. 9414783724

नाम परिवर्तन

मेरा पासपोर्ट में नाम उषा (USHA) दर्ज है वह सभी दस्तावेज , आधार में उषा बैरवा है यह दोनों नाम मेरे हैं। मुझे भविष्य में उषा बैरवा धर्मपत्नी विजय कुमार के नाम से जाना पहचाना जाए 9351833788

I have changed my name from Gopal Maheshwari S/o Chand Prakash to Shrigopal Soni S/o Chandra Prakash Soni R/o Flat No 503, Plot No 5/H/II/R, Imperial Garden, Vidyadhar Nagar, Jaipur. For all purpose.

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तेरहवीं पुण्यतिथि

श्रीमती अन्नो देवी बैद

01.09.1944 - 02.09.2013

धर्मपत्नी स्व.श्री कैलाश चन्द बैद

आपके चरणों में सदैव नमन

श्रद्धानवत :

राजकुमार-राजकुमारी बैद, आशीष-डॉ. शिप्रा बैद (पुत्र-पुत्रवधू), तारा-देवेन्द्र बाकलीवाल, अन्जना-कमल बडजात्या (पुत्री-दामाद), गौतम, हार्दिक, तनिष्क (पौत्र), डॉ. रिया - डॉ तनमय (पौत्री-दामाद), कोविद-निधी बाकलीवाल (दोहिता-वधू), परिधि, सलोनी (दोहिती) एवं समस्त बैद परिवार बडियाल वाले

पीहर पक्ष: सुरेन्द्र कुमार -सुमन जैन एवं समस्त पाटोदी परिवार

रिषभ एडवरटाईजिंग एजेन्सी
राजस्थान एडवरटाईजिंग एजेन्सी

हैतुक दर्शित करने के लिये सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्याक 4
न्यायालय पारिवारिक न्यायाधीश क्रम-5 जयपुर महानगर, (प्रथम)
सुरेश चन्द गुर्जर बनाम श्रीमती सन्तोष गुर्जर वगै
Case No. 187/26
U/S 13 HMA

श्रीमती सन्तोष पत्नी श्री सुरेश चन्द गुर्जर पुत्री स्व. श्री राम करण गुर्जर जयपुर, (राजस्थान) निवासिनी - गुर्जरों का मौहल्ला, पोस्ट ऑफिस के सामने कालवाड, जयपुर (राजस्थान) मो- 7014635877

उक्त प्रार्थी नें इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न है।

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिये दिनांक 02 माह 09 सन 2026 को 10.30 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एकपक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता. 17 माह 07 सन 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दी गई।

मोहर अदालत

न्यायालय-वरिष्ठ मुंसरिम
पारिवारिक न्यायालय क्रम-5
जयपुर महानगर प्रथम

(नियम 130 व 131)
अपील की सूचना के अन्तर्गत धारा 426 (1) बी.एन.एस.एस. 2023
न्यायालय श्रीमान् अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर
दिनांक : 25/08/2025
अपील / निगरानी सं.73/2025
मनोज कुमार जांगिड़ बनाम खेमचन्द ठठेरा वगै.

अपील / निगरानी विरुद्ध निर्णय दिनांक 3/10/2025 के न्यायालय ए सी जे एम नं. 3 जयपुर महानगर जयपुर द्वितीय मुकदमा नं. मुकदमा नंबर 108/2025 अपराध अन्तर्गत धारा 316(2), 316(2),318(2),318 (4) 61(2) (ए) बी.एन.एस 2023 अन्तर्गत धारा बी.एन.एस 2023 को धारा 426 के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि अपीलाण्ट को उपरोक्त अपील / रिविजन इस न्यायालय में दिनांक 19/9/26 बजे 10.00 को सुनी एवं निर्णीत की जावेगी।

बनाम-रौनक अली पुत्र श्री अब्दुल रफीक पार्टनर एच.एम.टी. इन्टरनेशनल, कार्यालय प्लाट नं.60-ए, मल्हौत्रा नगर विश्वकर्मा इण्डस्ट्रीयल एरिया जयपुर

मोहर अदालत

वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर द्वितीय

सिविल न्यायाधिश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्तर जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर
लक्ष्मण सिंह व अन्य बनाम सत्य नारायण मिश्रा व अन्य
प्रतिनिधित्व वाद (नोटिस अन्तर्गत आदेश-1 नियम-8 सीपीसी)

वादीगण ने म्यूनिसपल नंबर 3746, नाहरगढ़ रोड, चौकड़ी पुरानी बस्ती, जयपुर के संदर्भ में वादीगण ने एक प्रतिनिधित्व वाद प्रस्तुत किया है जिस कारण सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि कोई भी व्यक्ति उक्त वाद में पक्षकार बनना चाहता है तो वह पेशी 02/7/26 को प्रातः 10.30 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर पक्षकार के रूप में संयोजित हो सकते है भविष्य में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आदेश आज दिनांक 19/8/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की की मुद्रा से जारी किया गया है।

प्रस्तुतकार

मोहर अदालत

सिविल न्यायाधिश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्तर जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 78/2025
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री लोकेश कुमार सिंह साहिल अध्यक्ष ने पंजीकृत प्रन्यास यूनियन फुटबाल क्लब, जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 370/2025 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार श्री किशोर कुमार शर्मा को क्लब का स्थाई संचालन समिति का सदस्य व श्री लोकेश कुमार सिंह साहिल अध्यक्ष, श्री महिपाल स्वामी सचिव, सुश्री आशा शर्मा स. सचिव, सुश्री भव्या राजावत कोषाध्यक्ष, श्री सन्नी सबिस्टिन उपाध्यक्ष, श्री अनिल शर्मा उपाध्यक्ष को मनोनीत कर उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड मे दर्ज अभिलेख करने हेतु प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 11.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 15.09.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को यह सुचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य राशिद खान पुत्र श्री इलियास खान निवासी ई-8, हसनपुरा-ए, जयपुर का पुत्र अमन खान एवं उसकी पत्नि तमन्ना मेरे मुवक्किल के कहने में नहीं है तथा दोनो मिलकर आये दिन मेरे मुवक्किल से दुर्व्यवहार करते है, बेइज्जती करते है, मेरे मुवक्किल की संपत्ति मे जबरन कब्जा कर रखा है तथा मेरे मुवक्किल को झूठे मुकदमें मे फंसाने की धमकी देते है, इसलिए मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र अमन खान एवं उसकी पत्नि तमन्ना को अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, आज से अमन खान एवं उसकी पत्नि तमन्ना का मेरे मुवक्किल की समस्त चल-अचल संपत्ति एवं भविष्य में अर्जित होने वाली चल-अचल संपत्ति से कोई संबंध व हक अधिकार नहीं रहा है तथा इन दोनो के द्वारा किसी भी व्यक्ति से किये जाने वाले संव्यवहार, लेन-देन तथा आपराधिक कृत्य व कार्यो के बारे में मेरे मुवक्किल की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। अतः सूचित रहे।

(अब्दुल सलीम खान) एडवोकेट, मो. नं. 9829098127

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर- 0141-4901853
क्रमांक:3083 आम जाहिर-सूचना दिनांक:31.08.2026

राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा फ्लैट संख्या-4/C/67 (GF) इंदिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर का आवंटन श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री रमेश चन्द को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 7055 दिनांक 13/11/2013 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 9073 दिनांक 31/12/2013 जारी किया गया था । उनके द्वारा फ्लैट का भौतिक कब्जा दिनांक 14/05/2015 को प्राप्त कर लिया गया था। मूल आवंटी श्रीमती शान्ती देवी की मृत्यु दिनांक 22/08/2025 को हो जाने के कारण श्री प्रवीण कुमार गर्ग पुत्र श्री रमेश चन्द के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, घोषणा पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति एवं रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट का हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति / बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री प्रवीण कुमार गर्ग पुत्र श्री रमेश चन्द के पक्ष में फ्लैट के हस्तान्तरण की कार्यवाही करदी जावेगी।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-तृतीय, राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 3579 दिनांक :- 01/09/26

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास / फ्लैट संख्या 161/49 (LIG) का आवंटन श्री विक्रम कुमार भट्ट पुत्र श्री गोवर्धन लाल रा. भट्ट को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 993 दिनांक 31.05.2000 को जारी किया गया था। श्री विक्रम कुमार भट्ट की मृत्यु दिनांक 10.05.2003 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती धनवन्ती भट्ट पत्नी स्व. श्री विक्रम कुमार भट्ट द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर मण्डल रिकार्ड मे इस कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 10802 दिनांक 28.02.2006 के द्वारा इनका नाम दर्ज किया गया तथा इनके पक्ष मे पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन दिनांक 27.03.2006 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम मे पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती धनवन्ती भट्ट द्वारा श्री भंवर लाल शर्मा पुत्र श्री गोपाल लाल शर्मा को दिनांक 27.03.2006 को मुख्तारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री भंवर लाल शर्मा द्वारा मुख्तारआम की हैसियत से उक्त आवास का विक्रय पत्र श्री अशोक कुमार निभवानी पुत्र स्व. श्री किशन चन्द निभवानी को विक्रय कर इनके पक्ष मे विक्रय पत्र दिनांक 01.05.2006 को उप पंजीयक (अष्टम) जयपुर, मे पंजीकृत करवाया गया। क्रेता / क्रेती श्री अशोक कुमार निभवानी पुत्र स्व. श्री किशन चन्द निभवानी द्वारा आवासन मण्डल मे उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री अशोक कुमार निभवानी पुत्र स्व. श्री किशन चन्द निभवानी का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

नोटिस बनाम हर खास व आम
न्यायालय श्रीमान् अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश नं. 2 हिण्डौन सिटी
पीठासीन अधिकारी श्री सुमरथ लाल मीना (जि.जज. कैडर) मु.नं. 25/26 339/27.8.26
ओमप्रकाश बनाम हरखास व आम
प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा-372 भा.उ. अधि.
नोटिस बनाम हर खास व आम

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ओमप्रकाश बंसल पुत्र रामस्वरूप, निवासी मोहन नगर, हिण्डौन सिटी जिला करौली (राज.) ने इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपने पिता रामस्वरूप पुत्र गिर्राज निवासी मोहन नगर, हिण्डौन सिटी, जिला करौली (राज.) की मृत्यु दिनांक 25.03.01 को हो जाने पर उनके बैंक ऑफ बड़ौदा एवं स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के शेयरों का भुगतान प्राप्त करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण प्राप्त करने हेतु आवेदन पेश किया है। लिहाजा जिस किसी व्यक्ति को उक्त प्रार्थनापत्र को स्वीकार किये जाने में आपत्ति हो तो वह अपनी उपस्थिति इस न्यायालय में दिनांक 03.09.2026 को समय 10.30 ए.एम. को असालतन या वकालतन उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दे, वरना गुजरने उक्त दिनांक कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं प्रार्थना-पत्र एकतरफा में सुनकर फैसला कर दिया जावेगा। मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से आज दिनांक 27.8.2026 को जारी किया गया।

(मुहर)

आज्ञा से
सीनीयर रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश सं.-2
हिण्डौन सिटी (करौली)

NORTH WESTERN RAILWAY

(RFP Notice No. NWR/SC/JU/26-27/EPC-II/01 Dated 14.08.2026)

In respect of RFP mentioned above for **"Execution of Balance Works for Major Redevelopment of Jodhpur Railway Station of North Western Railways on Engineering Procurement & Construction (EPC)".**

CORRIGENDUM NO. 1

The schedule of e-bidding process is amended as under:- **Sr. No.** 1, **Event Description:** Bidding Start Date, **Existing Dates:** 02/09/2026, **Amended Dated:** 09/09/2026; **Sr. No.** 2, **Event Description:** Tender Closing Date Time, **Existing Dates:** 16/09/2026 15:00, **Amended Dated:** 23/09/2026 15:00. **NOTE:** i. Bidder have to downloaded the Bid documents from the e-procurement portal i.e. www.ireps.gov.in. After registering themselves on portal and after payment of tender processing Fee and Bid Document Fee before last date & time of downloading the e-bids online. ii. All bidders are advised to see Amendments and/or Corrigendum to RFP, if any, before submission of the e-bids. In case the bidder does not submit the amended bid/amendments, it will be presumed that bidder has seen the amendments/corrigendum and bid and e-bid will be evaluated accordingly. The decision of Railway shall be final and binding. iii. Any corrigendum to this RFP Notice, if any would appear only on above mentioned websites and will not be published in newspapers. This document will form a part of tender document. All other details of original tender documents remain unchanged.

1275-PH/26

Follow us on /NWRailways NWRailways_

कार्यालय नगरपरिषद् कुचामन सिटी (डीडवाना-कुचामन)

Email :eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in
munibkcity@gmail.com

फोन नं. 01586-220022
01586-221526

क्रमांक :- न.प.कु./2026-27/798 आपत्ति आमन्त्रण सूचना दिनांक :-25.08.2026

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदको द्वारा पालिका में निम्न रूप से उल्लेखित प्रयोजनार्थ के लिये आवेदक प्रस्तुत किया है। पालिका द्वारा आवेदित प्रयोजनार्थ के तहत प्रकरण का निस्तारण किया जाना है। निम्न प्रकरणों में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिंनाक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/कारण/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें, अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं आवेदक के पक्ष में भूमि आवंटन पट्टा/जारी कर दिया जावेगा।

क्र. स.	पत्रावली सं.	प्रयोजन	आवेदक का नाम/पिता का नाम व पता	क्षेत्रफल वर्गगज में	खसरा नं., कॉलोनी/मौहल्ला का नाम
1.	196/2026-27	नामान्तरण	श्री राधेश्याम शर्मा पुत्र इन्द्रचन्द शर्मा	277.77	अशोक नगर, वी.टी. स्कुल के पास
2.	203/2026-27	नामान्तरण	श्रीमती रामप्यारी पत्नी देवीलाल जाट	140.00	मधुवन वाटिका
3.	68/2026-27	निर्माण ईजाजत	श्रीमती निशा मंत्री पत्नी कपिल मंत्री	3828.00	बसंत विहार, स्टेशन रोड़
4.	69/2026-27	निर्माण ईजाजत	श्री महेन्द्र कुमार पुत्र भंवरलाल जांगीड़	100.00	शिव नगर, पनवाड़ी
5.	70/2026-27	निर्माण ईजाजत	श्री अनिल सिंह पुत्र गोकुल सिंह	233.33	सोलंकी नगर, बुड़सू रोड़
6.	71/2026-27	निर्माण ईजाजत	श्री सोहनलाल पुत्र हणमान राम जाट	94.68	प्रताप नगर, स्टेशन रोड़
7.	72/2026-27	निर्माण ईजाजत	श्रीमती आनंदी बिजारनियां पत्नी भागुराम जाट	326.66	मिर्धा नगर
8.	73/2026-27	निर्माण ईजाजत	श्री सुमित चौधरी पुत्र रामचन्द्र चौधरी, श्री रामअवतार लाटा पुत्र पुसाराम लाटा, श्री दिनेश कुमार शर्मा पुत्र मदनलाल शर्मा, श्री उमेश करवा पुत्र सुरेश कुमार करवा	898.33	सब्जी मण्डी
9.	161/2026-27	69-क	श्रीमती माली देवी पत्नी नाथूराम खींची	181.10	758, खटिक मौहल्ला
10.	458/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री मोहम्मद इलियास कारिगर पुत्र बफाती कारिगर	171.50	2865/1552, पांचवा रोड़
11.	461/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री बरखा शर्मा पत्नी भगवान शर्मा	111.11	1475/119, रिद्वी सिद्वी विहार, सरगोठ
12.	462/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री अर्जुन लाल सोनी पुत्र रतनलाल सोनी	194.44	204, 261, सुरेन्द्र नगर
13.	463/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्रीमती संगीता चौधरी पत्नी ओमप्रकाश जाट	88.88	1475/119, रिद्वी सिद्वी विहार, सरगोठ
14.	464/2026-27	कृषि भूमि नियमन	अनन हॉटलस एण्ड रिसोर्ट प्रा. लि. जरिये निदेशक श्री हरिराम, रामनिवास पुत्र पुसाराम,	7604.50	143, 4074/144, मेगा हाईवे के पास
15.	465/2026-27	कृषि भूमि नियमन	अनन हॉटलस एण्ड रिसोर्ट प्रा. लि. जरिये निदेशक श्री हरिराम, रामनिवास पुत्र पुसाराम,	4538.74	4074/144, मेगा हाईवे के पास
16.	466/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री तेज पाल कुमावत पुत्र घीसा लाल कुमावत	110.00	1930,1931, स्वामी नगर, कॉलोनी

आयुक्त
नगरपरिषद् कुचामन सिटी

पिछले तीन महीनों में सीनियर तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ गेंदबाजी करने से उन्हें सही लेंथ से गेंदबाजी करने में मदद मिली है और अब उनका लक्ष्य सभी प्रारूपों में खेलना है। – गुरनूर बराड़

भारतीय गेंदबाज, बुमराह और सिराज की गेंदबाजी से मदद को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मनीषा कीर

भारतीय ट्रैप शूटर मनीषा कीर के लिए शूटिंग कभी उनके जीवन की योजना का हिस्सा नहीं थी। भोपाल के पास एक गांव के साधारण परिवार में पली–बढ़ी मनीषा को एक समय तक यह भी पता नहीं था कि शूटिंग नाम का कोई खेल होता है। उनकी बड़ी बहन सोना ने उन्हें इस खेल से परिचित कराया और यहीं से शुरू हुआ सफर उन्हें राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले गया। मनीषा ने कहा, मुझे तो पता ही नहीं था कि शूटिंग क्या होती है। मैं सिर्फ क्रिकेट, वॉलीबॉल और फुटबॉल जानती थी। मुझे शूटिंग के बारे में कुछ पता नहीं था और मैंने इसके बारे में कभी सोचा भी नहीं था।

क्या आप जानते हैं ?... पूरे करियर में 1000 से अधिक गोल करने वाले ध्यानचंद ने 185 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 570 गोल दागे।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, संजू सैमसन की वापसी

नई दिल्ली, 1 सितंबर। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी–20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। दोनों टीमों के बीच सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। सीरीज का पहला मैच 13 सितंबर, दूसरा 15 सितंबर और तीसरा मुकाबला 17 सितंबर को होगा। भारतीय टीम में कोई बड़ा चौंकाने वाला बदलाव नहीं किया गया है। जिम्बाब्वे दौरे से बाहर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की टीम में वापसी हुई है। जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी को फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन टीम में शामिल किया गया है।पैर की चोट से उबर चुके वरुण चक्रवर्ती की भी टीम में वापसी हुई है। हालांकि, स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अभी पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं और इस सीरीज में नहीं खेलेंगे। भारत की कप्तानी श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान होंगे। टीम में युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी के अलावा ईशान किशन, शिवम दुबे और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।

टी-20 में वापसी की कोशिश करेगा भारत

अफगानिस्तान के खिलाफ यह सीरीज भारत के लिए टी–20 प्रारूप में खोया हुआ आत्मविश्वास हासिल करने के लिहाज से अहम होगी। टी–20 विश्व चैंपियन भारत को हाल में आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 0–2 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद इंग्लैंड ने भारत को टी–20 सीरीज में 4–0 से हराया था, जबकि एक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। हालांकि, भारत ने इसके बाद जिम्बाब्वे को तीन मैचों की टी20 सीरीज में 3–0 से हराकर वापसी की थी। दूसरी ओर, अफगानिस्तान ने इस साल भारत में हुए टी–20 विश्व कप के बाद से कोई टी–20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नहीं खेला है। विश्व कप में उसने चार में से दो मैच जीते थे, लेकिन सुपर–8 चरण में जगह नहीं बना सका था। भारत और अफगानिस्तान की टीमें आखिरी बार जून में भिड़ी थीं, जब भारत ने एकमात्र टेस्ट में एक पारी और 300 रन से जीत दर्ज करने के बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज में भी अफगानिस्तान का 3–0 से सफाया किया था।

भारतीय टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह , अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा।

एशियाई खेल : 17 हजार खिलाड़ियों के रहने का दावा, क्या भारतीय क्रिकेट टीम की नाराजगी होगी दूर?

नई दिल्ली, 1 सितंबर। जापान में होने वाले एशियाई खेलों से पहले खिलाड़ियों के ठहरने को लेकर चल रही चिंता के बीच आयोजकों ने अब स्थिति स्पष्ट की है। एशियाई ओलंपिक परिषद और आइची–नगोया एशियाई खेल आयोजन समिति ने कहा है कि जुलाई में नाम से पंजीकरण की अंतिम तारीख तक पंजीकृत सभी 17 हजार से अधिक खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए खेलों के अनुरूप रहने की व्यवस्था कर दी गई है। मौजूद जानकारी के अनुसार आयोजकों का यह बयान उस समय आया है जब प्रतिभागियों की संख्या शुरुआती अनुमान से काफी अधिक हो जाने के कारण आवास को लेकर सवाल उठने लगे थे। आयोजन समिति के मुताबिक इस बार करीब 11 हजार खिलाड़ी और 6 हजार अधिकारी खेलों में हिस्सा लेने के लिए पंजीकृत हैं। आयोजकों ने यह भी स्पष्ट किया है कि असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर अब नए पंजीकरण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बता दें कि आइची–नगोया एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के नगोया और आइची प्रांत के दूसरे हिस्सों में आयोजित किए जाएंगे। इस बार खेलों के लिए पारंपरिक तरीके वाला बड़ा खिलाड़ी गांव तैयार नहीं किया गया है। यही वजह है कि अलग–अलग स्थानों पर खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था को लेकर शुरुआत से ही चर्चा बनी हुई है।

आवास योजना में नगोया के होटलों के अलावा अस्थायी लकड़ी से तैयार किए गए ठिकाने और कोस्टा सेरेना नामक क्रूज जहाज को भी शामिल किया गया है। इसी व्यवस्था को लेकर कुछ खेल दलों के बीच असंतोष की खबरें सामने आई हैं।

गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट टीम को लेकर भी सुविधाओं पर सवाल उठे हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध व्यवस्था से खुश नहीं है और अगर सुविधाओं में सुधार नहीं हुआ तो वह दूसरी श्रेणी की टीम भेजने पर विचार कर सकता है। हालांकि बोर्ड की ओर से इस संबंध में अंतिम फैसला सामने नहीं आया है।

क्रिकेट से जुड़ी रिपोर्टों के मुताबिक खिलाड़ियों के सामने ठहरने के लिए तीन विकल्प रखे गए हैं। इनमें किसी शहर में रुककर तेज रफ्तार रेलगाड़ी से मुकाबले के स्थान तक पहुंचना, जहाज पर रहना या बड़े अस्थायी तंबुओं में ठहरना शामिल है।

बाबर और शाहीन अफरीदी की जंग से टीम बर्बाद : बासित अली

नई दिल्ली, 1 सितंबर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम मैदान पर संघर्ष कर रही है, और पर्दे के पीछे भी बहुत कुछ ठीक नहीं चल रहा है। लगातार टेस्ट हार के कारण कप्तान बाबर आज़म पर दबाव बढ़ गया है। उनकी रणनीति बनाने की क्षमता और बल्लेबाज़ी फ़ॉर्म, दोनों पर सवाल उठ रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली का दावा है कि बाबर और मुख्य तेज़ गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के बीच सब कुछ ठीक नहीं है। उन्होंने इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों के बीच के तनाव को पिछले कुछ सालों से राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन का मुख्य कारण बताया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के लिए कप्तानी म्यूज़िकल चेयर्स के खेल जैसी हो गई है। मोहम्मद रिज़वान, बाबर आज़म, शाहीन अफ़रीदी और शान मसूद जैसे खिलाड़ियों ने बार–बार एक–दूसरे को कप्तानी सौंपी है। बासित का मानना है कि जब बाबर और शाहीन के बीच कप्तानी को लेकर विवाद हुआ, तो पाकिस्तान क्रिकेट सबसे निचले स्तर पर पहुँच गया। बासित ने गेम प्लान शो में कहा कि बाबर आज़म एक मज़बूत कप्तान नहीं हैं। मैं यह बात इंग्लैंड में उनके प्रदर्शन के आधार पर नहीं कह रहा हूँ। उन्होंने कई गलत फ़ैसले लिए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट के पतन का मुख्य कारण शाहीन और बाबर के बीच की अनबन है। जिस दिन कप्तानी को लेकर दोनों के बीच मनमुटाव हुआ, उसी दिन पाकिस्तान क्रिकेट बर्बाद हो गया।

आईसीसी महिला टी-20 रैंकिंग में चमारी अटापट्टू का जलवा, तीनों वर्गों में बनाया बेस्ट रिकॉर्ड

दुबई, 1 सितंबर। संयुक्त अरब अमीरात में शुरू हुए महिला एशिया कप के शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन का असर ताजा आईसीसी महिला टी–20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में भी देखने को मिला है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और ऑलराउंडर तीनों वर्गों में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ श्रीलंका की नौ विकेट की जीत में अटापट्टू ने सिर्फ 25 गेंदों पर नाबाद 48 रन बनाए और तीन ओवर में 10 रन देकर एक विकेट भी लिया। इस प्रदर्शन के बाद वह बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर 33वें स्थान पर पहुंच गई हैं। ऑलराउंडरों की सूची में वह तीसरे स्थान पर कायम हैं।

क्वीन पार्क ओवल में ब्रावो, पोलार्ड और नरेन के नाम पर स्टैंड, टी-20 के तीन दिग्गजों को मिला सम्मान

पोर्ट ऑफ स्पेन, 1 सितंबर। त्रिनिदाद एवं टोबैगो के तीन महान आधुनिक क्रिकेटरों ड्वेन ब्रावो, कीरोन पोलार्ड और सुनील नरेन को उनके शानदार क्रिकेट करियर के लिए खास सम्मान दिया गया है। ऐतिहासिक क्वीन पार्क ओवल में उनके सम्मान में 'ट्रिनी पॉस स्टैंड' का नाम बदलकर 'ब्रावो, पोलार्ड एंड नरेन स्टैंड' कर दिया गया है।

क्वीन पार्क ओवल में अब इन तीनों के नाम के साथ त्रिनिदाद एवं टोबैगो के कई दिग्गजों की विरासत भी जुड़ गई है। स्टेडियम में ब्रायन लारा पवेलियन, डेरिक मरे प्लेयर्स गैलरी, जेफ्री स्टॉलमेयर स्टैंड, लियरी कॉन्स्टेंटाइन स्टैंड, गेरी गोमेज मीडिया सेंटर और सिरिल एल. ड्यूप्रे स्टैंड भी हैं।

एक ही टीम से फिर जुड़े तीनों दिग्गज

तीनों दिग्गज इस समय त्रिनिदाद एवं टोबैगो में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के 2026 कैरेबियन प्रीमियर लीग अभियान का हिस्सा हैं। पोलार्ड और नरेन टीम के लिए मैदान पर खेल रहे हैं, जबकि ब्रावो टीम के कोचिंग स्टाफ से जुड़े हैं। क्वीन पार्क क्रिकेट क्लब ने कहा कि स्टैंड का नामकरण केवल खिलाड़ियों के आंकड़ों और खिताबों का सम्मान नहीं है, बल्कि यह त्रिनिदाद एवं टोबैगो से निकलकर विश्व क्रिकेट के शीर्ष स्तर तक पहुंचने की उनकी यात्रा और नई पीढ़ी के क्रिकेटरों को दी गई प्रेरणा का भी सम्मान है।

कैंडलविक क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 1 सितम्बर। अंडर–12 चैंपियंस कप में कैंडलविक क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 287 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाएं। कौशलेंद्र ने 115, दिव्यांश ने 57 और तरूश अग्रवाल ने 30 रनों का योगदान दिया। आर्यन स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी की ओर से दिव्यांशु ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आर्यन स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी 17 ओवर में 91 रन पर ऑल आउट हो गई। दिव्यांशु ने सर्वाधिक 34 रनों का योगदान दिया। कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से अभिमन्यु ने 3, धनंजय जांगिड़, तरूश अग्रवाल और सैफ अली ने 2–2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच कौशलेंद्र को चुना गया।

रणजी ट्रॉफी में सिद्धेश लाड बने मुंबई के कप्तान, शार्दुल ठाकुर की ली जगह

नई दिल्ली, 1 सितंबर। मध्यक्रम के अनुभवी बल्लेबाज सिद्धेश लाड को आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए शार्दुल ठाकुर की जगह मुंबई का कप्तान नियुक्त किया गया है जबकि सीमित ओवरों के घरेलू टूर्नामेंटों में श्रेयस अय्यर या सूर्यकुमार यादव में से किसी एक को टीम की कप्तानी सौंपी जा सकती है। यह फैसला दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। ठाकुर को कार्यभार प्रबंधन के तहत कप्तानी से हटाया गया है। उनकी कप्तानी में 42 बार की रणजी ट्रॉफी विजेता मुंबई की टीम क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक से हार कर बाहर हो गई थी। मुंबई टीम प्रबंधन का लक्ष्य ठाकुर को लाल गेंद वाली टीम के प्रमुख गेंदबाज के रूप में अधिकतम प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करना है। ठाकुर ने अतीत में मुश्किल परिस्थितियों में बल्ले से भी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

रमन और संस्कार स्कूल जीती : मैन ऑफ द मैच शिफॉन

जयपुर, 1 सितंबर। रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर फादर रेमंड कोएल्हो डायमंड जुबली कप का पहला सेमीफाइनल मुकाबला रमन इंटरनेशनल स्कूल व रमन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 192/5 रन बनाए। जिसमें तरुण डिलान ने 68 रन व प्रियांशु माली ने 47 रनों की पारी खेली। रमन इंटरनेशनल स्कूल की ओर से गेंदबाजी में गौरव सैनी ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रमन इंटरनेशनल स्कूल 15 औवर में 155 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें तुषार चेलानी ने 65 रन व गौरव सैनी ने 52 रनों की पारी खेली। रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से गेंदबाजी में तरुण डिलान ने चार विकेट व समर्थ सचदेवा ने दो विकेट लिए। रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने 37 रन से मुकाबला जीता। दिन का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला संस्कार स्कूल में सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 14.3 ओवर में 59 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें तनिष्क भारद्वाज ने 18 रन व अथर्व अग्रवाल ने 14 रनों का योगदान दिया। संस्कार स्कूल की ओर से गेंदबाजी में गौरांश पारीक ने तीन विकेट व देवांग सिंगोदिया ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी संस्कार स्कूल 3.4 ओवर में 62/2 रन बनाकर फाइनल में जगह बना ली। जिसमें सिफान खान ने नाबाद 45 रन व देवांग सिंगोदिया ने 12 रनों की पारी खेली। सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से गेंदबाजी में हिमांक जालानी ने दो विकेट लिए। संस्कार स्कूल ने 8 विकेट से मुकाबला जीता। मैन ऑफ द मैच सिफान खान को चुना गया। फाइनल मुकाबला रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल व संस्कार स्कूल के मध्य खेला जाएगा।

यूएस ओपन 2026 : कार्लोस अल्कराज ने दूसरे दौर में बनाई जगह, साफिलिन को सीधे सेटों में हराया

न्यूयॉर्क, 1 सितंबर। गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करते हुए यूएस ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली। स्पेन के अल्कराज ने सोमवार को पहले दौर में रूस के रोमन साफिलिन को लगातार तीन सेटों में 6–4, 6–4, 6–4 से हराया। अल्कराज अप्रैल में कलाई की चोट के बाद पहली बार एकल मुकाबले में कोर्ट पर उतरे थे। पांच महीने तक प्रतिस्पर्धी मुकाबले से दूर रहने के बावजूद उन्होंने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा और साफिलिन को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, मेरे लिए ये पांच महीने काफी मुश्किल रहे। मुझे इसकी कमी महसूस हुई। मुझे दर्शकों, माहौल, ऊर्जा और प्रतियोगिता की कमी महसूस हुई। मुझे हर चीज की कमी महसूस हुई। उन्होंने आगे कहा, मैं बेहद खुश हूं कि दोबारा प्रतिस्पर्धा करने में सफल रहा। मुझे यकीन है कि आने वाले मुकाबलों में मेरे टेनिस का स्तर और बेहतर होगा। पहले मैच में अपने प्रदर्शन से मैं काफी खुश हूं।

स्टेन वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर हार के साथ खत्म : तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका का शानदार ग्रैंड स्लैम करियर यूएस ओपन 2026 के पहले दौर में हार के साथ समाप्त हो गया। 2016 के यूएस ओपन चैंपियन वावरिंका को इटली के माटेओ बेरेटिनी ने 7–6(4), 7–6(3), 6–0 से हराया। 38 वर्षीय वावरिंका ने पहले दो सेट में अपने से कम उम्र के बेरेटिनी को कड़ी चुनौती दी।

चाइना मास्टर्स : मुकाबला पूरा किए बिना ही बाहर हुई हरिहरन-अर्जुन की भारतीय जोड़ी

नई दिल्ली, 1 सितंबर। भारत की विश्व नंबर–24 पुरुष युगल जोड़ी हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन को चाइना मास्टर्स के पहले दौर में मुकाबला पूरा किए बिना बाहर होना पड़ा। भारतीय जोड़ी मंगलवार को चीन की विश्व नंबर–10 जोड़ी चेन बो यांग और लियू यी के खिलाफ पहले गेम के इंटरवल पर रिटायर हो गई।

चेन और लियू ने मुकाबले की तेज शुरुआत करते हुए 5–1 की बढ़त बना ली और जल्द ही स्कोर 7–3 कर दिया। हालांकि, हरिहरन और अर्जुन ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 7–7 से बराबर कर दिया। इसके बाद चीनी जोड़ी ने फिर बढ़त हासिल की और पहले गेम के ब्रेक तक 11–8 की बढ़त बना ली। इंटरवल के दौरान हरिहरन और अर्जुन ने मुकाबले से हटने का फैसला किया। इसके साथ ही चेन बो यांग और लियू यी को विजेता घोषित कर दिया गया और उन्होंने अगले दौर में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी के रिटायर होने की वजह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सकी।

अगले दौर में चेन और लियू का सामना मलेशिया की आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी से होगा। मलेशियाई जोड़ी ने जापान के हिरोकी ओकामुरा और क्योहेई यामाशिता को 18–21, 21–12, 21–15 से हराया। हरिहरन और अर्जुन ने नई दिल्ली में आयोजित विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के अंतिम–32 दौर में हार के बाद चाइना मास्टर्स में हिस्सा लिया था। भारतीय जोड़ी को दक्षिण कोरिया के कांग मिन ह्युक और की डोंग जू के खिलाफ 21–17, 21–14 से हार मिली थी। अब हरिहरन और अर्जुन का अगला पड़ाव जापान होगा, जहां वे इस महीने के अंत में शुरू होने वाले एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अर्जुन 2023 एशियन गेम्स में रजत पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा थे।

उन्नित हुड्डा का पहले दौर में सफर खत्म, किम गा–उन से मिली हार : भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नित हुड्डा को चाइना मास्टर्स के पहले दौर में दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर–12 खिलाड़ी किम गा–उन से हार का सामना करना पड़ा। किम ने उन्नित को सीधे गेमों में 21–10, 21–18 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस जीत के साथ किम ने 21–10, 21–18 से मुकाबला अपने नाम कर उन्नित हुड्डा के चाइना मास्टर्स अभियान को पहले ही दौर में समाप्त कर दिया।

पाक क्रिकेट में बड़ा बदलाव, मिस्बाह-उल-हक ने चयन समिति से दिया इस्तीफा

लाहौर, 1 सितंबर। पाकिस्तान क्रिकेट में इंग्लैंड दौरे के बीच टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव किया गया है, जिसके बाद पूर्व कप्तान मिस्बाह–उल–हक ने पुरुष राष्ट्रीय चयन समिति से इस्तीफा देने की पेशकश की है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अभी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार मिस्बाह ने लाहौर स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में बल्लेबाजी सलाहकार के पद से भी हटने का फैसला लिया है। उनका यह कदम इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के बीच पीसीबी के टीम और कोचिंग स्टाफ में फेरबदल किये जाने के एक दिन बाद आया है। पाकिस्तान तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0–2 से पीछे है। लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में उसे 194 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तीसरे टेस्ट से पहले टेस्ट टीम से सात खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया।

राजस्थान ने बिहार को 7-1 से हराया, हर्षवर्धन की शानदार हैट्रिक

जयपुर, 1 सितम्बर । नारायणपुर (छत्तीसगढ़) में नेशनल जूनियर बालक (बीसी राय ट्रॉफी) चैंपियनशिप में आज राजस्थान जूनियर बॉयज फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने पहले लीग मुकाबले में बिहार को 7–1 से करारी शिकस्त दी। राजस्थान टीम ने अपने परिचित अंदाज में आक्रामक खेल के साथ मुकाबले की शुरुआत की। राजस्थान के लिए हर्षवर्धन ने 21वें, 39वें और 63वें मिनट में गोल दागकर शानदार हैट्रिक पूरी की। वहीं राजस्थान के अरमान ने 37वें और 39वें मिनट में गोल कर टीम की बढ़त को मजबूत किया। इसके बाद सुजल ने 65वें मिनट में तथा भरत सिंह ने 88वें मिनट में गोल दागकर राजस्थान की जीत सुनिश्चित कर दी। बिहार की ओर से राजकुमार ने 22वें मिनट में एकमात्र गोल किया। राजस्थान टीम के कोच देवेन्द्र सिंह भाटी ने बताया कि टीम ने अपने परिचित और पारंपरिक अंदाज में खेलते हुए पूरे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर अपनी पकड़ बनाए रखी। इस शानदार जीत के लिए संघ के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल, एयू स्मॉल बैंक फाइनेंस के रीजनल हेड हिमांशु सारस्वत, सचिव दिलीप सिंह शेखावत, संघ कोषाध्यक्ष कैलाश खटीक,कृष्ण अवतार,सुनील राव, और संघ के सभी सदस्यों ने हार्दिक बधाई दी। अगले मैच 3 सितंबर को झारखंड के साथ और फिर 5 सितंबर को उत्तराखंड के साथ लीग मैच होंगे।

राज्य स्तरीय अंडर-19 डूंगरपुर ट्रॉफी : वीरेन्द्र कुमार का शतक व यश ने 5 विकेट लिये

जयपुर, 1 सितम्बर । राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी के आज खेले गए लीग मैचों के परिणाम :- करौली – चित्तोड मैच (चित्तोड़ जीती), दौसा –चूरू मैच (चूरू जीती), सिरोही – अलवर मैच (अलवर जीती), पाली – बारां मैच (पाली जीती), डूंगरपुर – जालोर मैच (जालोर जीती), अजमेर – बांसवाड़ा मैच (अजमेर जीती)।

वार्षिक सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 का हुआ आगाज

टीम जयपुर ने 7-3 से जीता पहला मुकाबला, पद्मनाथ सिंह ने किये सभी 7 गोल

जयपुर, 1 सितंबर। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर मंगलवार को आरपीसी कप टूर्नामेंट (04 गोल्स) के पहले मैच के साथ सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 का आगाज हुआ। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला टीम रामबाग/मेफेयर पोलो और टीम जयपुर के बीच हुआ। इस एकतरफा मुकाबले में टीम जयपुर ने टीम रामबाग/मेफेयर पोलो को 7–3 के स्कोर से शिकस्त दी। विजेता टीम जयपुर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम के लिए अकेले 7 गोल हासिल किए। टीम से विश्वराज सिंह राठौड़, अक्षय मलिक और कुलदीप सिंह राठौड़ भी खेले। वहीं, टीम रामबाग/मेफेयर पोलो के लिए हुर्र अली ने 2 गोल और लोकेंद्र सिंह धीरावत ने 1 गोल किया। टीम में आरके सिद्धांत सिंह और प्रताप सिंह कानोता भी शामिल रहे। आरपीसी कप टूर्नामेंट (04 गोल्स) का दूसरा मुकाबला, बुधवार को टीम आरपीसी और टीम गोहिलवाड़ के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 5 बजे से आयोजित होगा।

// राजस्थान के पुरुषों का पहला मैच पंजाब से //

नॉर्थ जोन बैडमिंटन चैम्पियनशिप भीलवाड़ा में आज से

भीलवाड़ा, 1 सितंबर। मेजबान राजस्थान की पुरुष टीम यहां बुधवार से शुरू हो रही योनेक्स सनराईज नॉर्थ जोन बैडमिंटन चैम्पियषिप में पंजाब के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। महिला वर्ग में राजस्थान का पहला मैच जम्मू कष्मीर से होगा। लड़को के अंडर–19 में राजस्थान टीम जम्मू कष्मीर से और लड़कियों के वर्ग में चंडीगढ़ के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

पहले दिन सीनियर पुरूषों के अन्य मैचों में चंडीगढ़ का हिमाचल प्रदेष से और दिल्ली का जम्मू कष्मीर से मुकाबला होगा। महिला वर्ग में दिल्ली की टीम हिमाचल प्रदेष से और पंजाब चंडीगढ़ से भिडेगी। अंडर–19 लड़को के वर्ग में चंडीगढ का पंजाब से और हरियाणा का हिमाचल प्रदेष से मुकाबला होगा। अंडर–19 लड़कियों के वर्ग में जम्मू कष्मीर का हिमाचल प्रदेष से और हरियाणा का पंजाब से मुकाबला होगा।

टूर्नामेंट का ड्रॉ चीफ रेफरी महाराष्ट्र के विनय जोषी ने निकाला। इस दौरान राजस्थान बैडमिंटन संघ के सचिव और भारतीय बैडमिंटन संघ के संयुक्त सचिव के.के. शर्मा भी मौजूद रहे। ड्रॉ से पूर्व चीफ रेफरी की मौजूदगी में टीम मैनेजर और तकनीकी अधिकारियों की बैठक हुई। आयोजन सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन सायं 6 बजे से शुरू होगा। आयोजन अध्यक्ष मुकेष खंडेलवाल ने बताया कि उद्घाटन समारोह के अतिथियों में सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक अशोक कोठारी, जिंदल सा लि. के सीईओ नरेन्द्र मंत्री और आरसीएम गुरप के एमडी त्रिलोक छाबड़ा मंच पर मौजूद रहेंगे। प्रतियोगिता में मेजबान राजस्थान सहित 7 टीमें भाग ले रही है। सभी राज्यों की टीमें मंगलवार को भीलवाड़ा पहुंच गई। ज्यादातार टीमों ने फोरआर्म्स बैडमिंटन एकेडमी पर जमकर अभ्यास किया। टूर्नामेंट में करीब 250 खिलाड़ी और तकनीकी अधिकारी भाग ले रहे है।

पारूल चौधरी रहेगी आकर्षण का केंद्र

प्रतियोगिता में राजस्थान की पारूल चौधरी आकर्षण का केंद्र रहेगी। पारूल चौधरी अगले माह होने वाले विष्व अंडर–19 टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। पारूल चौधरी ने भुवनेष्वर में सम्पन्न ऑल इंडिया जूनियर रैंकिग बैडमिंटन टूर्नामेंट में खिताबी जीत दर्ज कर भारतीय टीम में अपना स्थान पक्का किया था। यह टूर्नामेंट भारतीय टीम की चयन ट्रायल भी था। पारूल चौधरी अंडर–19 विष्व चैम्पियनषिप में खेलने वाली राजस्थान की पहली खिलाड़ी बनेगी। पारूल जबरदस्त फॉर्म में है और अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहा रही है।

आतंकवाद के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करना होगा- प्र.मंत्री मोदी

शंघाई को -ऑपरेशन ऑर्गनाइज़ेशन के सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्र.मंत्री मोदी ने कहा, जो देश आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं उन्हें स्पष्ट संदेश देना होगा कि आतंकवाद रणनीतिक ''एसैट'' नहीं हो सकता है

बिश्केक, 01 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक और एकजुट कार्रवाई का आ ान करते हुए कहा कि आतंकवाद के वित्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ और आतंकियों को सुरक्षित पनाह देने वाले पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करना होगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड की कोई जगह नहीं हो सकती और जो देश आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं, उन्हें स्पष्ट संदेश दिया जाना चाहिए कि आतंकवाद किसी के लिए रणनीतिक संपत्ति नहीं हो सकता।

प्रधानमंत्री ने एससीओ के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित 26वें शिखर सम्मेलन में कहा कि पिछले 25 वर्षों में संगठन ने यूरेशिया के विशाल भूभाग में संवाद और सहयोग की

■ **प्र.मंत्री ने कहा भारत बाजारों को जोड़ने वाले प्रयासों का समर्थन करता है, क्योंकि इससे विकास के नए रास्ते खुलते हैं।**

मजबूत परंपरा विकसित की है तथा मानवता के विकास और अपने लोगों की भलाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब अगले 25 वर्षों में इस सहयोग को ठोस परिणामों में बदलना एससीओ का लक्ष्य होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति और सुरक्षा इस दिशा में पहली आवश्यकता है। आतंकवाद आज भी पूरी मानवता के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। इसके खिलाफ लड़ाई को केवल कार्रवाही-प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रखा जा सकता। आतंकवाद के वित्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित पनाहगाहों के पूरे तंत्र को खत्म करना होगा। जो देश आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं और आतंकियों को पनाह तथा समर्थन देते हैं, उन्हें कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में सुरक्षा की परिधि और व्यापक हो गई है। पश्चिम एशिया के संकट ने दिखाया है कि किसी एक क्षेत्र का संघर्ष वहीं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और आपूर्ति शृंखलाओं पर पड़ता है। इसका सबसे अधिक खामियाजा ग्लोबल साउथ के देशों को भुगतना पड़ता है।

उन्होंने दोहराया कि सभी तनावों और युद्धों का समाधान युद्धक्षेत्र में नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति के जरिए ही संभव है।

एससीओ के दूसरे स्तंभ कनेक्टिविटी का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत उन सभी प्रयासों का समर्थन करता है जो बाजारों को जोड़ते हैं, व्यापार को सुगम बनाते हैं और विकास के नए रास्ते खोलते हैं। हालांकि, ऐसे प्रयासों में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह एससीओ चार्टर की मूल भावना भी है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में कनेक्टिविटी का स्वरूप और व्यापक होगा। सड़कों, रेलवे और हवाई गलियारों के साथ-साथ सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाने, डिजिटल दस्तावेजीकरण को बढ़ ावा देने और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर देना होगा।

शक्ति शर्मा भारतीय वायुसेना में एयर वाइस मार्शल बनीं

नई दिल्ली, 01 सितंबर। भारतीय वायुसेना की अधिकारी एयर वाइस मार्शल शक्ति शर्मा ने रक्षा क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। वह भारतीय रक्षा बलों में एयर वाइस मार्शल या उसके समकक्ष रैंक हासिल करने वाली पहली गैर-चिकित्सा महिला अधिकारी बन गई हैं। 1 सितंबर 2026 को उन्होंने एयर हेडक्वार्टर में असिस्टेंट चीफ ऑफ द एयर स्टाफ

■ **उन्होंने एक सितम्बर को एयर हैडक्वार्टर में असिस्टेंट चीफ ऑफ एयर स्टाफ (एजुकेशन) का पद संभाला।**

(एजुकेशन) का पद संभाला। शक्ति शर्मा की यह उपलब्धि भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ ती भूमिका को दिखाती है। तीन दशक से ज्यादा लंबे अपने करियर में उन्होंने वायुसेना के अलग-अलग महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है और शिक्षा, प्रशिक्षण तथा रक्षा से जुड़े कई संस्थागत कार्यों में योगदान दिया है। एयर वाइस मार्शल शक्ति शर्मा को 18 जून 1994 को भारतीय वायुसेना की एजुकेशन ब्रांच में कमीशन मिला था। इसके बाद उन्होंने ट्रेनिंग संस्थानों, फील्ड स्टेशनों, कमांड मुख्यालय और एयर हेडक्वार्टर सहित कई महत्वपूर्ण जगहों पर जिम्मेदारियां संभालीं।

जब व्यक्ति लोगों को जोड़ता है, कुर्सी अपने आप उसके पास आती है- पायलट

सचिन पायलट ने मालानी रत्न, गोरधन राम कड़वासरा की प्रतिमा का अनावरण किया

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मंगलवार को बालोतरा जिले के धोरीमन्ना क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत अणदाणियों की ढाणी में मालानी रत्न, स्वर्गीय गोरधन राम कड़वासरा की प्रतिमा का अनावरण किया।

बालोतरा/जालोर, 1 सितम्बर। बालोतरा जिले के धोरीमन्ना क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत अणदाणियों की ढाणी में मालानी रत्न, स्वर्गीय गोरधन राम कड़वासरा की प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित, क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि एवं अनेक लोग शामिल हुए। इस दौरान स्वर्गीय गोरधन राम कड़वासरा के सामाजिक योगदान और उनके व्यक्तित्व को याद किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए सचिन पायलट ने कहा कि गोवर्धनराम जी के जीवन से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को कुर्सी के पीछे भागने के बजाय, लोगों को जोड़ने का काम करना चाहिए। जब व्यक्ति लोगों को जोड़ता है तो कुर्सी अपने आप उसके पास आती है।

पायलट ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता ने राम मंदिर निर्माण में एक-एक रुपये का सहयोग दिया, लेकिन भाजपा

■ **पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बाड़मेर दौरे के दौरान ''वीरेन्द्र धाम'' परिसर में रह रहे छात्रों के साथ नाश्ता किया और उनके अध्ययन व भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली।**

नेताओं ने उस पैसे में चोरी की।

इस अवसर पर पूर्व गुड़ामालानी विधायक हेमाराम चौधरी ने स्वर्गीय गोरधन राम कड़वासरा के साथ अपनी दोस्ती और पुराने संबंधों को याद किया। संस्मरण सुनाते हुए वे भावुक हो गए। उन्होंने गोवर्धनराम जी के सरल स्वभाव, सामाजिक सरोकार और लोगों के प्रति उनके जुड़ाव को याद किया।

बायतु विधायक हरीश चौधरी ने कहा कि गोरधन राम कड़वासरा और हेमाराम चौधरी ने कभी लोगों को अपने स्वार्थ के लिए नहीं जोड़ा, बल्कि जनहित और समाज के लिए काम किया।

इनके अलावा, कार्यक्रम में सांचौर के पूर्व विधायक हीरालाल बिश्नोई, पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई सहित, बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी शामिल हुए।

सचिन पायलट ने मंगलवार को बाड़मेर दौरे के दौरान 'वीरेन्द्र धाम' में विद्यार्थियों से मुलाकात की। पायलट ने धाम परिसर में रह रहे छात्रों के साथ सुबह का नाश्ता किया और उनके अध्ययन और भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर पायलट ने वीरेन्द्र धाम द्वारा क्षेत्र के युवाओं के लिए किए जा रहे सामाजिक व शैक्षिणक प्रयासों की सराहना की।

वीरेन्द्र धाम का निर्माण पूर्व मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता हेमाराम चौधरी ने अपने दिवंगत पुत्र स्व. वीरेन्द्र चौधरी की स्मृति में कराया है। यह धाम बाड़मेर में ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए आवास, अध्ययन और मार्गदर्शन का एक प्रमुख केन्द्र बना हुआ है।

ममता बनर्जी की भतीजी का घर पर फंदे से लटका शव मिला

कोलकाता, 01 सितंबर। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भतीजी बृष्टि मुखर्जी की मंगलवार को बीरभूम जिले में उनके घर पर मौत हो गई। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर आत्महत्या की आशंका जताई है। बृष्टि की उम्र 28 वर्ष थी।

पुलिस के अनुसार, रामपुरहाट क्षेत्र के कुसुम्बा गांव स्थित उनके घर की दूसरी मंजिल के एक कमरे से दोपहर में उनका शव बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य प्रक्रियात्मक जांच के बाद ही मौत की परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी।

परिवार के सदस्यों के मुताबिक, बृष्टि तलाक की प्रक्रिया से गुजर रही थीं। उनका पिछले कुछ वर्षों से अवसाद का इलाज भी चल रहा था। बृष्टि के पिता निहार

■ **प्रारंभिक जांच में पुलिस आत्महत्या की आशंका बता रही है।**

मुखर्जी, ममता बनर्जी के मामा के बेटे हैं और स्थानीय स्तर पर टीएमसी नेता हैं। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

सीजेपी 5 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को देखते हुए, सीजेपी 5 सितंबर के मार्च का आ ान वापस लेना उचित समझती है और आज के आदेश के अनुपालन की प्रतीक्षा करेगी।'' 24 अगस्त को सीजेपी ने घोषणा की थी कि सरकार द्वारा 25 जुलाई को किए गए वादों को पूरा न करने के विरोध में 5 सितंबर को इंडिया गेट से दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक शांतिपूर्ण मार्च निकाली जायेगी।

महाराष्ट्र और दिल्ली की एसआईआर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दर्ज किया गया, जबकि 2 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम इस स्तर पर सूची से बाहर कर दिये गये। कांग्रेस नेता ने मतदाताओं की संख्या में आई इस भारी गिरावट पर सवाल उठाते हुए एसआईआर की प्रक्रिया पर संदेह जताया। राहुल गांधी ने बंगाल में हुए एसआईआर के अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि ट्रिब्यूनल में हुई सुनवाई के बाद, मसौदा सूची से हटाए गए करीब 91 प्रतिशत नाम दोबारा शामिल कर लिए गए थे। उन्होंने अपने पोस्ट में दावा किया, ''इसका मतलब है कि हर 10 में से 9 नाम गलत तरीके से हटाए गए और चुनाव के बाद ही वापस जोड़े गए। मैंने तब भी कहा था और आज भी कह रहा हूं: यह वोट चोरी थी।''

केजरीवाल ने दिल्ली के बारे में कहा कि करीब 1.5 करोड़ मतदाताओं में से 47 लाख नाम गायब हैं, जिसका अर्थ है कि लगभग 50 प्रतिशत मतदाता चुनाव में भाग नहीं ले पाएंगे।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, ''भारत सरकार आबादी को लेकर बेवजह चिंतित है। एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग हमारे देश की आबादी को 140 करोड़ से घटाकर 50 करोड़ कर देगा।''

एसआईआर शुरू होने से पहले दिल्ली में करीब 1.45 करोड़ मतदाता थे। मसौदा मतदाता सूची में करीब 97.54 लाख नाम हैं। इस तरह 47.7 लाख मतदाता, यानी पहले के कुल मतदाताओं में लगभग एक-तिहाई, इस चरण में सूची से बाहर हो गए हैं।

चुनाव आयोग ने दिल्ली के एसआईआर से पहले के 29.86 प्रतिशत मतदाताओं को ''अनुपस्थित/स्थायी रूप से स्थानांतरित/अन्य श्रेणी में रखा है। वहीं, 1.95 प्रतिशत को मृत और 0.98 प्रतिशत को किसी अन्य स्थान पर पंजीकृत बताया गया है।

पिछले सप्ताह कर्नाटक और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों ने इस प्रक्रिया के लिए अतिरिक्त समय की मांग की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि कम गणना दर, दस्तावेजों से जुड़ी समस्याओं या जवाब देने के लिए पर्याप्त समय न मिलने के कारण पात्र मतदाताओं के नाम सूची से बाहर हो सकते हैं।

भीलवाड़ा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रत्याशियों का पैनल तय होने के बावजूद ऐन वक्त पर केवल 53 सिंबल ही निर्वाचन अधिकारी को सौंपे गए। उन्होंने कहा 17 प्रत्याशियों के सिंबल रोके जाना प्रत्यक्ष रूप से भारतीय जनता पार्टी की मदद करने जैसा है। पालीवाल ने ज्ञापन के माध्यम से आलाकमान से मांग की है कि इस पूरे घटनाक्रम पर राष्ट्रीय स्तर की जांच कमेटी गठित कर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के शीर्ष दायित्व में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार पदाधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पार्टी कार्यकर्ताओं का विश्वास बहाल हो सके।

नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों की एफआईआर रद्द- सुप्रीम कोर्ट

सर्वोच्च न्यायालय ने आर्टिकल 142 के तहत दिल्ली और चार राज्यों में छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करी

नई दिल्ला, 01 सितंबर। नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शन में शामिल छात्रों पर दर्ज एफआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने आर्टिकल 142 के तहत मिले अपने विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली और चार राज्यों में दर्ज एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। साथ ही सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) ने केंद्र के कदम और कोर्ट के आदेश को देखते हुए पांच सितंबर को प्रस्तावित मार्च वापस ले लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के अलावा असम, महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार में

■ **सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि नीट प्रदर्शन के दौरान आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को तीन माह में मुआवजा दे दिया जायेगा।**

नीट प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। ये मामले 20 से 25 जुलाई के बीच हुए प्रदर्शन से जुड़े थे। दिल्ली पुलिस और चार राज्य सरकारों ने कोर्ट से आर्टिकल 142 के तहत इन मामलों को खत्म करने की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने मामले पर सुनवाई की और एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत में दिए गए भरोसे पर कायम है। उन्होंने बताया कि नीट प्रदर्शन के दौरान आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। केंद्र ने इसके लिए तीन महीने का समय मांगा है।

पाँच साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में तैनात तत्कालीन एएसआई ललिता शर्मा दुर्घटनाग्रस्त हुई मोटरसाइकिल को छोड़ने तथा दुर्घटना करने वाले वाहन को जब्त करने की एवज में रिश्वत राशि की मांग कर रही हैं। शिकायत का सत्यापन करने पर एएसआई की ओर से दो हजार रुपए की रिश्वत मांगने और सत्यापन के दौरान पांच सौ रुपए लेने की पुष्टि हुई। इसके बाद ट्रैप कार्रवाई की गई। बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि कार्रवाई के दौरान फैनोफ्थान पाउडर लगी पन्द्रह सौ रुपए की रिश्वत राशि उसके कब्ज से नहीं मिली। जिससे साबित है कि उसने रिश्वत नहीं ली थी। इसका जवाब देते हुए अभियोजन पक्ष ने कहा कि भले की ट्रैप के समय रिश्वत राशि बरामद नहीं हो, लेकिन सत्यापन के दौरान रिश्वत की मांग और आंशिक राशि स्वीकार करना प्रमाणित है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

प्रधानमंत्री ने एक बार फिर सोना नहीं खरीदने और विदेश यात्रा नहीं करने की सलाह दी

प्रधानमंत्री मोदी ने इकॉनमी में 7.8 प्रतिशत ग्रोथ पर खुशी जताते हुए स्वदेशी को अपनाने पर जोर दिया

नई दिल्ली, 01 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रैल-जून 2026 तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था की 7.8 प्रतिशत वृद्धि पर देशवासियों को बधाई देते हुए मंगलवार को विकास की गति बनाए रखने के लिए आत्मनिर्भरता और स्वदेशी पर जोर देने की अपील की। उन्होंने लोगों से गैर-जरूरी विदेशी यात्राओं, विदेश में शादियों और आवश्यकता नहीं होने पर सोना खरीदने से बचने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि दुनिया

■ **प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर जारी वीडियो में कहा, विश्व संकटों से घिरा है, सप्लाई चेन बाधित है, फिर भी भारत ने अच्छी प्रगति की है।**

युद्ध में डूबी हुई है। विश्व संकटों से घिरा हुआ है और सप्लाई चेन बाधित है, बावजूद इसके, भारत ने अच्छी प्रगति की है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद से दुनिया में स्थिरता नहीं रही, लेकिन भारत ने अपनी नीतियों, इरादों और लोगों की ताकत के बल पर बेहतर प्रदर्शन किया है।

मोदी ने देश की तरक्की को लेकर निराशा फैलाने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। दूसरी तरफ, देश के भीतर भी निराशा की गर्त में डूबे लोग चारों ओर 'झूठ की गूंज' फैलाने में लगे हैं। इस सब चुनौतियों के बावजूद भारत ने 7.8 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें अपनी विकास की गति को बनाए रखना है और इसके लिए हमें आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने देशवासियों से 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को और मजबूत करने तथा स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि यदि विदेश यात्रा केवल घूमने-फिरने के लिए की जा रही है तो उससे बचना चाहिए। इसी तरह विदेश में शादी करने से भी बचना चाहिए। जब तक आवश्यक न हो, तब तक सोना भी नहीं खरीदना चाहिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक उचित तस्वीर पेश करते हैं। यह एक ऐसी अर्थव्यवस्था है, जो अपेक्षाकृत युवा आबादी की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है और ये लोग अपने जीवन को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि उनके सामूहिक प्रयास अर्थव्यवस्था के कुल आकार को बढ़ा रहे हैं।

दूसरे देशों के विपरीत, भारतीय अर्थव्यवस्था को घरेलू खपत से ताकत मिल रही है और वही इसे आगे भी बढ़ा रही है। लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं का एक बढ़ता हिस्सा घरेलू स्रोतों से आ रहा है। उदाहरण के लिए कारों को लें। कारों की बिक्री बढ़ी है और इनका उत्पादन मुख्य रूप से देश के भीतर ही होता है। ऑटोमोबाइल उद्योग का प्रभाव बहुत व्यापक है। इसके कल-पुर्जे बनाने वाली कंपनियों से लेकर टायर बनाने वालों और सड़क किनारे के गैराज तक, इस पूरी गतिविधि में बहुत से लोग और कारोबार शामिल होते हैं और उनकी आय बढ़ती है।

कारों की बिक्री इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि पिछले दशक में, अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा की गई ''गोल्डन क्वाड्रिलेटरल'' योजना की घोषणा के बाद देश की सड़कों और राजमार्गों में काफी सुधार हुआ है। इसके बाद से नैशनल हाइवेज़ का विस्तार हुआ है और उनकी गुणवत्ता भी बेहतर हुई है। जिसने भी हमारे राजमार्गों पर कार से यात्रा की है, वह इसकी पुष्टि कर सकता है।

जीडीपी के आंकड़ों पर टिप्पणी करने वाले सभी लोगों ने हाल ही में सार्वजनिक निवेश (पब्लिक इन्वेस्टमैंट) के स्तर की ओर इशारा किया है। एक बार फिर, इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने में सार्वजनिक निवेश, जैसे बेहतर सड़कों का निर्माण, पुल बनाना और बेहतर गुणवत्ता वाले रेलवे कनैक्शन बिछाना, देश भर में आवाजाही को तेज करता है और सीधे तौर पर पूरी अर्थव्यवस्था में योगदान देता है।

इस बात को मानने का कारण यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब एक ऐसे सकारात्मक चक्र पर चल रही है, जिसमें, बुनियादी आर्थिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पब्लिक इन्वेस्टमैंट, देश के भीतर बेहतर आवाजाही, बढ़ती आय और बढ़ते उपभोक्ता खर्च एक दूसरे को बढ़ावा दे रहे हैं। आयकर में छूट की सीमा में बड़ी बढ़ोतरी और जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने का, निश्चित रूप से उपभोक्ताओं की कुल मांग पर असर पड़ा है। बिस्कुट के एक पैकेट से लेकर फ्रिज या कार जैसी बड़ी चीज़ों तक, हर चीज पर अधिक खर्च करने की क्षमता (डिस्पोज़ेबल इन्कम) से उत्पादों की मांग बढ़ सकती है। बेहतर मांग से निजी क्षेत्र की उन कंपनियों में निवेश भी बढ़ता है, जो ये उत्पाद बनाती हैं।

इस गति को बनाए रखना जरूरी है। हालांकि, इसकी कोई गारंटी नहीं है कि यह स्थिति हमेशा बनी रहेगी। नोटबंदी जैसा कोई और गलत कदम मांग की इस रफ्तार को खत्म कर सकता है। इसी तरह, टैक्स बढ़ाने का कोई भी कदम आर्थिक लाभ के इस सुनहरे मौके को भी खत्म कर सकता है।

मौजूदा स्थिति ''गोल्डीलॉक्स मोमैंट'' (एक आदर्श स्थिति) जैसी है, यानी ऐसी स्थिति, जिसमें अर्थव्यवस्था के लिए परिस्थितियां फिलहाल सही बनी हुई हैं। इसलिए अभी अर्थव्यवस्था की स्वाभाविक गति में कोई रूकावट नहीं डालना जरूरी है। यह विकास सरकार की, अर्थव्यवस्था को संभालने की समझदारी का नतीजा नहीं है। यह विकास हम भारतीयों की खुद को बेहतर बनाने की व्यक्तिगत कोशिशों का मिला-जुला असर है। सरकार को इसमें दखल नहीं देना चाहिए।

भिवाड़ी में 4 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि कार्रवाही के दौरान जिन कंपनियों की दवाइयां मिली हैं, उनके संबंध में पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के औषधि प्रशासन को जानकारी दी गई है, ताकि वहां भी संबंधित कंपनियों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। आगे की जांच के लिए संबंधित राज्यों में औषधि नियंत्रण अधिकारियों की टीम भेजी गई है। यह कार्रवाई औषधि नियंत्रक अजय फाटक के निर्देशन में सुभाष मुटनेजा, सहायक औषधि नियंत्रक, आयुक्तालय मुख्यालय, महेन्द्र जोनवाल, सहायक औषधि नियंत्रक अलवर, रामकेश मीणा, सहायक औषधि नियंत्रक दौसा एवं अलवर सहित, जयपुर, दौसा एवं भरतपुर के औषधि नियंत्रण अधिकारियों की टीम द्वारा की गई।

'डॉक्टरों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हमलों को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

अदालत ने संकेत दिया कि वह बॉम्बे हाई कोर्ट के 18 जुलाई के उस आदेश को बरकरार रखने के पक्ष में है, जिसमें कल्याण-डोंबिवली नगर निगम द्वारा संचालित अस्पताल में तीन डॉक्टरों से मारपीट के आरोपी शिवसेना पार्षद रमेश सुकर्या म्हात्रे को दी गई जमानत पर रोक लगा दी गई थी।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ म्हात्रे की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट के 18 जुलाई के जमानत पर रोक लगाने वाले आदेश और 7 अगस्त के कड़ी जमानत शर्तें लगाने वाले आदेश को चुनौती दी थी।

ये आदेश, मजिस्ट्रेट द्वारा म्हात्रे और उनके सहयोगियों को जमानत दिए जाने के बाद शुरू की गई स्वतः संज्ञान कार्यवाही के तहत पारित किए गए थे।

पीठ ने चिकित्सा कर्मियों पर हमले को गंभीर अपराध बताते हुए कहा कि जो लोग डॉक्टरों पर हमला करते हैं, वे जमानत के हकदार नहीं हैं।

हनी ट्रैप मॉड्यूल के लिए छोटे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने की संभावना नहीं है। इसके बजाय उसकी नजर छोटे शहरों और गांवों पर है, जहां कम निगरानी के बीच लोगों की भर्ती की जा सकती है और उन्हें आर्थिक प्रलोभन देकर अपने जाल में फंसाया जा सकता है।

अधिकारी के अनुसार, आईएसआई ने पहले मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश में लोगों की भर्ती की थी, जो फरीदकोट स्थित हैंडलरों को रिपोर्ट करते थे। अब एजेंसी दक्षिण भारत के शहरों में भी अपना नेटवर्क फैलाने की कोशिश कर रही है।

हालांकि, ध्यान छोटे इलाकों पर ही रहेगा, जहां संभावित लोगों को आसानी से भर्ती किया जा सके और उन्हें बड़ी रकम का लालच दिया जा सके।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हाल की जांच में सामने आया है कि आईएसआई ने लोगों को फंसाने और संवेदनशील जानकारी हासिल करने के लिए अश्लील सामग्री और नग्नता का इस्तेमाल भी हनी-ट्रैपिंग के तरीकों के रूप में किया।

अधिकारी ने कहा कि एजेंसी ने आकर्षक महिलाओं के जरिए लक्ष्यों से संपर्क स्थापित किया और खास तौर पर भारतीय सशस्त्र बलों से जुड़ी जानकारी हासिल करने की कोशिश की।

अब एआई ने ऐसे अभियानों का पता लगाना और मुश्किल बना दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, आईएसआई, एआई से तैयार महिलाओं की तस्वीरें और वीडियो बनाकर संभावित लक्ष्यों से संपर्क स्थापित कर सकती है।

इससे जांचकर्ताओं के सामने एक नई समस्या खड़ी हो गई है, क्योंकि कुछ मामलों में तस्वीरों या वीडियो में दिखाई देने वाला व्यक्ति वास्तव में मौजूद ही नहीं हो सकता। इससे आरोपियों की पहचान करना और पूरे अभियान के स्रोत तक पहुंचना अधिक कठिन हो जाता है।

हनी-ट्रैप नेटवर्क के विस्तार के बीच भारतीय एजेंसियां पहले से ही बड़ी संख्या में ऐसे मामलों से निपट रही हैं। हालिया खुफिया सूचनाओं से यह भी संकेत मिला है कि आईएसआई ने हाल ही में नियुक्त किए गए अग्निवीरों पर भी ध्यान केन्द्रित किया है।

अधिकारियों का मानना है कि ऐसे नए भर्ती हुए जवान ऑनलाइन हेरफेर के अत्याधुनिक तरीकों को पहचानने के मामले में अपेक्षाकृत कम जागरूकता के कारण आसानी से निशाना बन सकते हैं।

वे फर्ज़ी तस्वीरों या वीडियो के जाल में फंस सकते हैं और वास्तविक तथा कृत्रिम रूप से तैयार सामग्री के बीच आसानी से अन्तर नहीं कर पाते।

अधिकारियों के अनुसार, आईएसआई का प्राथमिक उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों से संबंधित जानकारी हासिल करना है। ऐसी जानकारी का इस्तेमाल सैन्य अभियानों के दौरान बढ़त हासिल करने या भारतीय सशस्त्र बलों को बदनाम करने के लिए किया जा सकता है।

अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद हनी-ट्रैपिंग के मामलों में तेज वृद्धि हुई है।

अधिकारियों के मुताबिक, इस अभियान ने पाकिस्तान के व्यापक समर्थन नेटवर्क को उजागर किया और उसकी परमाणु धमकियों को भी चुनौती दी।

एक अधिकारी ने कहा, ''पाकिस्तानी पूरी तरह बदला लेने पर आमादा हैं और इसलिए ये हनी-ट्रैपिंग अभियान दस गुना तक बढ़ गए हैं, ताकि भारतीय सशस्त्र बलों को बदनाम किया जा सके।''

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908